THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 28 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.12 2082 शुक्रवार, 25 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

61 फीसदी उपभोक्ता आयोग में अध्यक्ष नहीं

चीफ जस्टिस को लिखे गए पत्र पर जनहित याचिका के रूप में सुनवाई

जबलपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत ने नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच जबलपुर के अध्यक्ष डॉ। पीजी नाजपांडे के पत्र को जनहित याचिका के रूप में स्वीकार कर सुनवाई की। मध्य प्रदेश के विभिन्न उपभोक्ता आयोगों में अध्यक्ष व सदस्यों के पद रिक्त होने के संबंध में हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को यह पत्र लिखा गया था। युगलपीठ को सुनवाई के दौरान बताया गया कि याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय न्यायालय में पक्ष प्रस्तुत करेंगे। युगलपीठ ने एक सप्ताह का समय प्रदान करते हुए याचिका पर अगली सुनवाई 2 मई को निर्धारित की है। चीफ जस्टिस को लिखे गए पत्र में कहा गया था कि मध्य प्रदेश के 61 प्रतिशत जिला उपभोक्ता आयोगों में अध्यक्ष के पद रिक्त हैं। यह जानकारी स्वयं राज्य उपभोक्ता आयोग की वेबसाइट पर दर्शाई गई है। जनवरी 2025 की स्थिति के अनुसार, 51 जिलों में से 31 में अध्यक्ष के पद रिक्त थे। याचिका में कहा गया था कि जिन जिलों में अध्यक्ष नियुक्त हैं, उन्हें अन्य जिलों का प्रभार भी दिया गया है। अध्यक्ष के पद रिक्त होने से उपभोक्ताओं द्वारा दायर परिवादों की सुनवाई नहीं हो पा रही है। उपभोक्ता फोरम में लंबित प्रकरणों का अंबार लग गया है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने पत्र की सुनवाई जनहित याचिका के रूप में करने के आदेश जारी किए थे। याचिका पर बुधवार को हुई प्रारंभिक सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता डॉ। पी।जी। नाजपांडे की ओर से युगलपीठ को उक्त जानकारी दी गई। युगलपीठ ने अधिवक्ता की नियुक्ति से संबंधित कार्यवाही के लिए एक सप्ताह का समय प्रदान किया है।

मंत्री दुरईमुरुगन की बढ़ी मुश्किलें

मद्रास एचसी का आदेश- आय से अधिक संपत्ति मामले में तय हों आरोप

चेन्नई, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री दुरई मुरुगन की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ रही हैं। मद्रास हाईकोर्ट ने गुरुवार को एक विशेष अदालत को आय से अधिक संपत्ति के मामले में मंत्री मुरुगन और उनकी पत्नी के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। मद्रास हाईकोर्ट ने निचली अदालत के मुरुगन को बरी करने के फैसले को पलट दिया। गुरुवार को जस्टिस पी। वेलमुरुगन ने वेल्लोर की एक विशेष अदालत को दुरईमुरुगन और उनकी पत्नी के खिलाफ 2007-09 की अवधि के दौरान आय के ज्ञात स्रोतों से 1.40 करोड़ रुपये अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में आरोप तय करने का निर्देश दिया। 2006-11 की डीएमके सरकार में उनके पास लोक निर्माण विभाग का प्रभार था। इससे पहले बुधवार को भी न्यायाधीश पी वेलमुरुगन ने वेल्लोर जिले की अदालत को निर्देश दिया था कि वह डीएमके महासचिव और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में अलग-अलग जांच अवधि (1996-2001) के साथ कानून के अनुसार आरोप तय करे।

यह है मामला

डीएमके महासचिव और तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन और उनके परिवार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला 2011 में सामने आया था। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) ने दायर याचिका में कहा था कि जब दुरईमुरुगन 1996 से 2001 तक तमिलनाडु के लोक निर्माण विभाग मंत्री थे, उस दौरान उन्होंने 3.92 करोड़ रुपये की संपत्ति अपने, अपने बेटे और अन्य रिश्तेदारों के नाम पर अर्जित की।

यह संपत्ति उनकी आय से कहीं ज्यादा बताई गई है। 2017 में वेल्लोर की एक विशेष अदालत ने दंपती को बरी कर दिया था। डीवीएसी ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इस पर न्यायाधीश ने विशेष अदालत को निर्देश दिया कि मामले में फिर से आरोप तय किए जाएं और छह महीने के भीतर सुनवाई पूरी की जाए। इसके साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि चूंकि मामला काफी पुराना है, इसलिए दिन-प्रतिदिन सुनवाई कर इसे जल्द निपटाया जाए।

पहलगाम हमले में मारे गए ओडिशा के युवक का अंतिम संस्कार

मृतक की पत्नी को मिलेगी सरकारी नौकरी

बालासोर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम हमले में मारे गए ओडिशा के युवक प्रशांत सत्पथी का अंतिम संस्कार किया गया। सीएम मोहन चरण माझी बालासोर स्थित मृतक के घर पहुंचे। उन्होंने मृतक प्रशांत सत्पथी को श्रद्धांजलि दी। साथ ही परिवार के लिए 20 लाख रुपये की वित्तीय सहायता और सत्पथी की पत्नी को सरकारी नौकरी देने का एलान किया। इससे पहले प्रशांत सत्पथी का पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए बालासोर स्थित उनके आवास पर लाया गया। सीएम मोहन चरण माझी रेमुना ब्लॉक के इशानी गांव में सत्पथी के घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सत्पथी की पत्नी प्रिया दर्शनी आचार्य को नौकरी देगी तथा उनके नौ वर्षीय बेटे तनुज की शिक्षा का खर्च उठाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं इस घटना की कड़ी निंदा करता हूं और राज्य सरकार संकट की इस घड़ी में प्रशांत सत्पथी के परिवार के साथ खड़ी है। राज्य सरकार 20 लाख रुपये की वित्तीय सहायता, उनकी पत्नी को नौकरी और उनके बेटे की शिक्षा का खर्च उठाएगी। माझी ने प्रिया दर्शनी के स्वास्थ्य पर भी चिंता व्यक्त की। प्रिया दर्शनी सीएम से बात करते समय बेहोश हो गयी थीं। प्रशांत सतपथी की बहन ने कहा कि काफी मुश्किलों के बाद हम मेरे भाई और उनके परिवार से संपर्क कर पाए। जब हम उनसे संपर्क में आए तो हमें बताया गया कि मेरा भाई ठीक है। लेकिन बाद में हमें बताया गया कि वह हमले में मारा गया है।

'जेल में बंद अपराधी कोई गुलाम नहीं'

दिल्ली हाई कोर्ट ने रेप-हत्या के दोषी को दी पैरोल

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने रेप और हत्या से जुड़े एक मामले में सजायाफ्ता एक व्यक्ति की पैरोल अर्जी यह कहते हुए स्वीकार कर ली कि सिर्फ इसलिए कि कोई अपराधी 20 साल से ज्यादा समय से जेल में है, उसके साथ 'गुलाम' जैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि याचिकाकर्ता ने अपने अपराध के लिए दो दशक से ज्यादा समय जेल में बिताया है।

मौलिक अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता- जज

जस्टिस कृष्णा ने 16 अप्रैल के अपने फैसले में कहा, ''उसे जीवन के मौलिक अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। सिर्फ इसलिए कि वह जेल में कैद है, उसके साथ 'गुलाम' जैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता, जिसे कोई बुनियादी मौलिक मानवाधिकार हासिल नहीं है। अब समय आ गया है कि जेल अधिकारी ऐसे मामलों से निपटने में थोड़ी ज्यादा संवेदनशीलता दिखाएं।''

कैदी ने मांगी थी चार हफ्ते की पैरोल

रेप और हत्या के मामले में सजायाफ्ता व्यक्ति ने पैरोल पर चार हफ्ते के लिए रिहा किए जाने के अनुरोध को लेकर हाई कोर्ट का रुख किया था। याचिका पर सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि याचिकाकर्ता ने 2022 में आत्महत्या का प्रयास किया था और जेल अधिकारियों से 'थोड़ी ज्यादा संवेदनशीलता' दिखाने को कहा। हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता को वांछित अवधि के लिए पैरोल पर रिहा कर दिया। अदालत ने कहा कि उसे जेल अधिकारियों से उम्मीद थी कि वे याचिकाकर्ता की पैरोल अर्जी को सामान्य बताने के बजाय उसमें दिए गए आधार को सत्यापित करने के लिए 'थोड़ा और प्रयास' करते। हाई कोर्ट ने कहा कि उम्रकैद की सजा भुगत रहा यह व्यक्ति गरीब है और वह अपनी सामाजिक एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए पैरोल चाहता है।

पहलगाम आतंकी हमले पर मुस्लिमों का फूटा गुस्सा

बोले- 'बॉर्डर खोलो पाकिस्तान पर हो हमला सेना लाहौर में करे नाश्ता'

भोपाल, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ भोपाल में मुस्लिम समुदाय ने आतंकवाद का पुतला फूंका और आतंकवाद व पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। पुराने भोपाल शहर की मस्जिद के सामने बड़ी संख्या में मुस्लिमों ने प्रदर्शन किया किया। हाथों में तख्तियां बैनर लेकर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शन के दौरान भोपाल के मुस्लिमों ने पाकिस्तान को खूब खरी-खोटी सुनाई। मुस्लिम समाज के लोगों ने कहा कि सरकार बॉर्डर खोले और पाकिस्तान पर हमला किया जाए। भारत की सेना पाकिस्तान के अंदर घुसकर दुश्मनों को मारे और लाहौर में सेना नाश्ता करे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हमारी सेना ताकतवर सेना है। नाश्ता हमारा दिल्ली में हो और खाना लाहौर में हो। अब मीटिंग करने की जरूरत नहीं है। पानी पर रोक लगाने की जरूरत नहीं है। पूरे देश का मुसलमान लड़ने को तैयार है। हम बॉर्डर पर जाकर लड़ने को तैयार हैं। पाकिस्तान को जवाब देना जरूरी है। मुस्लिमों ने कहा कि हमारी नस्ल शहादत वाली है। हम बॉर्डर पर जाकर शहादत देने के लिए तैयार हैं। सरकार से वादे और दावे नहीं चाहते हैं। अब सर्जिकल स्ट्राइक से काम नहीं चलेगा। अब हमें तिरंगा लाहौर में लहराना है। सरहदें खोल दीजिए। देश का अल्पसंख्यक समाज पाकिस्तान जाकर आतंकवाद को सबक सिखाएगा, लाहौर में तिरंगा गाडेग़ा। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि आतंकवादियों को फांसी नहीं, चौराहे पर गोली मारनी चाहिए। लाहौर में जाकर हम उन्हें मारेंगे भी और मरेंगे भी।

पहलगाम आतंकी हमले पर दिग्विजय सिंह की दो टूक

सुरक्षा से समझौता नहीं हो, सख्त कदम उठाना चाहिए

भोपाल, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना के खिलाफ देश भर में प्रदर्शन हो रहे हैं और लोगों में इस आतंकी घटना के खिलाफ आक्रोश देखा जा रहा है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह भोपाल में आतंकी हमले में शहीद लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए कैंडल मार्च में शामिल हुए थे। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधायक आरिफ मसूद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

दिग्विजय सिंह ने सुरक्षा में चूक पर उठाए सवाल

कांग्रेस ने मौन कैंडल मार्च निकाल कर पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में हुए शहीदों को श्रद्धांजलि दी। मार्च के दौरान दिग्विजय सिंह ने कहा, आतंकवाद से कोई समझौता नहीं हो सकता। सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए। उन्होंने सुरक्षा और खुफिया तंत्र में संभावित चूक की ओर संकेत करते हुए इसकी गहन जांच की मांग की। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस हमले को भारत माता के माथे पर कलंक बताते हुए कहा, आतंकवाद के खिलाफ हम सरकार के साथ हैं। सरकार को कठोर और त्वरित प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया, कोई भी मजहब आतंकवाद नहीं सिखाता, और देश का हर नागरिक आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है।

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का बड़ा बयान 'पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक 3 की तैयारी शुरू'

मुंबई, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार के अगले कदम का इंतजार है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कड़ी कार्रवाई के संदेश दिए। इस बीच महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री और शिवसेना के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे ने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक 3 की तैयारी शुरू है। एकनाथ शिंदे ने एबीपी न्यूज़ से बातचीत में कहा कि जो घटना हुई है, वह निंदनीय है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसकी कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा, "पीएम मोदी ने अब एक्शन लेना शुरू किया है। बड़े एक्शन की तैयारी है। मोदी और अमित शाह जरूर बड़ा कदम उठाएंगे। सर्जिकल स्ट्राइक 3 की तैयारी शुरू है।" शिंदे ने कहा, "अब इसके आगे पाकिस्तान के साथ कोई खेल नहीं होना चाहिए। भारत पाकिस्तान मैच भी नहीं होनी चाहिए। पाकिस्तान की एक भी फिल्म रिलीज नहीं करने देंगे। सभी रिश्ते खत्म होने चाहिए।" आतंकी हमले के बाद विपक्ष ने सुरक्षा को लेकर सरकार पर सवाल खड़े किए हैं।

बच्ची से क्रूरता: पत्थर से कुचला, आंखें फोड़ीं, काटे कान; दुष्कर्म नहीं कर सका अधेड़

छतरपुर/भोपाल, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। छह साल की मासूम बच्ची के साथ 47 साल के अधेड़ ने दुष्कर्म का प्रयास किया। बच्ची के विरोध के कारण आरोपी इसमें कामयाब नहीं हो पाया। इसके बाद उसने बच्ची के साथ जो किया वह देखकर मासूम के परिवार, पुलिस और डॉक्टरों की भी रूह कांप गई। दरिंदे ने पत्थर से उसका चेहरा बुरी तरह कुचल दिया। इससे उसकी दोनों आंखें फूट गईं और नाक की हड्डी भी टूट गई। इतना ही नहीं आरोपी दरिंदा बच्ची के कान तक चबा गया। उसके सीने पर गंभीर चोट के निशान थे और प्राइवेट पार्ट से खून निकल रहा था। जानकारी लगने पर मां मौके पर पहुंची तो बच्ची खून में लतपथ पड़ी हुई थी, गंभीर हालत में उसे अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन, उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। दरअसल, दरिंदगी की यह वारदात मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले की है। जिले के बड़ामलहारा थाना क्षेत्र के ग्रामीण इलाके में रहने वाली बच्ची दोपहर करीब डेढ़ बजे अपने घर के बाहर खेल रही थी। इस दौरान उसका चार साल का छोटा भाई भी वहां मौजूद था। दोनों आसपास के कुछ बच्चों के साथ खेल रहे थे। इस दौरान वहां 47 साल का बालकिशन यादव उर्फ मम्मा वहां आया और बच्चों को टॉफी दिलाने की बात कहकर अपने साथ ले गया। कुछ दूर दुकान से उसने बच्चों को टॉफी दिलाई और वापस आने लगा। रास्ते में बालकिशन एक अधबने घर के पास रुक गया, उसने छह साल की मासूम बच्ची को भी अपने पास रोका, और सभी बच्चों को वहां से भागा दिया। इसके बाद वह बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने लगा। ऐसा करते हुए उसे बच्ची के भाई ने देख लिया, जिसके बाद वह घर की ओर भागा। जिला अस्पताल पहुंची छह साल की बच्ची की हालत देखकर डॉक्टरों की भी रूह कांप गई।

पहलगाम हमले पर कांग्रेस की मांग-खुफिया विफलताओं और सुरक्षा चूक की जांच की जाए

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर गुरुवार को दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस नेताओं ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा। इसके अलावा एक प्रस्ताव भी पास किया गया। बैठक के बाद कांग्रेस ने प्रेस कांफ्रेंस के जरिए इस प्रस्ताव की जानकारी दी। कांग्रेस ने कहा कि पाकिस्तान ने यह कायराना साजिश रची और देश में भावनाएं भड़काने के लिए हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया गया।

कांग्रेस ने खुफिया विफलताओं और सुरक्षा चूक का भी जिक्र किया और सरकार से जांच की मांग की। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पवन खेड़ा ने अमरनाथ यात्रा को लेकर चिंता जाहिर की है, उन्होंने सरकार से मांग की है कि यात्रा के दौरान पुख्ता इंतेजाम किए जाएं, ताकि किसी भी यात्री को कोई समस्या न हो।

सुरक्षा चूक की हो जांच-पवन खेड़ा

पवन खेड़ा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश है। ऐसे में यहां सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है। पहलगाम एक बहुत सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है, जहां त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू है। ऐसे में यह अत्यावश्यक है कि इस केंद्र शासित प्रदेश- जो सीधे-सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आता है- में इस प्रकार के हमले को अंजाम देने में हुई खुफिया विफलताओं और सुरक्षा चूक की व्यापक और गहन जांच की जाए। इन सवालों को व्यापक जनहित में उठाना आवश्यक है। यही एकमात्र रास्ता है, जिससे पीड़ित परिवारों के साथ न्याय होते हुए देखा जा सकता है।

जानबूझकर हिंदुओं को बनाया निशाना

पाकिस्तान की तरफ से रची गई यह कायरतापूर्ण और सुनियोजित आतंकी कार्रवाई हमारे गणतंत्र के मूल्यों पर सीधा हमला है। पूरे देश में भावनाओं को भड़काने के लिए हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया गया है। हम इस गंभीर उकसावे के सामने शांति की अपील करते हैं और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने के लिए अपनी सामूहिक शक्ति की पुष्टि करते हैं। सीडब्ल्यूसी शांति की अपील करती है।

बीजेपी दे रही कलह को बढ़ावा

कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि इस नरसंहार की जम्मू और कश्मीर के सभी राजनीतिक दलों और इसके नागरिकों के एक बड़े वर्ग ने निंदा की है। हालांकि, यह चौंकाने वाला है कि बीजेपी आधिकारिक और प्रॉक्सी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से इस गंभीर त्रासदी का फायदा उठाकर ऐसे समय में और अधिक कलह, अविश्वास, ध्रुवीकरण और विभाजन को बढ़ावा दे रही है, जब एकता और एकजुटता की सबसे अधिक आवश्यकता है।

आतंक का पेड़ जड़ से पूरी तरह हो खत्म: ओवैसी

अइमिम चीफ ओवैसी ने पहलगाम हमले पर कहा कि आतंकी आये तो कैसे आए इस पर जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस जगह हमला हुआ वहां से सीआरपीएफ को क्यों हटाया गया। ओवैसी ने साफ कहा कि आतंक का ये पेड़ पूरी तरह खत्म होना चाहिए। इस घटना के बाद पीएम को सख्त से सख्त कदम उठाना चाहिए।

धमकी मिलने के बाद बढ़ाई गई जीशान सिद्दीकी की सुरक्षा, वीपीएन का इस्तेमाल कर भेजा गया था मेल

मुंबई, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। एनसीपी नेता और पूर्व विधायक जीशान सिद्दीकी को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद, मुंबई पुलिस ने एनसीपी के नेता और पूर्व विधायक जीशान सिद्दीकी की सुरक्षा बढ़ा दी है, जीशान सिद्दीकी के बांद्रा स्थित आवास पर छह अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात कर दिए हैं। बांद्रा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, धमकी भरा ईमेल भेजने वाले ने वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल किया था, पुलिस ने बताया तीन दिन लगातार धमकी भरा ईमेल भेजा गया। बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद जीशान सिद्दीकी को वॉय सुरक्षा दी गई लेकिन जीशान ने अपने परिवार के लिए पुलिस सुरक्षा बढ़ाने की मांग की थी। बांद्रा पुलिस स्टेशन से चार कांस्टेबलों के साथ दो अतिरिक्त अधिकारी अब 24 घंटे सुरक्षा के लिए उनके आवास पर दो शिफ्टों में तैनात किए गए हैं। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मुंबई की बांद्रा पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ बीएनएस की धारा 308 और 351 के तहत मामला दर्ज कर और धमकी भरा ईमेल भेजने वाले का पता लगाने के लिए साइबर पुलिस के साथ मिलकर काम कर रही है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद बढ़ी सुरक्षा

मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया यह पहली बार है जब डी कंपनी की ओर से ईमेल के जरिए इस तरह की धमकी मिली है। यह एक शरारत हो सकती है, लेकिन हम इसे गंभीरता से ले रहे हैं और भेजने वाले का आईपी एड्रेस पता करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं पुलिस ने आगे बताया यह हमारी रेग्युलर सुरक्षा में आवश्यकता के आधार पर पुलिस बल सुरक्षा की जांच के लिए भेजते रहते हैं। आपको बता दें कि जीशान सिद्दीकी के पिता बाबा सिद्दीकी की हत्या बांद्रा ईस्ट में उनके ऑफिस से महज कुछ ही दूरी पर कर दी गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि इस हत्या के पीछे लॉरेंस बिश्नोई गैंग है। इसी जांच में यह भी बात सामने आई थी कि जीशान सिद्धीकी भी इनके निशाने पर था तब से इनकी सुरक्षा और भी बढ़ा दी गई है।

मुआवजा नहीं, अपराधियों को सजा दिलाना चाहता है आम नागरिक-सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज

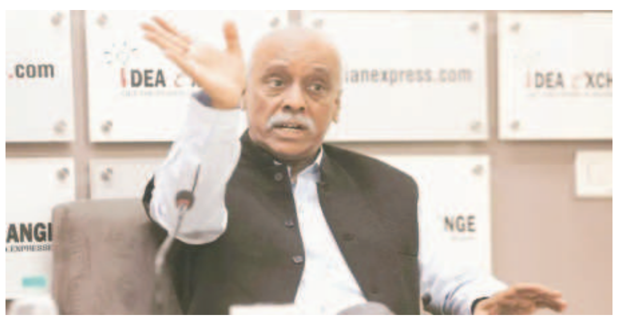

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज वी रामसुब्रमण्यम ने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली में आम आदमी का विश्वास सिविल न्याय प्रशासन से भी ज्यादा है। रामसुब्रमण्यम राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष हैं। उन्होंने संविधान क्लब में देश के पहले व्यापक आपराधिक कानून डेटाबेस के शुभारंभ पर ये बात कही। न्होंने कहा कि एक समाज के रूप में हमारी मानसिकता सभी सिविल मामलों को आपराधिक मामलों में बदलने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि एक वकील के रूप में मैंने ऐसे लोगों को देखा है जिन्होंने पैसे उधार लिए थे। वो अपना पैसा वापस नहीं पा सके। वे सभी मेरे पास आते थे और मुझसे कहते थे कि किसी तरह आप इसे आपराधिक मामले में बदल दें, ताकि उन्हें अपना पैसा वापस मिल जाए।

नुकसानों के बावजूद आपराधिक न्याय प्रशासन पर ज्यादा भरोसा

वी रामसुब्रमण्यम ने कहा कि इसलिए सभी नुकसानों के बावजूद, आपको यह वास्तविकता स्वीकार करनी होगी कि आपराधिक न्याय प्रशासन प्रणाली के सभी नुकसानों के बावजूद, इस आपराधिक न्याय प्रणाली में आम आदमी का विश्वास सिविल न्याय प्रशासन से ज्यादा है। एनएचआरसी अध्यक्ष ने नागरिकों के जीवन को आसान बनाने, व्यापार समुदाय के नियमों के पालन के बोझ और राज्य के संसाधन आवंटन के तीन अहम नजरिये से ज्यादा अपराधीकरण के व्यापक प्रभावों पर भी बात की है। कार्यक्रम के दौरान एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई। डेटाबेस पिछले 174 सालों में लागू किए गए 370 केंद्रीय कानूनों के तहत किए गए हर आपराधिक कामों और उसकी चूक का दस्तावेजीकरण करता है।

ये कुल 45 विषय क्षेत्रों में फैला हुआ है। इसका उद्देश्य नागरिकों, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं को देश में अपराधीकरण के दायरे और सीमा की गहरी समझ के साथ सशक्त बनाना है। यह दंड के फैसले के समय आने वाली विसंगतियों को सामने लाता है। साथ ही भविष्य के प्रयासों को अपराधीकरण और आपराधिक कानून बनाने की दिशा में मार्गदर्शन करने के लिए एक सैद्धांतिक रूपरेखा का प्रस्ताव करता है।

सिविल न्याय प्रशासन कानूनी तरीकों से व्यक्तियों या संस्थाओं के बीच विवादों को सुलझाने की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य पीड़ित पक्ष को राहत या मुआवजा प्रदान करना है। यह कानूनी अधिकारों को लागू करने और निजी हितों की रक्षा करने, सामाजिक स्थिरता और आर्थिक विकास सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

आपराधिक न्याय प्रणाली एजेंसियों और प्रक्रियाओं का एक नेटवर्क है जो कानूनों को लागू करती है। ये अपराधों का न्याय करती है और आपराधिक आचरण को सही करती है।

इसका उद्देश्य अपराध को रोकना, अपराधियों को दंडित करना, उनका पुनर्वास करना और कानून और व्यवस्था बनाए रखना है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 28 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.12 2082 शुक्रवार, 25 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर 6 नक्सलियों के मारे जाने की खबर

जगदलपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना राज्य की सीमा पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में करीब 6 नक्सलियों के मारे जाने और 2 जवान के जख्मी होने की खबर है। तेलंगाना, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ इन तीनों राज्यों के हजारों की संख्या में जवान ऑपरेशन पर हैं।

जवानों ने करेंगट्टा, नडपल्ली, पुजारी कांकेर की पहाड़ी पर हिड़मा, दामोदर, देवा समेत कई बड़े लीडर और उनकी बटालियन को घेरा है। इसमें करीब 300 से ज्यादा नक्सलियों के होने की सूचना है। ऑपरेशन 3 दिनों से ज्यादा समय से चल रहा है। फोर्स अंदर है। जवानों के लिए रसद का सामान हेलिकॉप्टर के जरिए पहुंचाया जा रहा है।

मधुबनी से पीएम मोदी ने दिया आतंकियों को कड़ा संदेश

'अंतिम छोर तक खदेड़ेंगे'

> आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया > कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी

मधुबनी, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम अटैक के बाद गुरुवार को बिहार के मधुबनी पहुंचे पीएम मोदी ने कहा- पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलकर रहेगी। आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई, किसी ने जीवन साथी खोया। इनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़, कोई गुजराती था, कोई बिहार का लाल था। आज सभी की मृत्यु पर कारगिल से कन्याकुमारी तक हमारा आक्रोश एक जैसा है।'

पहलगाम आतंकी हमले पर पीएम मोदी ने दुनिया को मैसेज देने के लिए मंच से अंग्रेजी में कहा, हम उन्हें धरती के अंतिम छोर तक खदेड़ेंगे। आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी। आतंकवाद को सजा मिलेगी। न्याय सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। पूरा देश इस संकल्प में एक है। मानवता में विश्वास रखने वाला हर व्यक्ति हमारे साथ है। मैं विभिन्न देशों के लोगों और उनके नेताओं को धन्यवाद देता हूं जो हमारे साथ खड़े हैं। पीएम मोदी ने कहा-22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मासूम लोगों को जिस तरह से मारा है। उससे पूरा देश व्यथित है। उनके दुख में पूरा देश साथ खड़ा है। जिनका अभी इलाज चल रहा है, वे जल्द स्वस्थ हों इसके लिए भी सरकार प्रयास कर रही है। स्पष्ट कहना चाहता हूं, हमला करने वालों को और उनकी मदद करने वालों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलकर रहेगी। पंचायती राज कार्यक्रम में शामिल हुए पीएम ने मृतकों को मंच से श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि अपनी बात शुरू करने से पहले मैं आप सबसे एक प्रार्थना करना चाहता हूं। आप जहां हैं, वहीं अपने स्थान पर बैठे रहकर ही 22 तारीख को जिन परिवारजनों को हमने खोया है। उनको श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद मैं अपनी बात शुरू करूंगा।

पंचायती राज कार्यक्रम में शामिल हुए पीएम मोदी ने कहा कि, 'आज पंचायती राज दिवस के मौके पर पूरा देश मिथिला से जुड़ा है, बिहार से जुड़ा है। आज यहां देश के बिहार के विकास से जुड़े हजारों करोड़ों रुपए के प्रोजेक्ट का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है।' आज राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर सिंह की पुण्यतिथि भी है। मैं उन्हें नमन कहता हूं। बिहार वो धरती है जहां से बापू ने अपने सत्याग्रह की शुरुआत की थी। उनकी सोच थी कि जब तक गांव का विकास नहीं होगा, तब तक भारत का विकास नहीं हो जाएगा।' बीते दिनों में पंचायतों को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए गए। 2 लाख से ज्यादा पंचायतों को इंटरनेट से जोड़ा गया है।

सरकार ने सुरक्षा में चूक मानी

* राहुल बोले-केंद्र के हर एक्शन को समर्थन * विपक्ष ने कहा-आतंकी कैंप नष्ट करें

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को माना कि पहलगाम हमले में सुरक्षा में चूक हुई है। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि आईबी और गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने मीटिंग में विपक्षी नेताओं को सुरक्षा में हुई चूक के बारे में जानकारी दी। इस दौरान विपक्ष ने कहा कि वे सरकार के साथ हैं। विपक्षी सांसदों ने आतंकी कैंपों को नष्ट करने की मांग की।

कहा की सरकार आतंक के खिलाफ कड़े कदम उठाए। सर्वदलीय बैठक के बाद राहुल गांधी ने बताया कि हर एक्शन पर सरकार को पूरा सपोर्ट है। सर्वदलीय बैठक दो घंटे चली। बैठक में पहलगाम हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। पहलगाम के नजदीक बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 26 टूरिस्ट की हत्या कर दी थी। इनमें एक नेपाली नागरिक शामिल था। 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। राहुल गांधी शुक्रवार को कश्मीर के अनंतनाग जाएंगे। वहां हमले में घायल हुए लोगों से मिलेंगे। वायुसेना युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। इसे आक्रमण नाम दिया गया है। इसमें अंबाला (हरियाणा) और हाशीमारा (पश्चिम बंगाल) की दो राफेल स्क्वॉड्रन हिस्सा लेंगी। विदेश मंत्रालय ने जर्मनी, जापान समेत कई देशों के राजदूतों को बुलाया। बैठक में पहलगाम हमले की जानकारी दी।

रूसी मीडिया रशिया टुडे (आरटी) ने मौजूदा हालातों को देखते हुए दावा किया है कि भारत कुछ बड़ा करने वाला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें पहलगाम हमले की जानकारी दी। भारत सरकार के अटारी बॉर्डर बंद करने के ऐलान के बाद वीजा लेकर भारत आए पाकिस्तानी नागरिक पंजाब के अटारी चेक पोस्ट से वापस लौटना शुरू गए। केंद्र सरकार ने पाकिस्तान सरकार के X हैंडले को भारत में बैन कर दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एडवाइजरी जारी करके अपने नागरिकों को जम्मू-कश्मीर न जाने की सलाह दी है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले अमित शाह और जयशंकर

> पहलगाम आतंकी हमले पर दिया अपडेट

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आज केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। जिसकी अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे, वहीं कांग्रेस पार्टी ने मांग की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बैठक की अध्यक्षता करें। इस बैठक से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की है। सर्वदलीय बैठक से पहले अमित शाह और विदेश मंत्री जयशंकर इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उनको पहलगाम आतंकी हमले की जानकारी दी है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र का एक्शन

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमले के बाद पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा पर कैबिनेट समिति ने कई अहम फैसले लिए हैं। इसमें पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है। वहीं अटारी बॉर्डर को भी बंद कर दिया गया है। जबकि भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। इसके साथ पाकिस्तान के राजनायिकों को भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही सेना को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया गया है।

पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने बैयसरन के घास के मैदान मे छुट्टियां मना रहे लोगों पर अचानक गोलियां बरसानी शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों और मृतकों के परिजनों ने बताया कि आतंकियों ने सभी से उनके नाम पूछे उसके बाद लोगों को कलमा पढ़ने को कहा। वहीं कलमा पढ़ पाने और हिंदू धर्म से जुड़े पर्यटकों को आतंकियों ने मौके पर गोली मार दी। आतंकियों के हमले में कुल 26 लोगों की मौत हुई है। जबकि 20 से ज्यादा लोग इसमें घायल हैं।

बौखलाया पाकिस्तान : भारत के लिए बंद किया हवाई क्षेत्र

इस्लामाबाद, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए आंतकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े फैसले लिए हैं। भारत की ओर से की गई कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने आज राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की बैठक की। ये बैठक इस्लामाबाद में शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में पाकिस्तान के तीनों सेनाध्यक्ष, महत्वपूर्ण मंत्री, शीर्ष सिविल और सैन्य अधिकारी शामिल हुए थे। पाकिस्तान की मीडिया के मुताबिक, पाकिस्तानी सरकार का कहना है कि अगर भारत ने पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने या उसकी दिशा बदलने की कोशिश की, तो इसे युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा।

पाकिस्तान की सुरक्षा परिषद में लिए गए फैसले

* शिमला समझौता समेत सभी द्विपक्षीय समझौते तत्काल प्रभाव से स्थगित किए गए। पाकिस्तान ने वाघा बॉर्डर बंद करने के आदेश जारी कर दिए हैं।
* भारतीय एयरलाइंस के लिए अपने हवाई क्षेत्र बंद किए।
* एनएससी बैठक के बाद पाकिस्तान ने कहा, पाकिस्तान की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे का सभी क्षेत्रों में मजबूती से जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले को 'अस्वीकार' करते हुए कहा कि यह 240 मिलियन पाकिस्तानियों के लिए जीवन रेखा है। भारत ने पानी रोका तो उसे युद्ध जैसा कृत्य माना जाएगा।

'ये हमारे गणतंत्र पर सीधा हमला'

> कांग्रेस ने कहा-पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड पाकिस्तान

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम हमले को लेकर पूरे देश में गम और गुस्से का माहौल है। गुरुवार को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई। इस बैठक में कहा गया कि पहलगाम के कायराना हमले का मास्टरमाइंड पाकिस्तान है और यह हमला हमारे गणतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है। कांग्रेस ने भाजपा की आलोचना भी की और आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी इस त्रासदी को भी तुष्टिकरण और भेदभाव को बढ़ावा देने के लिए इस्तेमाल कर रही है, जबकि इस समय एकता की सबसे ज्यादा जरूरत है।

'हमले का मास्टरमाइंड पाकिस्तान'

कांग्रेस पार्टी की फैसले लेने वाली सर्वोच्च निकाय कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में पहलगाम हमले की निंदा करते हुए प्रस्ताव लाया गया। हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की मौत हुई और 20 से ज्यादा घायल हुए हैं। प्रस्ताव में कहा गया है कि 'यह हमला कायराना और पूरी तरह से सोची समझी रणनीति के तहत किया गया, जिसका मास्टरमाइंड पाकिस्तान है। यह हमारे गणतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है। जानबूझकर हिंदुओं को निशाना बनाया गया ताकि पूरे देश की भावनाओं को भड़काया जा सके।'

पार्टी के प्रस्ताव में कहा गया कि हम इस भड़काऊ परिस्थिति में शांति बनाए रखने की अपील करते हैं। हम एकता और समर्पण से ही आतंकवाद का मुकाबला कर सकते हैं।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पार्टी नेताओं जयराम रमेश और पवन खेड़ा के साथ पार्टी के प्रस्ताव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बैठक में स्थानीय युवक को भी श्रद्धांजलि दी गई, जो पर्यटकों को बचाते हुए आतंकी हमले में मारा गया। पार्टी ने कहा कि 'ये हैरान करने वाला है कि भाजपा इस त्रासदी को भी समाज में भेदभाव, नफरत फैलाने के लिए इस्तेमाल कर रही है, जबकि इस समय एकता दिखाने की जरूरत है।'

अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने की मांग

केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस एक बतौर जिम्मेदार राजनीतिक पार्टी होने के नाते सुरक्षा में चूक और खुफिया असफलता पर सवाल उठाएगी। हम चाहते हैं कि सरकार इस पर जवाब दे। कांग्रेस ने 25 अप्रैल को हमले के विरोध में पूरे देश में कैंडल मार्च निकालने का भी एलान किया।

कांग्रेस पार्टी ने आगामी अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने की मांग की ताकि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और जम्मू कश्मीर के लोगों की आजीविका की भी सुरक्षा हो सके, जो पर्यटकों पर निर्भर है।

दुश्मनों को घर में ही नेस्तानाबूद करने की तैयारी

आईएनएस सूरत युद्धपोत से मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस सूरत ने समुद्र में लक्ष्य की सटीकता से सफल परीक्षण किया है। ये मिसाइल परीक्षण हमारी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक और मील का पत्थर साबित हुआ है। जानकारी के मुताबिक, भारतीय नौसेना की तरफ से अरब सागर में मिसाइल का परीक्षण किया गया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद आईएनएस सूरत पर किया गया परीक्षण दुश्मन देशों के लिए किसी चेतावनी से कम नहीं है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र का एक्शन

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमले के बाद पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा पर कैबिनेट समिति ने कई अहम फैसले लिए हैं। इसमें पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है। वहीं अटारी बॉर्डर को भी बंद कर दिया गया है। जबकि भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। इसके साथ पाकिस्तान के राजनायिकों को भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही सेना को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया गया है।

पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने बैयसरन के घास के मैदान मे छुट्टियां मना रहे लोगों पर अचानक गोलियां बरसानी शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों और मृतकों के परिजनों ने बताया कि आतंकियों ने सभी से उनके नाम पूछे उसके बाद लोगों को कलमा पढ़ने को कहा। वहीं कलमा पढ़ पाने और हिंदू धर्म से जुड़े पर्यटकों को आतंकियों ने मौके पर गोली मार दी। आतंकियों के हमले में कुल 26 लोगों की मौत हुई है। जबकि 20 से ज्यादा लोग इसमें घायल हैं।

24 घंटे में तीसरा एनकाउंटर एक जवान शहीद

श्रीनगर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच पिछले 24 घंटे में लगातार तीसरा एनकाउंटर चल रहा है। सुरक्षाबलों ने उधमपुर के डूडू बसंतगढ़ में कुछ आतंकियों को घेर लिया है। आतंकवादियों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

मुठभेड़ में सेना का एक हवलदार शहीद हो गया। व्हाइट नाइट कॉर्प्स और एलजी मनोज सिन्हा ने एक्स पर रैंक 6 पारा एसएफ के शहीद हवलदार झंटू अली शेख को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा-मुठभेड़ में फायरिंग के दौरान हमारे एक बहादुर को गंभीर चोटें आईं और बाद में इलाज के समय उसकी मौत हो गई। एनकाउंटर ऑपरेशन अभी भी जारी है। उधर, जम्मू-कश्मीर में बांदीपुरा पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के चार ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कुछ ओजीडब्ल्यू पुलिस और गैर स्थानीय लोगों पर हमला करने का मौका तलाश रहे थे।

पहलगाम हमले पर आचार्य प्रमोद कृष्णम बोले यह इंसान का नहीं, शैतान का काम है

सम्भल, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, "यह सिर्फ कश्मीर पर हमला नहीं है, बल्कि यह भारत और पूरी मानव जाति पर हमला है। यह किसी इंसान का नहीं, बल्कि शैतान का काम है। इस दुख की घड़ी में पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी है। मुझे लगता है कि आतंकियों का कोई सटीक और बुनियादी इलाज करना पड़ेगा।" आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, "यह समय हिंदू और मुसलमानों को बांटने का नहीं है। आज पूरे भारत को एकजुट होने का समय है। यह हमारे राष्ट्र पर हमला है। पाकिस्तान हिंदू और मुसलमानों के बीच नफरत पैदा करना चाहता है और भारत की एकता को तोड़ना चाहता है। हिंदुओं की पहचान करना और उनकी बेरहमी से हत्या करना एक बहुत बड़ी साजिश है। आज हर हिंदुस्तानी का फर्ज बनता है कि वह प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़े रहें। इस्लामिक देश समेत पूरी दुनिया के लोग आज भारत के साथ खड़े हैं।" उल्लेखनीय है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सुरक्षा बलों ने बुधवार को कुछ संदिग्ध आतंकियों की तस्वीरें और स्केच जारी किए हैं। सुरक्षा बलों के अनुसार, इस हमले में तीन आतंकवादियों की पहचान आसिफ फूजी, सुलेमान शाह और अबू तलहा के तौर पर की गई है। इस हमले में मंगलवार को 26 नागरिकों की जान चली गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। घायलों में स्थानीय निवासी भी शामिल हैं। मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। यह हमला ऐसे समय हुआ जब घाटी में पर्यटकों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा था।

शुभम द्विवेदी के घर पहुंचे सीएम योगी बोले

यह वो सरकार नहीं जो मुकदमे वापस ले, हम आतंकियों को कुचल देंगे

कानपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए कानपुर निवासी शुभम द्विवेदी को गुरुवार को ड्योढ़ी घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभम के आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने शुभम की पत्नी से आतंकी हमले की पूरी आपबीती सुनी और कहा कि डबल इंजन की सरकार और पूरा देश इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि इस कायराना हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और भारत सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत पूरी शक्ति से कार्रवाई करेगी। इस दौरान सीएम ने बिना किसी राजनीतिक दल और नेता का नाम लिए बिना पूर्ववर्ती सरकारों से फैसले पर निशाना साधा। सीएम ने कहा कि यह वह सरकार नहीं जो आतंकवादियों पर दायर मुकदमों को वापस लेती हो या वहां पर भी अपना वोट बैंक देखती हो। पूरी सख्ती से ऐसे तत्वों के विषैले फनों को कुचलने का कार्य होगा।

शुभम की मौत ने पूरे प्रदेश को गमगीन कर दिया

सीएम योगी ने कहा कि आतंकवादियों ने बहन-बेटियों के सामने सिंदूर उजाड़ने जैसा अमानवीय कृत्य किया है, इसका बदला जरूर लिया जाएगा। यह हमला केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि पूरे देश की आत्मा पर हमला है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है और देश इसके ताबूत में अंतिम कील ठोकने की शुरुआत कर चुका है। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुई सीसीएस बैठक का जिक्र करते हुए बताया कि सख्त निर्णय लिए जा चुके हैं और गृह मंत्री खुद घटनास्थल का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि देश की जनता सरकार के साथ है और आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए एकजुट है।

'पहलगाम आतंकी हमला निंदनीय'

सांसद बर्क ने कहा- धर्म के नाम पर हिंसा गलत; कार्रवाई की मांग की

संभल, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सपा सांसद जियाउर्हमान बर्क ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकवादी घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस हमले से न सिर्फ वे, बल्कि पूरा देश दुखी है। बर्क ने कहा कि इस प्रकार की हिंसा किसी भी सूरत में जायज नहीं है और इसे मजहब से जोड़ना पूरी तरह गलत है। उन्होंने कहा कि इस्लाम का कोई भी सिद्धांत निहत्थे या मजलूम पर हमला करने की इजाजत नहीं देता। बर्क ने कहा कि एक बेकसूर इंसान की जान लेना, पूरी इंसानियत की हत्या के बराबर है। उन्होंने मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उनके परिजनों के साथ खड़े होने की बात कही। सांसद बर्क ने कहा कि आखिर ऐसी खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थीं, जो हमले की आशंका को पहले से नहीं भांप सकीं?

बर्क ने खुफिया विफलता को ठहराया जिम्मेदार

उन्होंने इस घटना के लिए सीधे तौर पर सरकार की खुफिया विफलता को जिम्मेदार ठहराया और मांग की कि इसकी गहराई से जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने यह भी कहा कि केवल कश्मीर ही नहीं, देश के किसी भी हिस्से में ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए।

संभल में अतिक्रमण कर बनाए गए धार्मिक ढांचों पर होगी कार्रवाई

मंदिर-मस्जिद का हिस्सा शामिल

संभल, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में स्थानीय प्रशासन लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सड़क पर अतिक्रमण कर बनाए गए धार्मिक ढांचों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जिसमें एक मस्जिद और एक मंदिर का एक हिस्सा शामिल है। अधिकारियों के अनुसार, संभल-बहजोई मार्ग पर हयातनगर थाना क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी की सड़क पर अतिक्रमण कर मस्जिद का निर्माण किया गया था और इसी सड़क के दूसरी तरफ एक मंदिर का एक हिस्सा बना हुआ है। उप जिलाधिकारी (एसडीएम) वंदना मिश्रा ने कहा कि हाल ही में किए गए भूमि सर्वेक्षण में सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण का पता चला है। उन्होंने कहा, 'संभल से हयातनगर जाने वाली सड़क पीडब्ल्यूडी की है। हाल ही में नपाई के दौरान पाया गया कि सड़क पर ही मस्जिद का निर्माण किया गया है। इसी तरह, एक मंदिर का एक हिस्सा सड़क पर अतिक्रमण कर बनाया गया है जिसमें एक बरामदा और एक कुआं शामिल है। हम जल्द ही अतिक्रमण को हटाने के लिए कार्रवाई शुरू करेंगे।'

उल्लंघन करने पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

मिश्रा ने यह भी कहा कि पास की ग्राम सभा की जमीन पर अनधिकृत व्यावसायिक गतिविधि संचालित की जा रही थी। उन्होंने कहा, 'उवैस नामक व्यक्ति ने बिना अनुमति के दुकान खोली थी, जिसे अब हटा दिया गया है। उसे चेतावनी दी गई है कि भविष्य में किसी भी तरह का उल्लंघन करने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।' एसडीएम ने कहा कि प्राथमिक विद्यालय के लिए आधिकारिक तौर पर दर्ज की गई जमीन का इस्तेमाल वर्तमान में मदरसा चलाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'रिकॉर्ड से पता चलता है कि यह जमीन प्राथमिक विद्यालय के लिए है, लेकिन कोई स्कूल मौजूद नहीं है। इसकी जगह मदरसा चलाया जा रहा है। हम पुराने रिकॉर्ड की जांच कर रहे हैं और विस्तृत जांच कर रहे हैं। अगर कोई अनियमितता पाई जाती है, तो उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'

मस्जिद और मंदिर करीब 25 से 30 साल से मौजूद- दावा

स्थानीय लोगों का दावा है कि मस्जिद और मंदिर करीब 25 से 30 साल से मौजूद हैं। इसपर एसडीएम ने कहा, 'चाहे वे कितने भी समय से वहां हों, अगर वे सड़क पर हैं, तो उन्हें स्वतंत्र और सुरक्षित सार्वजनिक आवागमन सुनिश्चित करने के लिए हटाया जाना चाहिए।

चौकी प्रभारी मारपीट मामले में आरोपी निक्की तालियान गिरफ्तार

मेरठ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सरधना के सरूरपुर में भूनी चौकी प्रभारी के साथ मारपीट के मामले थाना कंकरखेड़ा क्षेत्र में आरोपियों को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में भाकियू आंदोलनकारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निक्की तालियान को पुलिस ने मुठभेड़ के गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि उपनिरीक्षक के साथ मारपीट के मामले आरोपी कंकरखेड़ा में निक्की तालियान के घर से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस बाकी आरोपियों को गिरफ्तार करने कर रही थी। इसी बीच निक्की तालियान ने पुलिस का पिस्टल छीनकर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस के द्वारा गोली चलाई गई। जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

दूध पिलाते समय अनजाने में शावक पर बैठ गई शेरनी रूपा इटावा लॉयन सफारी में दम घुटने से हो गई मौत

इटावा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इटावा लॉयन सफारी पार्क से एक दुःखद खबर सामने आई है। यहां पर रूपा ने 4 शावकों को जन्म दिया था। इसमें से शेरनी 'रूपा' के एक शावक की मौत हो गई। घटना तब हुई जब शेरनी ने अनजाने में दूध पिलाते समय शावक पर बैठ गई, जिससे उसका दम घुट गया। यह शावक 20 अप्रैल की रात जन्मे 4 शावकों में से एक था। सफारी पार्क के निदेशक डॉ। अनिल पटेल ने बताया कि दोपहर को रूपा ने शावकों को दूध पिलाने के दौरान हादसा हो गया। शेरनी के शरीर के नीचे दबने से एक शावक की मौत हो गई, जबकि अन्य 3 सुरक्षित हैं। शाम तक शावक में कोई हलचल नहीं दिखी, जिसके बाद सीसीटीवी फुटेज की मदद से निगरानी की गई। कीपर द्वारा जाँच के बाद शावक की मौत की पुष्टि हुई।

रुपा का व्यवहार अन्य शेरनियों से अलग

इस घटना के बाद करीब तीन डॉक्टरों के एक पैनल ने शावक का पोस्टमॉर्टम किया। डॉ। पटेल ने बताया कि शेरनी रूपा का व्यवहार अन्य शेरनियों से अलग है। वह दिन भर शावकों के पास नहीं रहती और केवल शाम के समय ही उन्हें दूध पिलाने आती है। इसी असामान्य व्यवहार के कारण वन्यजीव चिकित्सकों, जीवविज्ञानियों की एक टीम रूपा और उसके शावकों पर नजर रखे हुए है।

इटावा सफारी पार्क प्रशासन के अनुसार, शेरनी रूपा का मेल 5 जनवरी 2025 को गुजरात से आए नर शेर 'कान्हा' से कराया गया था। सफारी प्रबंधन ने बताया कि 20-21 अप्रैल की रात 12:35 बजे, 1:42 बजे, तड़के 5:59 बजे और सुबह 9:14 बजे 4 शावकों ने जन्म लिया। प्रबंधन ने दो सीसीटीवी वीडियो भी जारी किए हैं।

नए नगर आयुक्त गौरव कुमार ने सम्भाली जिम्मेदारी

बोले- शहर चमकाना और भ्रष्टाचार रोकना पहली प्राथमिकता

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। नए नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बृहस्पतिवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह ने उनको पद की जिम्मेदारी सौंपी। पदभार ग्रहण करने के बाद नए नगर आयुक्त ने कहा कि सफाई और भ्रष्टाचार पर लगाम उनकी पहली प्राथमिकता होगी। बारिश के दौरान जलभराव की समस्या नहीं होने दी जायेगी। उन्होंने कहा जिस तरह पूर्व नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह ने शहर को संवारा है, वह भी उसी तरह काम करेंगे। गौरव कुमार वह मूल रूप से चंढीगढ के रहने वाले है और मैकेनिकल इंजीनियर है। 2018 बैच के अफसर गौरव ने बताया कि वह करीब डेढ़ साल पहले एल।डी।ए। में ओ।एस।डी। पद पर 20 दिन तक रहे है। अब दोबारा उनको लखनऊ में काम करने का मौका मिला है। इस समय वह प्रयागराज में सीडीओ के पद पर कार्यरत थे। उनकी ट्रेनिंग श्रावस्ती और कानपुर में हुई। आजमगढ़ में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट और गोंडा में सीडीओ के पद पर काम कर चुके है।

सीमा हैदर को भी छोड़ना होगा भारत ?

पाकिस्तानियों को 48 घंटे का अल्टीमेटम, पहलगाम हमले के बाद सरकार का कड़ा कदम

ग्रेटर नोएडा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहगाम में आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ एक बड़ा और कड़ा फैसला लेते हुए सार्क वीजा छूट की नीति के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को दी जा रही सुविधा समाप्त कर दी है। इस निर्णय के अनुसार अब पाकिस्तानी नागरिक इस छूट के अंतर्गत भारत की यात्रा नहीं कर सकेंगे। वहीं, जो पाकिस्तानी नागरिक पहले से इस सुविधा के तहत भारत में मौजूद हैं। उन्हें एक सप्ताह के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया है। वहीं, इस फैसले के बाद सीमा हैदर एक बार फिर से चर्चाओं में आ गई हैं। पाकिस्तान की सीमा हैदर मई 2023 में नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत आई थीं। सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हें पाकिस्तान भेजने की मांग की है। सीमा हैदर की कहानी सोशल मीडिया से लेकर समाचार चैनलों तक में पहले भी सुर्खियों में रह चुकी है। वह ऑनलाइन गेम पब्जी के जरिए ग्रेटर नोएडा के रहने वाले सचिन मीणा से जुड़ीं और दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। इसके बाद सीमा अपने चार बच्चों के साथ भारत आ गईं। अब वह सचिन के साथ नोएडा में रह रही हैं और हाल ही में दोनों को एक बच्चा भी हुआ है। सरकार के ताजा फैसले के बाद यह सवाल उठ रहा है कि क्या इसका असर सीमा हैदर पर भी पड़ेगा। हालांकि, पुलिस के जानकारों के मुताबिक सीमा पर कोई सीधा असर नहीं होगा। क्योंकि सीमा वीजा के जरिए भारत नहीं आई थीं, बल्कि अवैध तरीके से सीमा पार कर भारत में दाखिल हुई थीं। उनके खिलाफ मामला अदालत में विचाराधीन है और जब तक कोर्ट कोई फैसला नहीं देती, तब तक उन्हें देश से निकाला नहीं जा सकता। जेवर कोतवाली पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और केंद्र सरकार से कानूनी राय भी मांगी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए किसी भी तरह का निर्णय पूरी कानूनी प्रक्रिया के बाद ही लिया जाएगा। बता दे कि पुलगाम में हमले के बाद भारत-पाकिस्तान संबंधों में लगातार तनाव है। भारत सरकार का यह निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से एक अहम और रणनीतिक कदम माना जा रहा है।

मायके आई पाकिस्तानी महिला अब लौटेगी

अटारी बॉर्डर छोड़ा जाएगा; बरेली में अभी 34 नागरिक बाकी

बरेली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करना शुरू कर दिया है। भारत में आने वाले सभी पाकिस्तानियों को वापस भेजा जा रहा है। इसी आदेश के बाद जब बरेली में पाकिस्तानियों की तलाश शुरू हुई तो पता चला कि यहां पर कुल 35 पाकिस्तानी वर्तमान में हैं। इसमें से 34 पाकिस्तानी ऐसे हैं, जो दीर्घ कालिक वीजा पर हैं। एक महिला ऐसी है, जो केवल 45 दिन के वीजा पर आई थी। अब उसे वापस भेज जा रहा है। पुलिस को उस महिला के लिए बाघा बॉर्डर पर छोड़ने के आदेश जारी किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, शहनाज शाहिद 17 देहली मेंसन नार्थ बर्नस राबसन आरडी कराची सिंध की रहने वाली हैं। वह 24 मार्च को बरेली आई उन्होंने बताया कि पंजाब मेल से आने के दौरान ट्रेन में उनका वीजा, पासपोर्ट आदि खो गए। वह 45 दिन के वीजा पर भारत आई हैं, जो छह मई तक वैध है। शहनाज शाहिद ने बताया कि वह बारादरी क्षेत्र में अपनी बीमार मां से मिलने आई हैं। इसी बीच इस हमले के बाद केंद्र सरकार ने कड़े फैसले लिए, जिसके बाद उन्हें वापस भेजने के आदेश जारी हो गए। उन्हें वापस बाघा बॉर्डर भेजा जा रहा है। रात पुलिस ने शहनाज को देश छोड़ने का आदेश दे दिया है। इतना ही नहीं पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

एमबीए छात्रा यशी सिंह का अपहरण, सीबीआई ने झारखंड-पश्चिम बंगाल और यूपी पुलिस से मांगी रिपोर्ट

मुजफ्फरपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर की चर्चित अपहृत एमबीए छात्रा यशी सिंह का सुराग लगाने के लिए सीबीआई ने पड़ोसी राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल और यूपी के डीजीपी को पत्र लिखा है। इसके माध्यम से सीबीआई ने तीनों राज्यों में 12 दिसंबर 2022 से 31 मार्च 2023 के बीच यशी सिंह की हुलिया से मिलता जुलता कोई ह्यूमन ट्रैफिकिंग, यूडी केस व मिसिंग रिपोर्ट तो दर्ज नहीं की गयी है। इस संबंध में जानकारी मांगी है। हालांकि, तीनों राज्यों से अभी तक रिपोर्ट सीबीआई को नहीं मिल पायी है। सीबीआई ने बीते शनिवार को हाइकोर्ट में केस की सुनवाई के दौरान यशी सिंह अपहरण कांड में अब तक के अनुसंधान के बारे में जानकारी दी है। हाइकोर्ट में वादी पक्ष के अधिवक्ता अरविंद कुमार ने बताया सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि तीनों राज्यों के डीजीपी को पत्र लिखा गया है। रिपोर्ट अभी तक नहीं मिली है। सीबीआई ने अनुसंधान को लेकर कई बिंदुओं पर हाइकोर्ट को जानकारी दी थी। इसमें प्रमुख रूप से बताया है कि यशी सिंह इंडिया से बाहर नहीं गयी थी। यशी के मोबाइल का डिजिटल डाटा एनालाइसिस किया गया। उसमें कुछ भी सुराग हासिल नहीं हुआ। सीबीआई ने यशी सिंह के फेसबुक व मैसेंजर की चैटिंग को रिकवर करने के लिए एमएलएटी के क्रिमिनल डिवीजन यूएस प्वाइंट को भी मेल किया है। लेकिन रिपोर्ट नहीं मिली है। सभी रिपोर्ट मिलने के बाद सीबीआई का अनुसंधान में तेजी आगे बढ़ेगा।

27 जून को केस की अगली सुनवाई होगी

कोर्ट में सीबीआई की प्रोग्रेस रिपोर्ट सौंपने के बाद अब 27 जून को केस की अगली सुनवाई होगी। जानकारी हो कि सदर थाना क्षेत्र के भगवानपुर चौक से 12 दिसंबर 2022 को एमबीए की छात्रा यशी सिंह गायब हो गयी थी। उसके नाना राम प्रसाद राय के बयान पर अपहरण की धारा में प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। प्राथमिकी दर्ज होने के एक साल बाद भी पुलिस यशी सिंह को नहीं खोज पायी। यशी सिंह के सोशल मीडिया अकाउंट एक्टिव कर हैंडल करने के मामले में पुलिस दो महिलाओं को गिरफ्तार कर जेल भेजी थी। इसके अलावा एक संदिग्ध को थाने पर लाकर पूछताछ की थी। इसके बाद भी यशी का कुछ सुराग नहीं मिला, तो उसके परिजनों ने हाइकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

अफ्रीका में मुलाकात, भारत में शादी, कौन हैं चीन की सियाओ जो बिजनौर की बनीं बहू?

बिजनौर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के चांदपुर कस्बे में रात एक अनोखी और भावनात्मक शादी समारोह ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। जब चीन की निवासी सियाओ और भारत के अभिषेक राजपूत ने पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाजों के साथ विवाह किया। यह विवाह सिर्फ दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो अलग-अलग संस्कृतियों और देशों का संगम बन गया। अभिषेक मूल रूप से बिजनौर जिले के मोरना गांव के निवासी हैं। अभिषेक और सियाओ की पहली मुलाकात करीब पांच साल पहले अंगोला में हुई थी। वे वहां एक आईटी कंपनी में साथ काम करते थे। कार्यस्थल की पहचान धीरे-धीरे गहरी दोस्ती और फिर प्यार में बदल गई। चीन के शांक्सी प्रांत के ताइयुआन शहर की रहने वाली सियाओ परिवार की इकलौती संतान हैं।

वीजा संबंधी समस्याओं के चलते उनके माता-पिता शादी में शामिल नहीं हो सके लेकिन सियाओ ने अकेले भारत आकर इस रिश्ते को साकार किया। दोनों ने पहले 25 सितंबर 2024 को चीन में कोर्ट मैरिज की थी, लेकिन अभिषेक की ख्वाहिश थी कि वे अपने परिवार और परंपराओं के अनुसार एक पारंपरिक हिंदू विवाह भी करें। सियाओ ने इसे सहर्ष स्वीकार किया। इस सप्ताह चांदपुर के पंचवटी बैंक्वेट हॉल में शादी समारोह का भव्य आयोजन किया गया। पारंपरिक जयमाला, सप्तपदी और हवन जैसे सभी रस्में पूरी श्रद्धा और उल्लास से संपन्न हुईं। जब स्टेज पर वर-वधू ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई, तो तालियों की गूंज और मुस्कुराहटों से माहौल भावुक और उत्सवी हो उठा। हवन के दौरान सियाओ ने भारतीय संस्कृति के अनुरूप अग्नि के सात फेरे लिए और अभिषेक को पति रूप में स्वीकार किया।

2 साल बाद सामने आई अतीक के भाई अशरफ की बीवी जैनब !

पहुंची हाईकोर्ट, कर दी बड़ी मांग

प्रयागराज, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित प्रयागराज में साल 2023 की फरवरी में उमेश पाल हत्याकांड में आरोपित जैनब अब सामने आई है। जैनब, अतीक अहमद के भाई अशरफ की बीवी है। जैनब ने हाईकोर्ट का रुख किया है। माफिया अतीक के भाई अशरफ की पत्नी जैनब ने दाखिल याचिका की है। इस याचिका में कुर्की की कार्रवाई और गैर जमानती वारंट को चुनौती दी गई है। बता दें उमेश पाल हत्याकांड में फरार जैनब के खिलाफ कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी है। पुलिस कुछ महीने पहले फरार जैनब के घर को कुर्क कर चुकी है। अब जैनब ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर कुर्की की कार्रवाई और एनबीडब्ल्यू को चुनौती दी है। जैनब ने अपनी याचिका में बीएनएसएस की धारा 528 के तहत कुर्की की कार्रवाई को रद्द करने की मांग की है। यह याचिका 15 अप्रैल को ही दाखिल की गई थी। इससे पहले भी जैनब ने अग्रिम जमानत, एफआईआर खारिज करने की मांग संबंधी याचिका दाखिल की थी, जिसमें उसे हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली थी।

वक्फ की संपत्ति बेचने के मामले में भी आरोपित

जैनब सिर्फ उमेश पाल हत्याकांड के मामले में ही नहीं है बल्कि वह 50 करोड़ रुपये की वक्फ संपत्ति बेचने में आरोपित है। बता दें जैनब के नाम एक मकान पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने बुलडोजर एक्शन लिया था। फिलहाल अभी जैनब की याचिका पर सुनवाई की तारीख तय नहीं है। अगले सप्ताह में जैनब की याचिका पर सुनवाई की उम्मीद है। 24 फरवरी 2023 को उमेश पाल की गोली मारकर हत्या की गई थी। हत्याकांड की साजिश में जैनब को भी आरोपित बनाया गया है। जैनब हत्याकांड में आरोपित बनाए जाने के बाद से फरार चल रही है। पुलिस ने जैनब की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 25 अप्रैल, 2025 5

सुविचार: जितना आप दूसरों में अवगुण देखेंगे, उतना ही आप पर अवगुणों का असर पड़ेगा इसलिए गुणग्राही बनो

बाल तस्करी में शामिल दंपत्ति समेत पांच आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम को पुरस्कार मिलेगा

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चंद्रायनगुट्टा थाने की पुलिस ने बाल तस्करी में शामिल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गांधी प्रतिमा से पांच साल की बच्ची (लड़की) के अपहरण की शिकायत मिली थी। मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने पर संदिग्धों के घर का पता चला।

पुलिस उपायुक्त, दक्षिण पूर्व क्षेत्र, हैदराबाद शहर, पाटिल कांतिलाल सुभाष इस मामले में एक जोड़े को हिरासत में लिया गया और पूछताछ के दौरान उन्होंने स्वेच्छा से अपराध करना कबूल कर लिया। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने बच्ची (अपहृत लड़की) को 1.30 लाख रुपए में उप्पल में रहने वाली परवीन भानु नामक महिला को बेच दिया था। पुलिस की एक टीम उस स्थान पर गई और सफलतापूर्वक लड़की को छुड़ाया। उस समय परवीन भानु फिर से सुनीता और राजेंद्र प्रसाद नामक दो व्यक्तियों को बच्ची को बेचने की कोशिश कर रही थी। पुलिस ने उन्हें भी पकड़ लिया। उन्होंने कहा कि जांच में यह भी पता चला कि राजेंद्र प्रसाद जीडीमेटला के चिंतल में रहता है और नोवा फर्टिलिटी सेंटर, बंजारा हिल्स में एजेंट के तौर पर काम करता है और सुनीता कुमारी चिलुकानगर, उप्पल में एक छोटा सा प्राथमिक उपचार क्लिनिक चलाती है। दोनों पर पहले विक्रोली पुलिस स्टेशन, पूर्वी मुंबई महाराष्ट्र में बाल तस्करी के एक मामले में आरोप लगाया गया था। इस अपहरण की योजना जावेद पाशा और उसकी दूसरी पत्नी शाइस्ता परवीन नामक दंपत्ति ने पहले से बनाई थी। अपराध करने के बाद पुलिस से बचने के इरादे से उन्होंने कई सावधानियां बरतीं और जावेद ने हेलमेट पहना था, शाइस्ता ने बुर्का पहना था। उन्होंने मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट को कपड़े से ढक दिया था। वे रात में शरीफ नगर से निकले, हैदराबाद के विभिन्न हिस्सों में घूमते रहे और जब बच्ची चंद्रायनगुट्टा में सड़क किनारे दिखी तो उसका अपहरण कर लिया।

पांच साल की अपहृत बालिका मरियम सादी बारकस, चंद्रायनगुट्टा, हैदराबाद की रहने वाली है। पुलिस ने इस मामले में सैयद जावेद पाशा निवासी तीगलगुडा, हैदराबाद, शाइस्ता परवीन पत्नी सैयद जावेद पाशा, परवीन बानू निवासी चिलकनगर, उप्पल, आरआर जिला, जवागी सुनीता कुमारी निवासी बीराप्पगड्डा उप्पल, कप्पाला राजेंद्र प्रसाद निवासी, भगत सिंह नगर, चिंतल, कुतुबुल्लापुर, मेडचल, मल्कजगिरी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से एक एक्टिवा बाइक, एक 3 व्हीलर ऑटो, 5 मोबाइल फोन, एक ऑल्टो कार, नकद %6000 रुपए बरामद किया गया है। पुलिस उपायुक्त, दक्षिण पूर्व क्षेत्र, हैदराबाद शहर, पाटिल कांतिलाल सुभाष ने कहा कि टीम द्वारा अच्छा कार्य किया गया है। मनोज कुमार एसीपी चंद्रायनगुट्टा, के. गुरुनाथ, एसएचओ, चंद्रायनगुट्टा और उनकी टीम के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में बी. पोचैया एसआई, वी. श्रीनिवास राव, एसआई , पीसी बी. प्रवीण, एम. इलैय्या, के. नंद किशोर, डी. वेंकटेश गौड ,जी. स्वाति, डी. नागुर बाशा, एचसी अब्दुल जब्बार ने आरोपी व्यक्तियों को पकड़ा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को उनके सराहनीय कार्य के लिए उचित पुरस्कार दिया जाएगा।

सीएम के आश्वासन से खुश होकर 5 हजार उबले अंडे वितरित कर डाले

> तेलंगाना पोल्ट्री फेडरेशन ने रेवंत रेड्डी के कट-आउट पर दुग्धाभिषेक किया

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पोल्ट्री फेडरेशन (टीपीएफ) ने राज्य में पोल्ट्री किसानों का समर्थन करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को धन्यवाद दिया है। फेडरेशन के नेताओं ने बशीर बाग स्थित फेडरेशन कार्यालय में मुख्यमंत्री के कट-आउट पर दूध से अभिषेक किया। इस अवसर पर बोलते हुए, तेलंगाना पोल्ट्री फेडरेशन के अध्यक्ष मोहन रेड्डी ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों से आंगनवाड़ी योजना के तहत केवल तीन परिवारों को चिकन अंडे के लिए निविदाएं मिल रही थीं। उन्होंने कहा कि इसके कारण %500 पोल्ट्री किसानों को नुकसान हो रहा है और कहा कि राज्य में सात क्षेत्रों में निविदा प्रक्रिया आयोजित की जा रही थी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग, जो अधिकारियों को मैनेज कर रहे हैं, विभिन्न शर्तें लगाकर अवैध रूप से निविदाएं प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के संज्ञान में लाया गया था, जिन्होंने इसका जवाब दिया और एक महीने के लिए निविदा प्रक्रिया को रोक दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने टेंडर प्रक्रिया की समीक्षा की है और आश्वासन दिया है कि टेंडर सभी के हित में होंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री के कट-आउट पर दूध से अभिषेक किया है, ताकि उनके त्वरित कदम के लिए आभार व्यक्त किया जा सके। इस अवसर पर जनता को 5,000 उबले अंडे वितरित किए गए।

बीआरएस को किसी को पार्टी का अध्यक्ष नियुक्त करना चाहिए : कांग्रेस एमएलसी

> अद्दांकी दयाकर ने केटीआर को चुनौती दी

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस एमएलसी अद्दांकी दयाकर ने मांग की है कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) बीसी, एससी या एसटी समुदाय से किसी को पार्टी का अध्यक्ष नियुक्त करे। गुरुवार को यहां गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस एमएलसी ने कहा कि बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव को कम से कम अपने परिवार के अलावा किसी और को पार्टी अध्यक्ष बनाना चाहिए और सवाल किया कि क्या केसीआर में इस चुनौती को स्वीकार करने का साहस है। उन्होंने कहा, 'अगर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव वाकई साहसी हैं, तो उन्हें पार्टी अध्यक्ष की भूमिका निभानी चाहिए और अपनी पार्टी को जीत की ओर ले जाना चाहिए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अध्यक्ष बनने के दो साल बाद ही कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाने में कामयाबी हासिल की।' दयाकर ने यह भी सवाल किया, 'बीआरएस के लिए तेलंगाना राज्य अध्यक्ष का पद वर्तमान में कौन संभाल रहा है? और राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कौन काम करता है? केटीआर के लिए यह स्पष्ट करना ज़रूरी है कि वह वास्तव में कार्यकारी अध्यक्ष हैं या नहीं। क्या बीआरएस पार्टी 25 साल से काम कर रही है, या यह टीआरएस पार्टी है? टीआरएस अब तेलंगाना में मौजूद नहीं है; बीआरएस पिछले दो साल से सक्रिय है।' उन्होंने आगे उल्लेख किया कि कांग्रेस सरकार पिछली बीआरएस सरकार के विपरीत विलासिता के उद्देश्यों के लिए हेलीकॉप्टरों का उपयोग नहीं करती है, और कांग्रेस पार्टी के पास बीआरएस की तरह अपना खुद का हेलीकॉप्टर नहीं है। कांग्रेस एमएलसी ने बीआरएस पार्टी पर तेलंगाना में मुख्य रूप से भाजपा के हितों की सेवा करने का आरोप लगाया और कहा कि केटीआर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू को एनडीए में फिर से शामिल होने के लिए मनाने का प्रयास कर रहे हैं।

एसीबी ने पेड्डापल्ली में सिंचाई विभाग के 2 अधिकारियों को किया गिरफ्तार

पेड्डापल्ली, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने सुल्तानाबाद स्थित कार्यकारी अभियंता (सिंचाई) डिवीजन-6 कार्यालय में अपने एक कर्मचारी से 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए दो सिंचाई अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के अनुसार, कार्यालय अधीक्षक दुपाला श्रीधर बाबू ने कार्यालय के एक कर्मचारी एजाज से उसके 88 दिनों के लंबित बीमारी अवकाश (हाफ पे लीव) बिल तैयार करने के लिए 20,000 रुपये की मांग की। रिश्वत देने के लिए तैयार न होने पर एजाज ने एसीबी से संपर्क किया, जिसने कार्यालय में श्रीधर बाबू की ओर से शिकायतकर्ता से 20,000 रुपये लेते हुए वरिष्ठ सहायक महादेवी सुरेश को पकड़ लिया। एसीबी अधिकारियों ने दोनों को हिरासत में ले लिया और उन्हें करीमनगर स्थित एसपीई एवं एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भारत न्याय रिपोर्ट-2025 में तेलंगाना पुलिस विभाग को देश में प्रथम स्थान मिलने पर डीजीपी जितेंद्र और खुफिया प्रमुख शिवधर रेड्डी को बधाई दी।

परीक्षा केंद्र पर नकलची गिरफ्तार

निर्मल, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोमावरपेट में एक विद्यालय में ओपन स्कूल की वार्षिक परीक्षा के दौरान कथित रूप से नकल करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि कंदुला जयवर्धन को दासंदला रत्नाकर की जगह परीक्षा देने के आरोप में पकड़ा गया।

उसे तब पकड़ा गया जब निरीक्षकों ने उसका हॉल-टिकट चेक किया। उसे आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप दिया गया। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान में बिहार के मुखियाओं का प्रशिक्षण शुरू

> एनआईआरडी एंड पीआर ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस भी मनाया

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर, 1992 के 73वें संविधान संशोधन अधिनियम के ऐतिहासिक अधिनियमन को चिह्नित करते हुए, जिसने पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) को स्थानीय स्वशासन के स्तंभों के रूप में औपचारिक रूप दिया, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी एंड पीआर), हैदराबाद ने बिहार के 137 मुखियाओं (ग्राम पंचायत अध्यक्षों) के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण और एक्सपोजर विजिट का गौरवपूर्वक उद्घाटन किया। 2010 से प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला यह महत्वपूर्ण दिवस 3 मिलियन से अधिक निर्वाचित प्रतिनिधियों के सशक्तिकरण का जश्न मनाता है - जिनमें से लगभग आधी महिलाएँ हैं - जो पूरे भारत में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र, सामाजिक समानता और सतत विकास को आगे बढ़ाती हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन एनआईआरडी एंड पीआर के हैदराबाद परिसर में डॉ. जी. नरेंद्र कुमार महानिदेशक, एनआईआरडी एंड पीआर द्वारा डॉ. अंजन कुमार भांजा, डॉ. आर. चिन्नादुरई, डॉ. आर. अरुणा जयमणि और डॉ. के. राजेश्वर सहित प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। अपने मुख्य भाषण में, डॉ. जी. नरेंद्र कुमार ने राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में पीआरआई की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे दक्षिणी राज्यों की अनुकरणीय सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रकाश डाला, जो बिहार में अभिनव शासन मॉडल को प्रेरित कर सकती हैं। डॉ. कुमार ने वाटरशेड प्रबंधन, वनीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा और ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (जीपीडीपी) के माध्यम से विकेन्द्रीकृत योजना जैसी पहलों के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में पीआरआई के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। पंचायती राज केंद्र के एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. अंजन कुमार भांजा ने स्वागत भाषण दिया और पंचायती राज में उत्कृष्टता स्कूल (एसओईपीआर) के माध्यम से एनआईआरडी एंड पीआर की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। एसओईपीआर ई-गवर्नेंस, वित्तीय प्रबंधन, एसडीजी कार्यान्वयन, जलवायु लचीलापन और स्थिरता, और संघर्ष समाधान, क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने और स्थानीय शासन में नवाचार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाले नौ विशेष केंद्रों के माध्यम से पीआरआई का समर्थन करता है। 24 से 26 अप्रैल 2025 तक चलने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम में तेलंगाना में पुरस्कार विजेता ग्राम पंचायतों का प्रदर्शन दौरा शामिल है।

एनआईआरडी एंड पीआर संकाय द्वारा समन्वित और तेलंगाना सरकार के पंचायती राज और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा समर्थित इस यात्रा का उद्देश्य मुखियाओं को अनुकरणीय शासन प्रथाओं में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करना है, जिससे उन्हें अपने समुदायों में प्रभावशाली बदलाव लाने के लिए सशक्त बनाया जा सके।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें X@SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट:www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

PUB/0444

प्रपत्र 10-01
सार्वजनिक अधिसूचना

इसके द्वारा निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि,

सेक्शनः अतिरिक्त लूप लाइन्स (अर्थात् रोड-3-आरएण्डडी एवम् वर्कशाप लाइन तथा रोड-4- गूड्स लाइन) आलमपूर रोड (एएलपीआर) पर नई स्थापित ओएचइ का उर्जीकरण या एनर्जाइशेसन करना एवम् दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन के ओएचइ मास्ट लोकेशन से नई लाइन से सीएमएलआऱ **वर्क शाप : 235/2ए(किमी/सीएच:235/49.5) से 236/16ए (किमी/सीएच : 236/703.30)** बीजी सिंगल लाइन सेक्शन मनोपाड(एमओए)-कर्नूल सिटी(केआरएनटी) स्टेशनों के बीच सीएमएलआऱ वर्कशाप तक नई लाइन का कार्य।

दक्षिण मध्य रेलवे के फ्राइट सर्विसेज के संचालन तथा यात्रियों की ढुलाई के लिए आलमपूर रोड (एलपीआर) **स्टेशन पर ओचइ मास्ट से 235/2ए(किमी/सीएच:235/49.5) से 236/16ए(किमी/सीएच:236/703.30)** के मामले में दि. 10-05-2025 को या इसके बाद 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड., एसी ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स का उर्जीकरण किया जायेगा। अतः उपरोक्त तिथि एवम् उसी तिथि से, सभी समय पर ट्रैक्शन लाइन को सक्रिय माना जायेगा तथा उपरोक्त ओवरहेड लाइन के अतिरिक्त लूप लाइन्स और एलपीआऱ यार्ड से कोच रेहाबिलिटेशन वर्कशाप लाइन परिसर में कोई भी अनधिकृत व्यक्ति न जा सकेगा एवं कोई कार्य ही कर सकेगा।

प्रपत्र 10-2
(एसीटीएम पैरा 21020, वाल्यूम ।।, पार्ट ।, सुधार पर्ची सं.32, दि.09.10.2020)
एसी 25केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ
सडक उपयोगकर्ताओं को चेतावनी

निम्नलिखित सेक्शन के एसी 25केवी ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में जनसाधारण को अधिसूचित किया जाता है कि,

सेक्शनः अतिरिक्त लूप लाइन्स (अर्थात् रोड-3- आरएण्डडी एवम् वर्कशाप लाइन तथा रोड-4- गूड्स लाइन) **आलमपूर रोड (एएलपीआर)** पर नई स्थापित ओएचइ का उर्जीकरण या एनर्जाइशेसन करना एवम् दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन के ओएचइ मास्ट लोकेशन से नई लाइन से सीएमएलआऱ **वर्क शाप : 235/2ए (किमी/सीएच:235/49.5) से 236/16ए(किमी/सीएच:236/703.30)** बीजी सिंगल लाइन सेक्शन मनोपाड(एमओए)-कर्नूल सिटी(केआरएनटी) स्टेशनों के बीच सीएमएलआऱ वर्कशाप तक नई लाइन का कार्य।

दक्षिण मध्य रेलवे के फ्राइट सर्विसेज के संचालन तथा यात्रियों की ढुलाई के लिए आलमपूर रोड (एलपीआर) स्टेशन पर, **ओचइ मास्ट लोकेशन से 235/2ए (किमी/सीएच:235/49.5) से 236/16ए(किमी/सीएच:236/703.30) (अर्थात् रोड नं. 3-**आरएण्डडी एवम् वर्कशाप लाइन व रोड 4-गूड्स लाइन) एवं बीजी सिंगल लाइन पर नई लाइन से सीएमएलआर वर्कशाप के मामले में चूंकि एलपीआर यार्ड पर एलसी गेट्स नहीं हैं तथा नई प्रस्तावित लाइन के तहत हाइट गेजेस न होने के कारण, यह सार्वजनिक सूचना के लिए लागू नहीं हैं।

A0557 वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआऱ/हैदराबाद

ट्रेडिंग धोखाधड़ी मामले में शामिल बैंक रिलेशनशिप सेल्स मैनेजर गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, हैदराबाद सिटी की टीम ने उत्तर प्रदेश से ट्रेडिंग धोखाधड़ी मामले में शामिल एक बैंक रिलेशनशिप सेल्स मैनेजर गिरफ्तार किया है। आरोपी दीपक कुमार आईसीआईसीआई बैंक की ओमेगा-I शाखा, ग्रेटर नोएडा में रिलेशनशिप मैनेजर है। वह एक खाता आपूर्तिकर्ता है और ट्रेडिंग धोखाधड़ी में शामिल है। पुलिस के अनुसार सिकंदराबाद निवासी एक पीड़ित से शिकायत मिली थी, जिसमें कहा गया था कि साइबर जालसाजों ने एक टेलीग्राम आईडी के माध्यम से उससे संपर्क किया और स्टॉक खरीदने और बेचने के लिए मुफ्त ट्रेडिंग टिप्स देकर उसे निवेश करने के लिए राजी किया। कुछ दिनों के बाद, उन्होंने कमोडिटी ट्रेडिंग में आगे के मार्गदर्शन और भारी मुनाफा कमाने के लिए जालसाजों द्वारा प्रदान किए गए ट्रेडिंग एप्लिकेशन पर पुनर्निर्देशित किया। शिकायतकर्ता ने उन पर विश्वास किया और 12287120 (एक करोड़ बाईस लाख अस्सी हजार एक बीस रुपये) की राशि हस्तांतरित कर दी।

बाद में, वॉलेट में प्रदर्शित लाभ के साथ जमा की गई कुल राशि बहुत अधिक थी, उसने आगे की निकासी की मांग की, जिसे उन्होंने विभिन्न कारणों से अस्वीकार कर दिया और वास्तव में उसे एक चेतावनी के साथ आगे जमा करने के लिए कहा कि, इनकार करने पर सभी संचार बंद हो जाएंगे, और उपयोगकर्ता आईडी ब्लॉक कर दी जाएगी।

इस संबंध में पीएस साइबर क्राइम, हैदराबाद में मामला दर्ज किया गया।इस मामले में आरोपी दीपक कुमार अकाउंट सप्लायर है और आईसीआईसीआई बैंक में रिलेशनशिप सेल्स मैनेजर के रूप में काम करता है और कमीशन के आधार पर टेलीग्राम प्लेटफॉर्म के माध्यम से साइबर जालसाज को अकाउंट सप्लाई करता था। एनसीआरपी के आंकड़ों के अनुसार, यह पाया गया है कि आरोपी द्वारा दिया गया खाता पूरे भारत में 23 मामलों में शामिल है और उसके खाते से 6 करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया है। आरोपी व्यक्तियों ने एक संगठित समूह बनाया और ट्रेडिंग टिप्स देने के बहाने निर्दोष लोगों को ठगा। पुलिस निरीक्षक के. प्रसाद राव के नेतृत्व में टीम के सदस्यों पीवीएस अभिषेक (एसआई), पीवी श्रीनिवास (एचसी), पीसी के ए. सतीश, एस. श्रीनिवास रेड्डी, जी. क्रांति, एच. शेखर और के. धनंजय राव ने आर.जी. शिव मारुति, एसीपी, साइबर क्राइम पीएस, हैदराबाद की देखरेख में मामले का पता लगाया है।

डीजीपी डॉ. जितेन्द्र ने पुलिस परिवारों से सिविल सेवा में चयनित लोगों को बधाई दी

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने पुलिस कर्मियों के परिवारों से सिविल सेवा में चयनित तीन लोगों को बधाई दी। गुरुवार को डीजीपी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उनके मार्गदर्शक की भूमिका निभाने वाले कानून एवं व्यवस्था के अतिरिक्त डीजीपी महेश एम भागवत के साथ ही सीआईडी डीजी शिखा गोयल, अतिरिक्त डीजीपी अनिल कुमार, आईजीपी एम रमेश आईपीएस, एम श्रीनिवास व अन्य शामिल हुए। सिविल सेवा में 68वीं रैंक हासिल करने वाले जे. साई चैतन्य के पिता जे. गोविंदू डिचपल्ली में हेड कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं, जबकि 225वीं रैंक हासिल करने वाले ए. कौशिक नरसिम्हा के पिता ए. वेणुगोपाल डीजीपी कार्यालय में डीएसपी के पद पर कार्यरत हैं। 779वीं रैंक हासिल करने वाले टी. सूर्या तेजा के पिता टी. करुणाकर विधानसभा में चीफ मार्शल के पद पर कार्यरत हैं। डीजीपी ने कहा कि यह खुशी की बात है कि पुलिस विभाग में काम करने वाले कर्मियों के बेटे सर्वश्रेष्ठ रैंक के साथ सिविल सेवा के लिए चुने गए हैं और सुझाव दिया कि उन्हें भविष्य में समाज की सेवा करनी चाहिए। उनके गुरु की भूमिका निभाने वाले अतिरिक्त डीजीपी महेश एम भागवत ने कहा कि जे साई चैतन्य के पिता जे गोविंदू, जिन्होंने 68वीं रैंक हासिल की है, जब वे आदिलाबाद जिले के एसपी थे, तब उनके लिए काम करते थे और जे गोविंदू के बेटे की सफलता पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि वे पिछले साल टी सूर्या तेजा के साथ-साथ जे साई चैतन्य के भी गुरु थे और फिर उनका चयन भारतीय वन सेवा के लिए हुआ।

धर्म पूछ कर गोली मारी!

इंसानियत के दुश्मनों ने कश्मीर घाटी में संभवतः पहली बार धर्म पूछ-पूछ कर गोली मारा है। इन दहशतगर्दों को कौन बताए कि इंसानियत से बढ़ कर कोई धर्म नहीं है। जम्मू-कश्मीर में इसके पहले भी आतंकी हमले होते रहे हैं, लेकिन बहुत कम ऐसा हुआ है कि आम लोगों पर ही गोली बरसा दी जाए। इसके पहले जब भी आतंकी घटनाएं हुई हैं उसमें उनका टारगेट सरकार, व्यवस्था, फौजी और अर्द्ध-सैनिक बल ही रहे हैं। हालांकि जब भी कोई फौजी, सिपाही या कोई सरकारी कर्मचारी उनकी गोलियों का शिकार होता था तब भी देश के लोग उसी तरह भावुक होकर गुस्सा निकालते रहे हैं जैसा कि आज निकाल रहे हैं। लेकिन इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता कि पर्यटकों पर पहली बार इतना वीभत्स हमला किया गया है। हमले के तुरंत बाद से ही टीवी चैनल बताने लगे हैं कि भारत कभी भी पाकिस्तान पर हमला करने वाला है। बस एक मीटिंग की देर है। लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं है। कूटनीतिक कार्रवाई पर विचार हो सकता है पर इसका मतलब हमला या सर्जिकल स्ट्राइक तो कतई नहीं है। जाहिर है इस नरसंहार के बाद पूरा राष्ट्र उद्वेलित है,भावुक है। और अति संवेदनशील भी। आम जनता तो यही चाहती है कि इस जघन्य अपराध का बदला लेना ही चाहिए। बता दें कि सरकार को अलग तरह से सोचना पड़ता है। हालात के तमाम लाभ-हानि भी देखे व समझे जाते हैं। काफी सघन सोच-विचार के बाद ही कोई कार्रवाई की रणनीति बनाई जाती है। संभवतः वही होगा भी। बता दें कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद की शांति दहशतगर्दों और उनके आकाओं को रास नहीं आ रही है। शांतिपूर्ण कश्मीर को देखकर उनके पेट में मरोड़ उठने लगी थी। इसीलिए वे इस पूरी प्रक्रिया और व्यवस्था को ही पटरी से उतारने पर तुले हैं। लेकिन इसके लिए वे इतना जघन्य नरसंहार कर डालेंगे? आखिर इसे कैसे बर्दाश्त किया जा सकता है। पर्यटकों में कुछ नवविवाहित थे, तो कुछ अफसर अपने परिवार के साथ खुशियों की तलाश में गए थे, लेकिन आतंकियों ने किसी की मांग उजाड़ दी तो किसी की गोद। पहलगाम की जन्नत को आतंकियों ने कुछ ही देर में मरघट में तब्दील कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जो पर्यटक कलमा नहीं पढ़ सके वे सब मारे गए। इस तरह के अपराधों की सभ्य समाज में कोई जगह नहीं हो सकती। कोई और किसी प्रकार की क्षमा भी नहीं। निश्चित ही दोषी आतंकवादियों और उनके मुखबिरों को ढूंढकर सजा दी जाएगी। लेकिन पाकिस्तान पर हमला या सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कार्रवाई की फिलहाल संभावना नहीं दिखाई देती। क्योंकि इस बारे में सुरक्षा एजेंसियों से विस्तृत इनपुट के बाद ही कोई फैसला लिया जा सकता है। अपनी तरह का यह पहला आतंकी हमला है इसलिए, यह भी देखा जाएगा कि ये कोई ट्रैप तो नहीं है? कौन-कौन इस सब में शामिल हो सकते हैं? ये उकसावा कहीं चीन की तरफ से तो नहीं है? है तो किस हद तक? पाकिस्तान इसमें कितना और किस तरह शामिल है? यह सब विचार भारत सरकार करेगी और फिर तय किया जाएगा कि इससे निबटने के लिए क्या किया जा सकता है। ये जरूर है कि कश्मीर में अब सख्ती बहुत ज्यादा बढ़ जाएगी। दहशतगर्दों की गर्दन पकड कर बाहर लाया जाएगा। यह पहली बार है, जब इस आतंकी हमले के खिलाफ कश्मीर के कोने-कोने में भी प्रदर्शन हो रहे हैं और वहां के स्थानीय लोगों में हमलावरों के प्रति गुस्सा है। केवल जम्मू या श्रीनगर ही नहीं, गांदरबल और इसके जैसे कई दूरस्थ इलाकों में भी हमले के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। इसके पहले कश्मीर में जब भी प्रदर्शन या बंद होता था तो वो सरकार या व्यवस्था के खिलाफ हुआ करता था। इस हमले के बाद कश्मीरियों ने यह दिखाने की पूरी कोशिश की है कि वे अब यहां अमन-शांति चाहते हैं। आम लोगों पर इस तरह के हिंसक हमले का वे कतई समर्थन नहीं करते। इन प्रदर्शनों को देखकर इस बार पाकिस्तान की नींद उडी हुई है। पाकिस्तान को पता है कि भारत सरकार इसका बदला लेने के लिए क्या कर सकता है।

सिर के बदले सिर,गोली का बदला गोलों से लेना होगा

संजीव ठाकुर

पहलगाम में 28 निर्दोष पर्यटकों की आतंकवादियों द्वारा निर्मम हत्याकाण्ड को इतिहास में एक बड़ी अमानवीय घटना के रूप में याद किया जाएगा। भारत को चाहिए कि अब इस जहरीली विचारधारा तथा इसके नेपथ्य में जितनी भी संस्थाएं और देश शामिल है उनका समूल नाश किया जाना चाहिए तब जाकर इन निर्दोष 28 व्यक्तियों की हत्या का बदला माना जाएगा। विचारधारा तथा मानसिक विकृति के शिकार कुछ बंदूकधारियों द्वारा निरीह लोगों की हत्या कर अपना मकसद साध लेना ही आतंकवाद की श्रेणी में नहीं आता है,बल्कि शक्ति संपन्न राष्ट्रों द्वारा अपनी विस्तार वादी सामंती अवधारणा को पूरा करने के लिए छोटे देशों पर हमला करना भी आतंकवाद ही है l इसराइल-हमास, रूस-यूक्रेन युद्ध इसका ताजा उदाहरण है, अमेरिका की दादागिरी, चीन का पागलपन, उत्तर कोरिया की सनक इन सबके विभस्त उदाहरण है जो अपनी व्यवसायिक ,सामरिक और मानसिक सनक को पूरा करने के लिए किसी भी देश को नेस्तनाबूद कर नागरिकों पर कहर ढाकर उन्हें मौत के घाट उतार देते हैंl यह सब अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक बलात आतंकवाद ही हैंl भारत एक सशक्त और बलशाली देश होने के बावजूद शांति की नीति को अपनाए हुए है और वैश्विक शांति का संदेश भी देने का प्रयास कर रहा है ऐसे देशों को साधुवाद देना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाबली राष्ट्रों की विस्तार वादी तथा सामंती गतिविधियों की सार्वजनिक निंदा भी की जानी चाहिएl आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही है जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं।

मुर्शिदाबाद के बाद अब कश्मीर में मौतें

सुरेश गांधी

22 अप्रैल 2025 की सुबह, जब देश भर में लोग सामान्य जीवन जी रहे थे, तब कश्मीर के शांत, सुंदर पहलगाम घाटी में गोलियों और धमाकों की आवाज़ गूंज रही थी। यह सब कुछ तब हुआ जब घाटी में अमन पटरी पर लौट रहा था, लेकिन आतंकियों की नापाक हरकत ने फिर से घाटी को लहूलुहान कर दिया। पिछले कई वर्षों बाद नागरिकों पर किया गया यह सबसे जघन्य हमला था। आतंकियों ने लोगों को चुन चुन कर मारा, लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर दौड़ते नजर आए। इस हमले में 28 निर्दोष लोग मारे गए, जिनमें विदेशी पर्यटक, स्थानीय लोग और एक भारतीय नौसेना अधिकारी भी शामिल थे। इस हमले की ज़िम्मेदारी "द रेज़िस्टेंस फ्रंट" (टीआरएफ) नामक आतंकी संगठन ने ली है। यह एक ऐसा नाम जो शायद ज़्यादा लोगों के लिए नया हो, लेकिन इसके पीछे की सोच, रणनीति और उद्देश्य पुराने हैं। "द रेज़िस्टेंस फ्रंट" दरअसल लश्कर-ए-तैयबा (एलइटी) का ही एक छद्म संगठन है। 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद, पाकिस्तान ने आतंकवाद को 'लोकल विद्रोह' की शक्ल देने के लिए टीआरएफ जैसे संगठनों को गढ़ा। इससे उनका उद्देश्य था कि दुनिया को यह दिखाया जाए कि कश्मीर में जो हो रहा है, वह बाहरी आतंक नहीं, बल्कि स्थानीय 'आंदोलन' है। लेकिन ज़मीनी सच्चाई इससे कोसों दूर है। टीआरएफ की फंडिंग, हथियारों की सप्लाई और प्रशिक्षण सब पाकिस्तान से होता है। इसका असली चेहरा अब भारत ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उजागर हो चुका है। ऐसे हमलों का मकसद केवल जान लेना नहीं होता। इनका असली उद्देश्य होता है, अमरनाथ यात्रा से पहले डर का माहौल बनाना ताकि लोग कश्मीर आने से डरें। स्थानीय पर्यटन को नुकसान पहुँचाना, जिससे आम कश्मीरी की आजीविका प्रभावित हो। भारत सरकार और सुरक्षा बलों पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालना। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कश्मीर को 'संवेदनशील' क्षेत्र के रूप में पेश करना। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है क्या पहलगाम जैसे क्षेत्र में, जहां आम तौर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहती है, इस प्रकार का सुनियोजित हमला आखिर कैसे हो गया? क्या खुफिया एजेंसियों को इस हमले की भनक नहीं लगी? यदि लगी, तो समय पर कार्रवाई क्यों नहीं हो पाई? क्या सुरक्षा बलों को पर्याप्त संसाधन और सहयोग मिल रहा है? भारत की प्रतिक्रियाः क्या सिर्फ बयानबाज़ी काफ़ी है? मतलब साफ है आतंकी संगठनों की रणनीति अब पहले से कहीं ज्यादा शातिर हो चुकी है. वे ड्रोन, साइबर नेटवर्क, और सोशल मीडिया के ज़रिये अपनी मौजूदगी छुपाने और फैलाने में सफल हो रहे हैं। कश्मीर में पर्यटन उद्योग लाखों लोगों के जीवनयापन का आधार है। पिछले कुछ वर्षों में, धीरे-धीरे हालात बेहतर हो रहे थे, और पर्यटक वापस लौटने लगे थे। लेकिन इस एक हमले ने फिर से सबकुछ पीछे धकेल दिया है। आतंकवादी जानते हैं कि अगर आम कश्मीरी बेरोजगार हो गया, तो उसे भड़काना और कट्टरपंथ की ओर मोड़ना आसान हो जाएगा। इसीलिए ऐसे हमले सीधे-सीधे आर्थिक और मानसिक युद्ध के तौर पर देखे जाने चाहिए। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमले को "कायराना और अमानवीय" करार देते हुए कार्रवाई का वादा किया है। लेकिन आम जनता यह जानना चाहती है, क्या इस बार जवाब सिर्फ शब्दों में सीमित रहेगा? या नीति और ज़मीनी स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा? मोदी को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर टीआरएफ और पाकिस्तान को उजागर करना होगा। एलओसी पार आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल या एयर स्ट्राइक जैसे कदम उठाने होंगे। क्योंकि यह आतंकी हमला चिंताजनक है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति जेडी वेंस भारत दौरे पर हैं। आतंकी सेना और पुलिस जैसी वर्दी में थे। सभी के पास एके-47 और अन्य हथियार थे। एक के बाद सामने आ रहे वीडियो इस बात की पुष्टि करते है कि हथियारबंद हमलावरों ने न सिर्फ पर्यटकों को गोली मारी, बल्कि कश्मीरियों के रोजगार पर भी हमला किया। उन कश्मीरियों पर हमला किया, जिनकी आजीविका पर्यटक पर निर्भर है। सरकार की सत्तारूढ़ होने के बाद इनमें विश्वास होने लगा था कि घाटी में धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही है। लेकिन बीच बीच में हुई छिटपुट आतंकी वारदातों से इस बात का संकेत मिल रहा था कि आतंकी मौके की तलाश में है। हाल ही पाकिस्तान सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर की बयानबाजी ने आतंकियों के हौसले को बढ़ाया है। उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था। उन्होंने टू नेशन थ्योरी का जिक्र करते हुए हिंदुओं खिलाफ बयान देते हुए कहा था कि पाकिस्तानियों को नहीं भूलना चाहिए कि हम उनसे अलग है। बदहाली और कई स्थानों पर विद्रोह से जूझ रहे पाकिस्तान को एकजुट रखने के लिए शायद जनरल मुनीर को नफरती भाषण की जरूरत महसूस हुई हो। हो सकता है उनकी बातों से पाकिस्तान का भी बड़ा तबका सहमत नहीं हो, लेकिन कट्टरपंथियों को जनरल मुनीर की बातों से ताकत मिली होगी और उन्हें जनरल मुशर्रफ की याद आ गई होगी, जो भारत के खिलाफ छद्म युद्ध तेज करने के लिए जाने जाते हैं। जनरल मुनीर के बयानों से आतंकियों का मनोबल निश्चित रूप से बढ़ा है। इसका प्रमाण कश्मीर में हुआ आतंकी हमला है। दरअसल, बांग्लादेश में तख्तापलट और भारत विरोधी भावनाओं के उभार के बाद पाकिस्तान की शैतानी आंखों में चमक दिखने लगी है। उसे लगता है कि उसे बांग्लादेश का साथ भी मिल जाएगा। चीन के साथ संबंध मजबूत करके पाकिस्तान अमेरिका की कमी पूरा करने में पहले से ही लगा हुआ है। मतलब साफ है भारत से बदला लेने के लिए वह यहां अशांति फैलाने की नए सिरे से कोशिश कर सकता है। पाकिस्तान भारत में आतंकी हमले के जरिए धार्मिक अलगाववाद को बढ़ावा देना चाहता है। ऐसे में पाकिस्तान की कूटनीतिक चाल को समझते हुए देश में अमन चैन बनाए रखना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी समुदायों की यह जिम्मेदारी है कि देश का माहौल नहीं बिगड़े। सरकार को आतंकियों के खिलाफ हरहाल में कड़ी कार्रवाई करनी होगी, सुरक्षा एजेंसियां चौकस करना होगा और आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए। इस संवेदनशील मौके पर राजनीतिक दलों को एकजुटता दिखानी होगी। पाकिस्तान के मंसूबों को विफल करने और उसे कड़ा जवाब देने की रणनीति पर काम करना होगा। क्योंकि यह वक्त केवल शब्दों का नहीं, ठोस कार्रवाई का है। भारत को कूटनीतिक मंचों पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के साथ-साथ, एलओसी पार आतंकी ठिकानों पर सटीक जवाबी कार्रवाई करनी होगी। साथ ही, स्थानीय युवाओं को कट्टरपंथ से बचाने के लिए शिक्षा, रोज़गार और संवाद की नीतियाँ अपनानी होंगी। इसे रोकने के लिए स्थानीय युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार और काउंसलिंग प्रोग्राम को बढ़ावा देना होगा।

साइबर निगरानी और सोशल मीडिया पर कट्टरपंथी प्रचार की सख्त रोकथाम के लिए कड़े प्राविधान करने होंगे। मेरा मानना है कि कश्मीर की लड़ाई अब सिर्फ बंदूक़ों से नहीं, बल्कि प्रचार, डर, और मनोवैज्ञानिक युद्ध से भी लड़ी जा रही है। आतंकवाद अब नाम बदल चुका है, पर उसका एजेंडा वही है अस्थिरता, अलगाव, और हिंसा। भारत को अब बहुस्तरीय रणनीति की ज़रूरत है, जिसमें कूटनीति, सुरक्षा, मनोवैज्ञानिक लड़ाई और विकास आल इन वन हो, वरना, टीआरएफ के बाद कोई नया नाम आएगा, और हम फिर से एक और "कायराना हमला" देखेंगे। यह आतंकी हमला न केवल मानवता के खिलाफ एक घिनौना अपराध था, बल्कि यह भारत की सुरक्षा नीति, खुफिया तंत्र और आतंकवाद के प्रति रणनीति पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। टीआरएफ जैसे संगठनों को पाकिस्तान की धरती से न केवल वैचारिक समर्थन मिलता है, बल्कि तकनीकी, आर्थिक और सामरिक सहायता भी मिलती रही है। भले ही पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद से दूरी बनाकर दिखाने का प्रयास करता है, लेकिन हकीकत में वह इन संगठनों को 'स्ट्रैटजिक ऐसेट्स' की तरह उपयोग करता है। पहलगाम जैसे पर्यटन क्षेत्र में इतने बड़े स्तर पर हमला होना यह दिखाता है कि खुफिया एजेंसियां या तो कमजोर पड़ी हैं या फिर उन्हें सही समय पर सूचना नहीं मिली।

पाकिस्तान अपनी हरकतों से प्यासे भी मरेगा

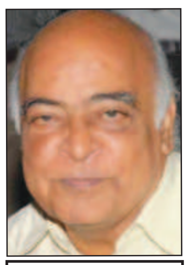
अशोक भाटिया

भारत और पाकिस्तान के संबंध पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। 26 लोगों की मौत इस हमले में हुई है। हमले के जवाब में भारत ने सिंधु जल संधि स्थगित कर दी, अटारी चेक पोस्ट बंद किया, पाकिस्तानी नागरिकों के SAARC वीजा रद्द किए, और दोनों देशों के उच्चायोगों में कर्मचारियों की संख्या घटाने का फैसला लिया। इन कदमों से बौखलाए पाकिस्तान ने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक बुलाकर भारत को जवाब देने की गीदड़भभकी दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की आंतरिक अस्थिरता और आर्थिक संकट उसे भारत के खिलाफ उकसाने का काम कर रहे हैं। भारत का सख्त रुख दोनों देशों के बीच तनाव को और गहरा सकता है। आर्थिक तंगी के चलते भूखों मरता पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी हरकतों की वजह से प्यासे भी मरेगा। आतंकियों का पनाहगार बने पाकिस्तान का हुक्का-पानी बंद होने वाला है। भारत अब पाकिस्तान के साथ सिंधु नदी जल समझौते पर आगे नहीं बढ़ना चाहता। इससे पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़नी तय हैं। इस मामलें में भारत ने अपना वक्तव्य दे दिया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान की आर्थिक हालत इस कदर बदहाल हो गई है कि वहां लोगों को दो वक्त की रोटी के लाले पड़े हैं। पाकिस्तान भूख से तड़प रहा है। आटे, दाल और चावल के लिए लोग आपस में छीना-झपटी और मारपीट तक कर रहे हैं। पाकिस्तान के आंतरिक हालात की ये तस्वीरें पूरी दुनिया देख रही है। महंगाई पाकिस्तान में लोगों की कमर तोड़ चुकी है। पाकिस्तानियों को भरपेट भोजन भी नसीब नहीं हो रहा। अभी तक पाकिस्तान भूख और आर्थिक बदहाली का मारा है, लेकिन अब उसके प्यासों मरने की भी नौबत आ गई है। भारत ने पहले उसे दर-दर कटोरा लेकर भीख मांगने को मजबूर किया था। अब यही भारत उसे बाल्टी पकड़ाने जा रहा है। क्योंकि पाकिस्तान की हरकतें ही कुछ ऐसी हैं। दरअसल भारत पाकिस्तान के साथ सिंधु नदी जल समझौता तोड़ दिया है। ज्ञात हो कि भारत ने सिंधु जल समझौता 1960 में संशोधन के लिए पाकिस्तान को नोटिस जारी किया था ।65 साल के इतिहास में यह पहली बार है जब भारत ने सिंधु जल समझौते में संशोधन की मांग की थी । उस समय पाकिस्तान को जारी नोटिस इसलिए भी मायने रखता था क्योंकि भारत के कई एक्सपर्ट्स समय-समय पर इस समझौते को रद्द करने की मांग करते रहे हैं। भारत भी इससे पहले पाकिस्तान को पानी रोकने की चेतावनी दे चुका था । पुलवामा हमले के बाद फरवरी 2019 में भी भारत के तत्कालीन परिवहन और जल संसाधन मंत्री नितिन गडकरी ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा था कि भारत पाकिस्तान में बह रहे अपने हिस्से के पानी को रोक सकता है। सिंधु जल समझौता रद्द होने या भारत की ओर से पानी डायवर्ट करने से पाकिस्तान में नदी के पानी पर निर्भर रहने वाले करोड़ों लोगों के लिए संकट पैदा हो सकता है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत ने यह नोटिस 25 जनवरी 2022 को जारी किया था । भारत की ओर से जारी नोटिस में कहा गया था कि भारत, पाकिस्तान के साथ जल संधि को पूरी तरह से लागू करने का समर्थक रहा है। लेकिन पाकिस्तान की कार्रवाइयों ने भारत को जरूरी नोटिस जारी करने के लिए मजबूर कर दिया। नोटिस जारी करने का मुख्य मकसद पाकिस्तान को समझौते के उल्लंघन को सुधारने के लिए 90 दिनों की मोहलत देना था । पाकिस्तान नोटिस रिसीव करने के तीन महीने के भीतर आपत्ति दर्ज करा सकता था । दरअसल सिंधु जल समझौता तत्कालीन भारतीय प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तानी मिलिट्री जनरल अयूब खान के बीच कराची में सितंबर 1960 में हुआ था। लगभग 63 साल पहले हुई सिंधु जल संधि (IWT) के तहत भारत को सिंधु तथा उसकी सहायक नदियों से 19 ।5 प्रतिशत पानी मिलता रहा है। जबकि पाकिस्तान को लगभग 80 प्रतिशत पानी मिलता है। भारत अपने हिस्से में से भी लगभग 90 प्रतिशत पानी ही उपयोग करता रहा है। 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु घाटी को छह नदियों में विभाजित करते हुए इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौते के तहत दोनो देशों के बीच प्रत्येक साल सिंधु जल आयोग की वार्षिक बैठक होना अनिवार्य है। सिंधु जल संधि को लेकर पिछली बैठक 30-31 मई 2022 को नई दिल्ली में हुई थी। इस बैठक को दोनों देशों ने सौहार्दपूर्ण बताया था। पूर्वी नदियों पर भारत का अधिकार है। जबकि पश्चिमी नदियों को पाकिस्तान के अधिकार में दे दिया गया। इस समझौते की मध्यस्थता विश्व बैंक ने की थी। भारत को आवंटित तीन पूर्वी नदियां सतलज, ब्यास और रावी के कुल 168 मिलियन एकड़-फुट में से लगभग 33 मिलियन एकड़ फीट वार्षिक जल भारत के लिए आवंटित किया गया है। भारत अपने हिस्से का लगभग 90 प्रतिशत ही उपयोग करता है। बाकी बचा हुआ पानी पाकिस्तान चला जाता है। जबकि पश्चिमी नदियां जैसे सिंधु, झेलम और चिनाब का लगभग 135 मिलियन एकड़ फीट वार्षिक जल पाकिस्तान को आवंटित किया गया है। सिंधु जल प्रणाली में मुख्य नदी के साथ-साथ पांच सहायक नदियां भी शामिल हैं। इन नदियों में रावी, ब्यास, सतलज, झेलम और चिनाब है। ये नदियां सिंधु नदी के बाएं बहती है। रावी, ब्यास और सतलुज को पूर्वी नदियां जबकि जबकि चिनाब, झेलम और सिंधु को पश्चिमी नदियां कहा जाता है। इन नदियों का पानी भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। पुलवामा हमले के बाद भारत के तत्कालीन परिवहन और जल मंत्री नितिन गडकरी ने ट्वीट करते हुए कहा था कि भारत सरकार पाकिस्तान जाने वाले अपने हिस्से के पानी को रोकने का फैसला कर रहा है। हम पूर्वी नदियों के पानी को डायवर्ट कर जम्मू-कश्मीर और पंजाब में अपने लोगों को इसकी आपूर्ति करेंगे। इसके अलावा, गडकरी ने उत्तर प्रदेश में कई जल परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कहा था कि हमारी तीन नदियां पाकिस्तान में बहती हैं। इसलिए हमारे हिस्से का पानी पाकिस्तान में जा रहा है। अब हम एक परियोजना बनाने और इन नदियों के पानी को यमुना में मिलाने की योजना बना रहे हैं। कई विशेषज्ञों और सुरक्षा प्रतिष्ठानों का कहना है कि सिंधु संधि जल समझौता एक ऐतिहासिक भूल थी। अब समय आ गया है कि भारत इस भूल को ठीक करे। इस समझौते में जरूरी संशोधन कर सिंधु और उसके सहायक नदियों का पानी उचित मात्रा में आवंटित करे। पाकिस्तान रुक-रुक कर भारत पर आतंकी हमला करता रहता है। ऐसे में खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। एक अन्य एक्सपर्टस सतीश चंद्रा का कहना है कि नेहरू ने यह समझौता दोनों देशों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने की उम्मीद से की थी।

लेकिन पाकिस्तान ने इस उम्मीद पर पानी फेर दिया है। हमें इस समझौते से बाहर निकल जाना चाहिए। इस संधि की वजह से कई भारतीय परियोजनाओं को रोक दिया गया। मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस (IDSA) के नॉन-ट्रेडिशनल सिक्योरिटी सेंटर के हेड उत्तम कुमार मनोहर सिन्हा के अनुसार, इस समझौते से बाहर निकलने का कोई प्रावधान नहीं है।

अब और नहीं : मलेरिया को बनाएं इतिहास

प्रो. आरके जैन

एक छोटा-सा मच्छर, जिसे हम हल्के में लेते हैं, जब सभ्यता की नींव को हिला देता है, तो यह सिर्फ जीवविज्ञान की कहानी नहीं, बल्कि इंसानियत के लिए खतरे की घंटी है। एक काटने से शुरू होने वाला यह खतरा लाखों जिंदगियों को लील जाता है, समाज को कमजोर करता है और प्रगति को ठप करता है। मलेरिया—नाम सुनते ही मन में एक अदृश्य दुश्मन की तस्वीर उभरती है, जो आज भी हमारी दुनिया को अपनी चपेट में ले रहा है। 25 अप्रैल — यह कोई साधारण तारीख नहीं। यह विश्व मलेरिया दिवस है, एक ऐसा दिन जो हमें झकझोरता है, याद दिलाता है कि विज्ञान की चोटी पर पहुंचने के बावजूद हम एक ऐसी बीमारी से हार रहे हैं, जिसका इलाज संभव है। यह दिन सिर्फ जागरूकता का नहीं, बल्कि एकजुट होकर इस युद्ध को जीतने का संकल्प लेने का है। मलेरिया केवल शरीर को नहीं मारता; यह परिवारों को तोड़ता है, अर्थव्यवस्थाओं को चोट पहुंचाता है और बच्चों के भविष्य को छीन लेता है। यह एक स्वास्थ्य संकट से कहीं ज्यादा—यह गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक असमानता का प्रतीक है। इस साल की थीम, ₹मलेरिया हमारे साथ समाप्त होगाः पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनर्जीवन₹, हमें गहन प्रतिबद्धता, निरंतर निवेश और नवीन रणनीतियों के साथ इस दुश्मन को जड़ से उखाड़ फेंकने की प्रेरणा देती है। मलेरिया कोई नई बीमारी नहीं। सदियों से यह मानवता को सता रही है। प्लाज़्मोडियम नामक परजीवी, जो मादा एनोफिलीज़ मच्छर के काटने से फैलता है, हर साल लाखों लोगों को अपनी गिरफ्त में लेता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, 2023 में लगभग 24.9 करोड़ लोग मलेरिया की चपेट में आए, और 6.08 लाख लोगों ने अपनी जान गंवाई। इनमें सबसे ज्यादा शिकार बच्चे और गर्भवती महिलाएं हैं। अफ्रीका के उप-सहारा क्षेत्र, दक्षिण-पूर्व एशिया और दक्षिण अमेरिका के कई हिस्से आज भी इस बीमारी के गढ़ बने हुए हैं। यह आंकड़े सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि टूटे हुए सपनों और बिखरे हुए परिवारों की कहानियां हैं। 2007 में डब्ल्यूएचओ ने विश्व मलेरिया दिवस की शुरुआत की, ताकि इस बीमारी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को गति मिले। हर साल एक नई थीम के साथ यह दिन हमें प्रेरित करता है कि मलेरिया को हराना असंभव नहीं। लेकिन सवाल यह है—क्या हम वाकई इस जंग को गंभीरता से लड़ रहे हैं? क्या हमारी नीतियां, हमारा समाज और हमारी मानसिकता इस युद्ध के लिए तैयार है? इस लड़ाई का सबसे बड़ा हथियार है—रोकथाम। मच्छरदानी का इस्तेमाल, कीटनाशकों का छिड़काव, जलभराव को रोकना, स्वच्छता को अपनाना और समय पर जांच व इलाज—ये छोटे-छोटे कदम मलेरिया को जड़ से मिटा सकते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जहां मलेरिया सबसे ज्यादा फैलता है, वहां स्वास्थ्य सेवाएं सबसे कमजोर हैं। ग्रामीण इलाकों में न तो पर्याप्त अस्पताल हैं, न ही दवाएं, और न ही जागरूकता। नतीजा? एक ऐसी बीमारी जो रोकी जा सकती है, वह लाखों जिंदगियां छीन रही है। मलेरिया सिर्फ मच्छरों से नहीं फैलता, यह हमारी उदासीनता से भी पनपता है। जब तक हर घर में मच्छरदानी नहीं पहुंचेगी, हर स्कूल में बच्चों को इसके बचाव के तरीके नहीं सिखाए जाएंगे, और हर सरकार इसे प्राथमिकता नहीं देगी, तब तक यह दुश्मन हम पर हावी रहेगा। शिक्षा और जागरूकता इस युद्ध के सबसे मजबूत सिपाही हैं। अगर हम हर बच्चे को सिखाएं कि मच्छरदानी जीवन रक्षक है, हर परिवार को बताएं कि साफ-सफाई बीमारी को दूर रखती है, तो हम मलेरिया को इतिहास की किताबों तक सीमित कर सकते हैं। इस जंग में हमारे असली हीरो वे स्वास्थ्यकर्मी, डॉक्टर और स्वयंसेवक हैं, जो सीमित संसाधनों में भी दिन-रात मरीजों की सेवा में जुटे हैं। अफ्रीका के सुदूर गांवों से लेकर भारत के आदिवासी इलाकों तक, ये लोग उम्मीद की किरण बनकर उभरे हैं। लेकिन सिर्फ उनके कंधों पर यह जिम्मेदारी नहीं छोड़ी जा सकती। सरकारों को चाहिए कि वे मलेरिया उन्मूलन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाएं। बजट बढ़ाएं, दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें, और अनुसंधान में निवेश करें। साथ ही, निजी क्षेत्र और सामुदायिक संगठनों को भी इस लड़ाई में शामिल करना होगा। वैज्ञानिक प्रगति भी इस युद्ध में हमारा साथ दे रही है। मलेरिया के टीके, जैसे आरटीएस, एस और आर-21, ने नई उम्मीद जगाई है। ये टीके भले ही पूरी तरह से मलेरिया को खत्म न करें, लेकिन बच्चों में इसके गंभीर प्रभाव को कम करने में कारगर हैं। इसके अलावा, जीन-एडिटिंग तकनीक और पर्यावरण-अनुकूल कीटनाशकों पर काम चल रहा है।

सत्ता और सड़कों के सियासी सौदागर

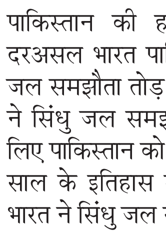
डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

लोकल कॉलोनी के सियारपुर चौराहे पर जब एक नया दुकान खुला, जिसका नाम था "जन सेवा क्लिनिक", लोगों ने सोचा कि शायद उनके दुखों का कोई अंत होगा। लेकिन नाम के पीछे का व्यंग्य तो वही जान सकता था जिसने हड्डियों से बना पुल पार किया था। 'डॉक्टर साब सारी बीमारियों का इलाज करते हैं', ऐसा प्रचार हर नुक्कड़ पर गूँज रहा था।

लेकिन क्लिनिक के अंदर कदम रखते ही, जनता को 'सेवा' का असली मतलब समझ में आया। यहाँ जनता से फीस नहीं, बल्कि 'अनुदान' माँगा जाता था। भाईसाब, आपका अनुदान हमारी देशभक्ति को और मजबूत करता है, यह बात खुद डॉक्टर की जुबान से निकलती थी। जनता के दर्द का इलाज होता था 'स्माइल पॉलिसी' से, जहाँ मरीज को हंसते-हंसते अपना दर्द भूल जाने को कहा जाता था।

डॉक्टर साब का अनोखा फॉर्मूला सबके सिर चढ़कर बोलता था। 'अंधेरे का इलाज, मोमबत्तियों की फेरी' और 'भूख का इलाज, खाली थाली का झुनझुना'। आखिरकार लोग समझ गए कि यह क्लिनिक दरअसल "सड़कों का सियासी सौदागर" का अड्डा है, जो जनता की आहों पर अपनी राजनीति की रोटी सेंकता है। एक दिन, जनता में हिम्मत जगी और उन्होंने सड़कों पर उतरकर अपनी आवाज उठाई।

डॉक्टर साब ने उन्हें 'सामाजिक क्रांति' का नाम दिया और अपने क्लिनिक में विशेष ऑफर की घोषणा की। क्रांति का इलाज, क्रांति का ही इंजेक्शन। जनता हंसते-हंसते पस्त हो गई, लेकिन अंदर ही अंदर वो आँसुओं से भर गई। सियारपुर की सड़कों ने देखा, एक वृद्ध जो मूक और बधिर था, डॉक्टर के प्रचार तंत्र का शिकार बन गया। उसे 'अनुदान का पोस्टर' बना दिया गया। हर दिन वह पोस्टर के सामने बैठा रहता, लेकिन उसकी आँखों में दर्द की गहराई किसी कवि का गीत बन सकती थी।

चौराहे पर इस व्यंग्यात्मक कहानी का अंत उस दिन हुआ जब जनता ने सारे पोस्टर फाड़ दिए और डॉक्टर साब को उनके 'जन सेवा' की सेवा बंद करने पर मजबूर किया। लेकिन जाते-जाते डॉक्टर ने एक आखिरी पंचलाइन दिया, देशभक्ति का दाम लोग नहीं समझते। सस्ती जनता, महंगा देश। और इस तरह, सियारपुर चौराहा इतिहास बन गया। लेकिन जनता के दिल में हमेशा के लिए एक सवाल छोड़ गया, क्या हम सस्ते हैं या हमारी उम्मीदें महंगी हैं?

वीर हनुमान के सामने ही मेघनाद ने कर दी सीता की हत्या!

लंका के बाहर वानर सेना और राक्षसों के बीच घमासान युद्ध हो रहा था। रावण का बेटा मेघनाद यद्ध के लिए आया, उसने अपने रथ पर सीता जी को भी लेकर आया था। उसने हनुमान जी की उपस्थिति में वानर सेना के सामने ही सीता का वध कर दिया। यह देखकर वानर दल में हाहाकार मच गया। यह खबर सुनते ही प्रभु राम मूर्छित हो गए और धरती पर गिर पड़े। जब मेघनाद ने सीता जी की हत्या कर दी तो फिर रावण वध के बाद प्रभु राम किस सीता से मिले। वाल्मीकि रामायण में इस घटना का विवरण मिलता है।

युद्ध खत्म करने के लिए मेघनाद ने सोचा उपाय

वाल्मीकि रामायण के अनुसार, राक्षस और वानर सेना के बीच भीषण युद्ध चल रहा था। उस समय मेघनाद ने प्रभु राम और उनकी वानर सेना के मनोबल को तोड़ने के लिए उपाय सोचा। उसने विचार किया कि जिस सीता के कारण यह युद्ध हो रहा है, उसे ही क्यों न खत्म कर दिया जाए ताकि सामने आया संकट टल जाए।

मायावी था मेघनाद, माया से कर दी सीता की रचना

तब मेघनाद ने अपनी माया विद्या से सीता की रचना की। फिर उसने माया की सीता को अपने रक्ष में बैठा लिया और गरजते हुए युद्ध भूमि में पहुंच गया। वह वानर सेना पर टूट पड़ा। उसके प्रहार से वानर वीर विचलित हो रहे थे। तभी वीर हनुमान वहां पर आ पहुंचे। वे मेघनाद पर हमला करने लगे। तभी उनकी नजर मेघनाद के रथ पर पड़ी, जिसमें पीछे की ओर एक महिला बैठी थी।

युद्ध भूमि में बिलखती सीता को देखकर आश्चर्य में पड़ गए हनुमान

मेघनाद के रथ में सीता जी को देखकर हनुमान जी आश्चर्यचकित रह गए। इस बात को मेघनाद जान गया। उसने सीता के बालों को पकड़कर खींचा। तो वह महिला बिलख पड़ी और हा राम, हा राम कहकर चिल्लाने लगी। यह देखकर हनुमान जी गुस्से में आ गए और मेघनाद को कहा कि इस पाप का परिणाम तुम्हें भुगतना होगा।

हनुमान जी के सामने मेघनाद ने कर दी सीता की हत्या

इसी बीच मेघनाद ने हनुमान जी से कहा कि तुम्हारे राम, लक्ष्मण, सुग्रीव, विभीषण जिस सीता के लिए यह युद्ध कर रहे हैं, उसे ही खत्म कर देता हूं। यह कहकर मेघनाद ने तलवार से सीता की हत्या कर दी। इस दृश्य को देखकर हनुमान जी विचलित हो गए। वे गुस्से में आकर राक्षसों कर सेना पर जोर जोर से प्रहार करने लगे।

सीता हत्या की खबर सुनकर मूर्छित हो गए राम

इसके बाद हनुमान जी अपने प्रभु राम के पास गए और दुखी मन से उनको बताया कि मेघनाद ने रोती हुई सीता जी को मार डाला है। यह शोक खबर सुनकर राम जी मूर्छित हो गए और धरती पर गिर पड़े। बड़े भाई की यह स्थिति देखकर लक्ष्मण जी दुखी हो गए। तब विभीषण, सुग्रीव और अन्य वीर वहां पहुंच गए। प्रभु राम की स्थिति देखकर वे सभी दुखी और चिंतित थे। हनुमान जी ने बताया कि मेघनाद ने सीता जी को मार डाला है।

विभीषण ने राम जी को बताया सीता हत्या का सच

विभीषण को यह पता था कि मेघनाद मायावी असुर है। उसने आपको और पूरी वानर सेना को शोक और मोह में डालने के लिए माया का प्रयोग किया है।

उसने निश्चित ही अपनी माया से जानकी जी की रचना की होगी और उसे माया जानकी को वानर सेना के समक्ष मारा होगा ताकि सभी मोह और शोक में डूब जाएं, तब तक वह निकुंभिला मंदिर में जाकर अपना हवन कार्य कर पाए। उसके हवन को खंडित कर देना चाहिए ताकि वह युद्ध भूमि में और अधिक शक्तिशाली न बन पाए। यदि वह हवन पूर्ण कर लेता है तो युद्ध में उसके समक्ष देवता भी नहीं टिक सकते हैं।

विभीषण की बातें सुनकर प्रभु राम शोक और मोह के बंधन से मुक्त हो जाते हैं, उसके बाद लक्ष्मण जी के साथ वानर सेना के महावीरों को मेघनाद के यज्ञ को भंग करने के लिए भेजते हैं।

वैशाख अमावस्या पर पितरों के लिए कैसे जलाएं दीपक?

वैशाख अमावस्या का पर्व 27 अप्रैल दिन रविवार को है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अमावस्या के दिन पितर धरती पर आते हैं और वे संतान से अपने लिए श्राद्ध, पिंडदान, तर्पण आदि चाहते हैं। पितरों का एक दिन और रात मनुष्यों के एक माह के बराबर होता है। मनुष्यों का कृष्ण पक्ष पितरों के लिए कर्म के दिन होते हैं और शुक्ल पक्ष पितरों के लिए सोने की रात होता है। इस वजह से अश्विन माह के कृष्ण पक्ष में पितरों के लिए श्राद्ध करते हैं। इसके अलावा किसी भी माह की अमावस्या, संक्रांति को भी श्राद्ध कर्म करते हैं। वैशाख अमावस्या आ रही है। इस दिन आप अपने पितरों के लिए दीपक जलाएं। इससे वे प्रसन्न होंगे और उनकी कृपा से आपकी उन्नति होगी। आइए जानते हैं कि वैशाख अमावस्या पर पितरों के लिए दीपक कैसे जलाएं? दीपक जलाने के नियम और मंत्र क्या हैं? किस तेल का दीपक जलाना चाहिए?

पितरों के लिए दीपक जलाने की विधि

वैशाख अमावस्या को सूर्यास्त शाम को 06:54 पी एम पर होगा। उसके बाद जब अंधेरा होने लगे तो मिट्टी का दीपक लें। उसके पानी से धोकर साफ कर लें। उसके सूख जाने पर उपयोग में लाएं।

पितरों के लिए दीपक जलाने के लिए सरसों के तेल या तिल के तेल का उपयोग करना चाहिए। उसमें रूई की लंबी बत्ती का इस्तेमाल करना चाहिए। दीप जलाने के लिए आप स्नान कर लें या स्वयं को पवित्र कर लें।

शाम के समय में पितरों के लिए दीपक घर के बाहर दक्षिण दिशा में जलाएं। उस स्थान को साफ कर लें। इसके अलावा आप एक दीपक पीपल के पेड़ के नीचे जला सकते हैं। पीपल के पेड़ पर पितरों का वास होता है।

दीपक जब जल जाए तो इस बात का ध्यान रखें कि वह देर तक जले। दीपक जलाते समय आपको ओम पितृभ्यः स्वधायिभ्यः स्वाहा मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।

अमावस्या के अगले दिन उस दीपक को किसी पेड़ के नीचे रख दें।

क्या सच में नजर लगती है या यह सिर्फ एक भ्रम है?
इसे लेकर क्या कहा प्रेमानंद महाराज

वृंदावन के संत प्रेमानंद जी महाराज का नाम आज उन संतों में आता है जिनकी बातों में ना केवल आध्यात्मिक गहराई होती है, बल्कि उनमें जीवन के छोटे छोटे सवालों के बड़े साफ़ और सधे जवाब भी होते हैं। सोशल मीडिया पर उनके प्रवचन के वीडियो खूब देखे जाते हैं और लोगों के दिलों को छू जाते हैं। ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों चर्चा में है, जिसमें एक भक्त ने प्रेमानंद जी महाराज से सवाल किया "महाराज, क्या नजर लगती है? क्या नजर उतारना सही है या ये सब केवल अंधविश्वास है?

"इस सवाल का जवाब प्रेमानंद जी ने बहुत ही सादे और सीधे शब्दों में दिया। उन्होंने कहा कि जब हमें कोई बहुत प्रिय होता है, तो हमारे मन में ये डर होता है कि कहीं उसके साथ कुछ गलत ना हो जाए। यही डर हमें उसे नजर से बचाने के लिए कुछ करने पर मजबूर करता है। हम उसकी नजर उतारते हैं, कभी काला टीका लगाते हैं, तो कभी हाथ में नमक या मिर्च घुमा कर जलाते हैं। ये सब दरअसल हमारी भावना होती है, हमारी चिंता और हमारे प्यार की अभिव्यक्ति होती है।

उन्होंने कहा कि जब यशोदा मइया श्रीकृष्ण की नजर उतारती थीं, तो वो कोई टोना टोटका नहीं था, बल्कि एक मां का अपने लाड़ले के लिए प्रेम का तरीका था। प्रेमानंद जी बोले "जब हम अपने प्रिय की नजर उतारते हैं, बलिहारी जाते हैं, तो वो सिर्फ एक भाव होता है। और जिस श्रीकृष्ण की नजर से संसार चलता है, जो सबका भला सोचते हैं, उन्हें किसी की नजर क्या लगेगी? ये सोचने वाली बात है।"

इसके बाद उन्होंने बड़ी सहजता से समझाया कि नजर जैसी कोई शक्ति नहीं होती जो किसी को नुकसान पहुंचा दे। हमारे अपने विचार, भावना और सोच ही असली ताकत होती है।

अगर हम नकारात्मक सोच रखते हैं, डरते हैं, तो वैसे ही अनुभव करते हैं। लेकिन अगर मन में सच्चा प्रेम और सकारात्मक सोच हो, तो कोई नजर या बाहरी असर हमें छू भी नहीं सकता।महाराज जी का कहना था कि नजर लगना कोई सच्चाई नहीं है, ये एक भ्रम है जो पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है। और नजर उतारना भी कोई समाधान नहीं, बस एक तरीका है जिससे हम अपने मन को शांत करते हैं।

क्यों राहु प्रभावित लोग होते हैं बेहद खास?
भगवान विष्णु के वराह अवतार की कथा में छिपा है रहस्य!

अतीत में एक बार सनकादिक ऋषियों के श्राप के कारण भगवान विष्णु के दो प्रिय द्वारपाल जय और विजय ने असुर योनि में जन्म लिया। इस कथा के बारे में विस्तार से बता रहे हैं भोपाल स्थित ज्योतिषाचार्य रवि पाराशर। यह जन्म माता दिति के गर्भ से और महर्षि कश्यप के अंश से एक अशुभ मुहूर्त में हुआ। ये दोनों भाई आगे चलकर हिरण्यकश्यप और हिरण्याक्ष के रूप में प्रसिद्ध हुए। जन्म के कुछ समय बाद ही ये दोनों सामाजिक मर्यादाओं से हटकर क्रूर और अहंकारी कार्यों में लिप्त हो गए। अपनी अंतर्निहित शक्तियों और महत्वाकांक्षाओं को विस्तार देने के लिए उन्होंने ब्रह्मा जी के पास जाकर कठोर तपस्या की। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी ने उन्हें विशेष शक्तियां प्रदान कीं।

इन शक्तियों के बल पर हिरण्याक्ष ने पृथ्वी माता (भूदेवी) को अपने अधीन कर आकाशगंगा की गहराइयों में ले जाकर उन्हें उनके निर्धारित स्थान से हटा दिया। उसके इस कृत्य से मानव जाति के विकास की प्रक्रिया पूरी तरह रुक गई। ब्रह्मा जी ने इस विषय पर अन्य देवताओं से चर्चा की, पर कोई भी भूदेवी को वापस लाने के लिए तैयार नहीं हुआ। इसका एक विचित्र कारण यह था कि हिरण्याक्ष ने जिस स्थान पर भूदेवी को रखा था, वहां असुरों ने अत्यधिक गंदगी और मैल का जमावड़ा कर रखा था।

तब भगवान विष्णु ने ब्रह्मा जी के आह्वान पर राहु की अंशात्मक ऊर्जा को धारण कर, ब्रह्मा जी की नाक से वराह रूप में अवतार लिया। वराह ही एकमात्र ऐसा प्राणी था जो उस गंदगी भरे वातावरण में प्रवेश कर सकता था और वहां की ऊर्जाओं के अनुरूप कार्य कर सकता था।

भगवान विष्णु ने वराह रूप में भूदेवी को अपनी दंतपंक्ति पर धारण कर आकाशगंगा की गहराइयों से निकालकर पुनः उनके स्थान पर स्थापित किया। इस प्रक्रिया में उन्होंने हिरण्याक्ष से भयंकर युद्ध किया और अंततः उसका वध कर पृथ्वी को असुरों के अधीनता से मुक्त कराया।

इस कथा से जुड़ी भविष्यवाणियां और उपयोगी संकेत

भूमि या संपत्ति से संबंधित समस्याएं: अगर किसी व्यक्ति की भूमि या संपत्ति पर किसी ने कब्ज़ा कर लिया हो, या उसे हड़पने की कोशिश की जा रही हो, तो ऐसी स्थिति में वराह अवतार की आराधना और उनका पूजन अत्यंत फलदायक सिद्ध होता है। इससे न्याय और रक्षा की प्राप्ति शीघ्र होती है।

राहु प्रभावित जातकों के संकेत: ऐसे सभी कार्य जिनमें सामान्य समाज या परिवार के लोग हाथ डालने से कतराते हैं, वहां राहु से प्रभावित व्यक्ति दृढ़ संकल्प के साथ उतरता है और सफलता भी प्राप्त करता है। ऐसे लोग राजनीति, सामाजिक सेवा, सफाई से जुड़ा कार्य, हेल्थ केयर इंडस्ट्री (जैसे नर्सिंग) और रक्षा क्षेत्र (फ्रंटलाइन सोल्जर) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं।

जब तक मन में लालच, गुस्सा और अहंकार जैसी भावनाएं हैं, मन भटकता रहेगा

लोग जीवन में शांति, संतुलन और सुख की तलाश में लगे रहते हैं, लेकिन जब जीवन में सारी भौतिक सुविधाएं होते हुए भी मन अशांत रहता है तो इसका कारण अक्सर हमारे भीतर के नकारात्मक विचार और भावनाएं होती हैं। एक प्राचीन लोक कथा इसी बात को सरल तरीके से समझाती है।

कहानी एक व्यापारी की है, जिसके पास अपार धन-दौलत थी। महंगे वस्त्र, आलीशान घर, नौकर-चाकर, सब कुछ था उसके पास। लेकिन फिर भी उसका मन हमेशा बेचैन रहता था। व्यस्त जीवन, निरंतर व्यापारिक यात्राएं, प्रतिस्पर्धा, लाभ-हानि की चिंता, इन सबने उसे मानसिक रूप से थका दिया था। वह जानता था कि कुछ तो है जो जीवन में अधूरा है, लेकिन वह समझ नहीं पा रहा था कि अधूरापन किस बात का है?

एक दिन जब वह एक गांव की ओर जा रहा था, उसे रास्ते में एक आश्रम दिखाई दिया। शांति की तलाश में वह उस आश्रम में चला गया। वहां एक संत एकांत में तपस्या कर रहे थे। व्यापारी ने उन्हें प्रणाम किया और अपनी सारी परेशानी उन्हें सुना दी। उसे आशा थी कि शायद यहां से कोई समाधान मिलेगा।

संत ने मुस्कुराकर कहा, "तुम्हें शांति चाहिए तो कुछ देर ध्यान करो।" व्यापारी ने कोशिश की, आंखें बंद कीं, बैठ गया और गहरी सांस लेने लगा, लेकिन मन तो जैसे किसी उथले तालाब की सतह की तरह हिलोरें ले रहा था। कभी व्यापार की चिंता, कभी नुकसान का डर, कभी अहंकार, हर विचार ध्यान में बाधा बन रहा था। कुछ देर बाद उसने हार मान ली और संत से कहा, "मैं ध्यान नहीं कर सकता, मन एक जगह थमता ही नहीं।"

तब संत बोले, "ठीक है, चलो आश्रम में थोड़ा घूमते हैं।" टहलते-टहलते व्यापारी का हाथ एक पौधे की शाखा से टकराया और उसे कांटा चुभ गया। वह चौंक गया और दर्द से कराह उठा। संत तुरंत दौड़कर एक औषधीय लेप ले आए और उसके हाथ पर लगा दिया।

इसके बाद संत ने जो कहा, वह जीवन का सार था। उन्होंने कहा, "जिस तरह इस कांटे ने तुम्हारे शरीर को पीड़ा दी, वैसे ही तुम्हारे मन में भी क्रोध, अहंकार, ईर्ष्या, लालच जैसे कई कांटे हैं। जब तक इन्हें नहीं निकालोगे, तब तक तुम्हारा मन भी इसी तरह पीड़ित रहेगा और अशांति बनी रहेगी।"

ये बात व्यापारी के दिल को छू गई। उसे अहसास हुआ कि असली दुख बाहर नहीं, बल्कि भीतर है। जब तक वह अपने अंदर की गंदगी को साफ नहीं करेगा, बाहर का कोई भी वैभव उसे सुख नहीं दे सकता।

इस अनुभव ने उसके जीवन की दिशा ही बदल दी। उसने संत को अपना गुरु बना लिया। धीरे-धीरे उसने अपने अंदर के विकारों को पहचानना और उनसे मुक्त होना शुरू किया। अब वह ध्यान करता, स्वयं पर काम करता और अपने धन का उपयोग दूसरों की भलाई के लिए करने लगा। समाज सेवा, दान और लोगों की मदद, इनसे उसे वह संतोष मिला जो किसी भी व्यापारिक लाभ से बड़ा था।

जीवन प्रबंधन की सीख

भीतर की सफाई जरूरी है: बाहरी सफलता तब तक अधूरी है, जब तक मन का वातावरण स्वच्छ और शांत न हो। जब तक भीतर ईर्ष्या, लालच और क्रोध का जहर है, तब तक सुख की अनुभूति संभव नहीं।

ध्यान और आत्मनिरीक्षण का महत्व: ध्यान केवल एक क्रिया नहीं, बल्कि आत्मा से जुड़ने का साधन है। यह हमें हमारे विचारों की पहचान कराता है और उनसे मुक्त होने का रास्ता दिखाता है।

धन का सदुपयोग ही सच्ची संपन्नता है: जब धन का उपयोग समाज हित में होता है, तभी वह सच्चे अर्थों में सुखदायी बनता है। वरना यह केवल चिंता का कारण बनता है।

ये कथा हमें सिखाती है कि जीवन की सच्ची शांति और सफलता बाहर नहीं, बल्कि हमारे भीतर छिपी है। जीवन प्रबंधन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है- अपने मन को समझना, उसे शुद्ध करना और सही दिशा में लगाना। जब हम ये कर लेते हैं तो जीवन न केवल सफल होता है, बल्कि सार्थक भी हो जाता है।

एक दिन में मिलेगी कालसर्प और पितृ दोष से राहत!
वैशाख अमावस्या पर परेशान जातक करें ये काम

कई बार कुंडली में कालसर्प दोष या फिर पितृदोष लग जाने से व्यक्ति के जीवन में आर्थिक और शारीरिक समस्याएं उत्पन्न होने लगती हैं। इस वजह से जातक का विकास रुक जाता है। वहीं, इन सब दोषों से छुटकारा पाने के लिए ज्योतिष शास्त्र में अमावस्या तिथि को शुभ माना गया है। मान्यता है कि इस दिन पितृ से जुड़े या फिर कालसर्प दोष से जुड़े उपाय करने से राहत मिलती है।

27 अप्रैल को वैशाख माह की अमावस्या तिथि है। अगर किन्ही कारणवश पितृ नाराज हैं या कुंडली में कालसर्प दोष है तो वैशाख अमावस्या पर उपाय करके पितृ को प्रसन्न किया जा सकता है। कालसर्प दोष से भी मुक्ति पाई जा सकती है। क्योंकि, माघ और कार्तिक की तरह वैशाख माह को भी अत्यंत शुभ माना जाता है। यह महीना श्रीकृष्ण को बेहद प्रिय है।

कैसे पता चले कि पितृ दोष?

ज्योतिषाचार्य बताते हैं, पितृ दोष के कई लक्षण होते हैं। जैसे घर के पेड़-पौधों का अचानक सूख जाना। घर में लगातार गृह क्लेश होना। दुर्घटना के भी योग बनना। विवाह में देरी होना। बार-बार परीक्षाओं में असफलता प्राप्त होना। संतान सुख से वर्जित होना। पैसे कमाने के बावजूद घर में न टिकना आदि।

काल सर्प दोष के लक्षण

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, कालसर्प दोष के कई लक्षण हैं। जैसे रात के नींद में सांप दिखाई देना। रात में डरावने सपने आना। अनिद्रा के शिकार होना। मानसिक तनाव होना। जीवनसाथी के साथ लगातार वाद-विवाद होना। कालसर्प दोष के लक्षण हैं।

अमावस्या पर करें ये उपाय

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि वैशाख अमावस्या के दिन सुबह किसी नदी या तालाब में स्नान कर पितृ के नाम से तर्पण इत्यादि कर लें। इसके बाद पीपल पेड़ के नीचे जल, दूध और तिल अर्पण करें। सरसों तेल का दीपक जलाएं। इससे पितृ बेहद प्रसन्न होंगे। साथ ही किसी हनुमान या शिव मंदिर जाकर पूजा करें। एक चांदी का सर्प चुप चाप अर्पण करें। अगर जातक ऐसा करते हैं तो एक ही दिन में पितृ दोष और कालसर्प दोष से मुक्ति मिल जाएगी।

घर की छोटी-छोटी चीज़ें बदल सकती हैं आपका भाग्य, इनका गलत इस्तेमाल लाता है दरिद्रता!

किसी भी घर की नींव छोटी-छोटी चीजों से मिलकर ही बनती है। देखने में ये चीज़ें भले ही सामान्य लगें, लेकिन इनका महत्व बहुत बड़ा होता है। अगर इनका ध्यान सही ढंग से रखा जाए तो ये समृद्धि ला सकती हैं और अगर इन्हें अनदेखा किया जाए, तो ये मुश्किलें भी पैदा कर सकती हैं। घर की छोटी-छोटी चीज़ें हमारे भाग्य पर किस प्रकार प्रभाव डालती हैं और इनका सही उपयोग हमारे जीवन में कैसे सुख-समृद्धि ला सकता है।

झाड़ू- झाड़ू हर घर में होती है लेकिन इसका संबंध सिर्फ सफाई से नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिति से भी होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, झाड़ू को इधर-उधर फेंकना, उस पर पैर रखना या टूटी झाड़ू का उपयोग करना आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है। झाड़ू को हमेशा पलंग के नीचे या अलमारी के कोने में छुपाकर रखना चाहिए।

सूर्यास्त के समय या सूर्यास्त के बाद झाड़ू नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि यह समय माता लक्ष्मी के आगमन का होता है। इस समय झाड़ू लगाने से दरिद्रता आ सकती है।

कैंची- कैंची घर के रिश्तों पर असर डालती है। इसे कभी खुला न छोड़ें, हमेशा कपड़े या कागज में लपेटकर दराज में रखें। अगर इसे बेवजह चलाया जाए या खुला छोड़ दिया जाए, तो यह वाद-विवाद और कलह को जन्म दे सकती है। साथ ही कैंची उधार देना रिश्तों में खटास ला सकता है, इसलिए इसे किसी को देने से बचें।

चाकू- चाकू भी घर की ऊर्जा पर असर डालता है। चाकू को किचन में इस तरह रखें कि धार वाला हिस्सा नीचे और हैंडल ऊपर हो। बिना धार का या जंग लगा चाकू स्वास्थ्य समस्याएं ला सकता है। बहुत बड़े चाकू दांपत्य जीवन में तनाव ला सकते हैं इसलिए ऐसे चाकू घर में न रखें।

पायदान- पायदान घर के मुख्य द्वार पर होता है और यही वह स्थान है जहां से सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। इसे हमेशा साफ और बिना फटे हुए रखें। गंदा या फटा पायदान नेगेटिव एनर्जी को घर में लाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, बिना किसी चिन्ह वाला सादा पायदान रखना सबसे बेहतर माना जाता है।

फूलदान- फूल जीवन में आनंद और सकारात्मकता लाते हैं। अगर आपके घर में फूलदान है, तो उसमें हमेशा फूल लगे होने चाहिए। खाली फूलदान मानसिक तनाव का कारण बन सकता है। अगर रोज फूल नहीं लगा सकते, तो फूलदान को सामने रखने की बजाय अलमारी में रख दें। फूल चाहे कृत्रिम हो या असली, दोनों ही वातावरण को सकारात्मक बना सकते हैं।

पहलगाम हमले के बाद यूजर्स के निशाने पर आई प्रभास की हीरोइन इमानवी इस्माइल , बोली- मैं पाकिस्तानी नहीं हूं...

हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस हमले में कई मासूमों की जान चली गई, जिसके बाद देशभर में शोक और गुस्से की लहर देखने को मिली, लेकिन इस दुखद घटना के बीच सोशल मीडिया पर एक नया विवाद खड़ा हो गया, जिसमें कुछ लोगों ने बिना सबूत के मुस्लिम फिल्मी हस्तियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। इनमें से एक अभिनेत्री इमान इस्माइल उर्फ इमानवी भी थीं, जिन्हें ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा। इमानवी ने अब एक लंबी पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी और उन अफवाहों का खंडन किया, जिनमें उन्हें पाकिस्तान से जोड़ा गया था।

पहलगाम हमले और सोशल मीडिया पर भड़की नफरत

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर लोग भावनात्मक रूप से प्रतिक्रिया दे रहे थे, लेकिन कुछ यूजर्स ने इस मौके का गलत फायदा उठाते हुए नफरत फैलाने का काम शुरू कर दिया। खासकर मुस्लिम समुदाय से जुड़े सेलिब्रिटीज को निशाना बनाया गया और उन पर कई आरोप लगाए गए। इमानवी इस्माइल, जो प्रभास की आगामी फिल्म फौजी से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं, वह भी इस ट्रोलिंग का शिकार हुईं। कुछ यूजर्स ने उन पर पाकिस्तानी सेना से संबंध होने का आरोप लगाया और फिल्म से हटाने की मांग तक कर डाली।

इमानवी इस्माइल का जवाब

इन अफवाहों और नफरत भरे कमेंट्स से आहत इमानवी ने एक लंबी पोस्ट साझा कर अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा, 'सबसे पहले मैं पहलगाम में हुई दुखद घटना के लिए अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहती हूं। मेरा दिल उन सभी लोगों के लिए दुखी है जिन्होंने अपनी जान और अपनों को खोया। किसी भी निर्दोष की मौत भारी दुख देती है। मैं इस हिंसा की कड़े शब्दों में निंदा करती हूं।'

उन्होंने आगे अफवाहों पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, 'मेरी पहचान और मेरे परिवार को लेकर जो झूठी खबरें और नफरत फैलाई जा रही हैं, उसके बारे में बात करना चाहती हूं। पहले तो यह कहा गया कि मैं पाकिस्तानी सेना से जुड़ी हूं, जो पूरी तरह से झूठ है। यह और कई अन्य झूठ ऑनलाइन ट्रोल्स ने फैलाए हैं, जिनका मकसद सिर्फ नफरत फैलाना है। यह बेहद निराशाजनक है कि वैध न्यूज आउटलेट्स, पत्रकार और सोशल मीडिया ने इन स्रोतों की जांच किए बिना इन्हें दोहराया।'

मैं एक गर्वित भारतीय-अमेरिकी हूं...

अपनी पोस्ट में इमानवी ने अपनी पृष्ठभूमि के बारे में भी बताया। उन्होंने लिखा, 'मैं एक गर्वित भारतीय-अमेरिकी हूं, जो हिंदी, तेलुगु, गुजराती और अंग्रेजी बोलती हूं। मेरा जन्म लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में हुआ, जहां मेरे माता-पिता युवावस्था में कानूनी रूप से अमेरिका आए थे। जल्द ही वे अमेरिकी नागरिक बन गए। मैंने अमेरिका में अपनी यूनिवर्सिटी की पढ़ाई पूरी की और कला के क्षेत्र में करियर बनाया, जिसमें मैं एक अभिनेत्री, कोरियोग्राफर और डांसर हूं।'

खून में है भारतीय संस्कृति

उन्होंने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में अपने योगदान पर जोर देते हुए कहा, 'मैंने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में काम करने का फैसला किया। यह इंडस्ट्री मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत रही है और मैं उन ट्रेलब्लेजर्स की विरासत को आगे बढ़ाना चाहती हूं, जिन्होंने मुझसे पहले यह रास्ता बनाया। मेरे खून में भारतीय पहचान और संस्कृति गहरे तक बसी है और मैं इस माध्यम को एकता के रूप में इस्तेमाल करना चाहती हूं, न कि विभाजन के लिए।'

इमानवी ने दिया मानवता का संदेश

अपनी पोस्ट के अंत में इमानवी ने एक सकारात्मक संदेश दिया। उन्होंने लिखा, 'जैसा कि हम इस दुखद नुकसान का शोक मना रहे हैं, आइए प्यार और एक-दूसरे को प्रेरित करना जारी रखें। इतिहास में कला एक ऐसा माध्यम रही है, जो जागरूकता, सहानुभूति और विभिन्न संस्कृतियों, लोगों और अनुभवों के बीच कनेक्शन बनाती है। मैं कड़ी मेहनत करूंगी ताकि मेरा काम भारतीय विरासत के अनुभव को आगे बढ़ाए और ऊंचा करे। ढेर सारा प्यार।'

प्रभास के साथ डेब्यू करेगी इमानवी

इमानवी इस्माइल जल्द ही हनु राघवपुडी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'फौजी' से डेब्यू करने वाली हैं, जिसमें उनके को-स्टार साउथ के सुपरस्टार प्रभास हैं। यह फिल्म एक पीरियड ड्रामा बताई जा रही है और इमानवी इसमें एक अहम किरदार निभा रही हैं। हालांकि, पहलगाम हमले के बाद फैली अफवाहों ने उनके डेब्यू को विवादों में घेर लिया। कुछ यूजर्स ने उन्हें फिल्म से हटाने की मांग की, जिससे इमानवी को यह सफाई पेश करनी पड़ी।

'अबीर गुलाल' पर बैन के बीच रिद्धि डोगरा ने कही बड़ी बात, राक्षसों के खिलाफ खड़ें हों

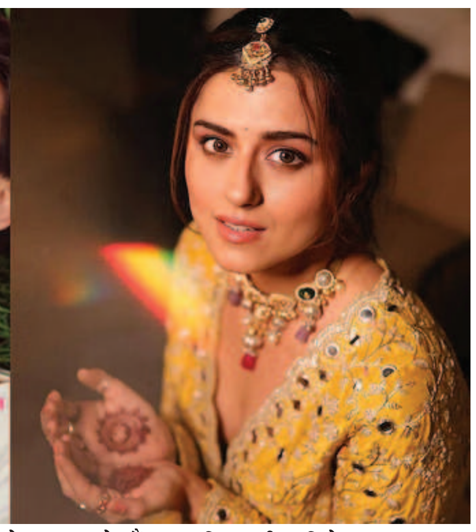

अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने पहलगाम हमले की निंदा की है। उन्होंने आतंकवादियों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने बताया है कि किस तरह से कश्मीर आबाद था और फिर आतंकवादियों ने फिर हमला किया है। रिद्धि डोगरा का ट्वीट ऐसे वक्त आया है जब फिल्म फेडरेशन ने उनकी आने वाली फिल्म 'अबीर गुलाल' पर पाबंदी लगा दी है। फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान ने अभिनय किया है।

रिद्धि डोगरा ने निकाला गुस्सा

रिद्धि डोगरा ने एक्स पर लिखा कि 'मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि अच्छे मुसलमान आगे आएं और आतंकवादियों को बेदखल करें! वह उन लोगों से रिश्ते तोड़ दें जो चुप रहते हैं। क्योंकि बार-बार आतंक एक ही जगह से आ रहा है।' डोगरा ने आगे कहा 'वह इंसानियत को बर्बाद कर रहे हैं। वह यकीन को बर्बाद कर रहे हैं। कश्मीर फल-फूल रहा था और सरकार भी यहां कारोबार को बढ़ावा देने के लिए बहुत कुछ कर रही थी लेकिन हम सबको पता है कि यह सब कौन नहीं चाहता है। यह मेरी निजी राय है, लेकिन अब मानवता के नाम पर राक्षसों के प्रति उदार होना बंद करने का समय आ गया है। भारत के लिए खड़े हों।'

भारत में फिल्म रिलीज होने पर प्रतिबंध

रिद्धि डोगरा अपनी आने वाली फिल्म 'अबीर गुलाल' की रिलीज को लेकर भी चर्चा में हैं। इसमें पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान के अलावा वाणी कपूर और सोनी राजदान भी हैं। फिल्म 9 मई को पूरी दुनिया में रिलीज होने वाली है। फिल्म से रिद्धि डोगरा भी जुड़ी हैं। पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच 'अबीर गुलाल' भारत में रिलीज नहीं होगी। फेडरेशन के प्रेसिडेंट बीएन तिवारी ने बयान जारी करते हुए कहा, 'हम अबीर गुलाल को किसी भी हालत में इंडिया में रिलीज नहीं होने देंगे। अगर ये फिल्म भारत में रिलीज हुई तो मेकर्स के खिलाफ कड़े कदम उठाए जाएंगे।'

पहलगाम के क्रूर हमले को देख टूटा बादशाह का दिल, रैपर ने पोस्टपोन किया म्यूजिक लॉन्च

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है और इस त्रासदी का असर अब मनोरंजन जगत में भी देखने को मिल रहा है। मशहूर रैपर और सिंगर बादशाह ने इस हमले के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताते हुए एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने अपनी आगामी म्यूजिक रिलीज को स्थगित कर दिया है, ताकि इस दुखद समय में देश के साथ

एकजुटता दिखाई जा सके।

हमले से टूटा बादशाह का दिल

बादशाह ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक स्टोरी साझा कर इस फैसले की जानकारी दी, जिसमें उन्होंने पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों के प्रति सम्मान और पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी सहानुभूति व्यक्त की। बादशाह ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि पहलगाम में आम नागरिकों पर हुए इस क्रूर हमले से उनका दिल टूट गया है।

बादशाह की पोस्ट

उन्होंने कहा, 'हम इस मुश्किल समय में पीड़ित परिवारों और पूरे देश के साथ गहरी संवेदना के साथ खड़े हैं। सम्मान और इस दुखद क्षति को स्वीकार करते हुए, हमने अपनी रिलीज को अभी के लिए टालने का फैसला किया है। आज हम उन लोगों की याद में रुकते हैं जिन्होंने अपनी जान गंवाई, और एकता व संवेदना के साथ इस दुख को महसूस करते हैं।'

कई सितारों ने की पहलगाम हमले की निंदा

पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों को उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाकर मार दिया गया, जिसने पूरे देश में गुस्से की लहर दौड़ा दी है। बादशाह के अलावा बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के तमाम सितारों ने इस हमले की निंदा की और पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। वहीं, अभिनेत्री दिशा पटानी की बहन एक्स आर्मी ऑफिसर खुशबू पटानी ने भी इस हमले की निंदा करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई और युद्ध की मांग की थी।

'भगवान की भी समीक्षा होती है', सायरा बानो से अलग होने के बाद हुई ट्रोलिंग को लेकर बोले एआर रहमान

कई महीनों की खामोशी के बाद ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान ने आखिरकार अपनी निजी जिंदगी को लेकर सार्वजनिक चर्चाओं के बारे में बात की।

अपनी पत्नी सायरा बानो से अलग होने के बाद एआर रहमान निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में थे। वहीं, अब उन्होंने इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर मची हलचल के बारे में बात की।

ट्रोलिंग पर क्या बोले एआर रहमान

इस कपल के अलग होने के फैसले ने कई लोगों को चौंका दिया और ऑनलाइन अटकलों का दौर शुरू हो गया, जिसे उन्होंने नवंबर 2024 में सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया।

फिर भी अपनी आदत के मुताबिक एआर रहमान अब तक चुप रहे। वहीं, अब यूट्यूब पर नयनदीप रक्षित के साथ बातचीत में एआर रहमान ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में आने का चुनाव जानबूझकर किया जाता है, इसलिए हर किसी की समीक्षा की जाती है। सबसे अमीर व्यक्ति से लेकर भगवान तक की समीक्षा की जाती है, तो मैं कौन हूं।

ट्रोल्स को भी माना परिवार

जब तक हम साथ रहते हैं और अभिमानी या टॉक्सिक नहीं होते हैं। यहां तक कि जो लोग हमारी आलोचना करते हैं- वे सभी एक परिवार हैं। अगर मैं किसी के परिवार के बारे में कुछ कहता हूं तो कोई मेरे बारे में कुछ कहेगा और हम भारतीय होने के नाते इस पर विश्वास करते हैं।

किसी को भी अनावश्यक बातें नहीं कहनी चाहिए, क्योंकि हर किसी की एक बहन, एक पत्नी, एक मां होती है। यहां तक कि जब कोई कुछ चोट पहुंचाने वाली बात कहता है तो मैं प्रार्थना करता हूं, 'हे भगवान, उन्हें क्षमा करें और उनका मार्गदर्शन करें।'

नवंबर 2024 में की थी अलग होने की घोषणा

नवंबर 2024 में रहमान ने एक्स पर अलग होने की जानकारी साझा करते हुए कहा, 'हमें उम्मीद थी कि हम तीस साल पूरे कर लेंगे, लेकिन ऐसा लगता है कि सभी चीजों का एक अदृश्य अंत होता है। टूटे हुए दिलों के वजन से भगवान का सिंहासन भी कांप सकता है।

फिर भी, इस बिखराव में, हम अर्थ तलाशते हैं, भले ही टुकड़ों को फिर से अपनी जगह न मिले। हमारे दोस्तों, आपकी दयालुता के लिए और इस नाजुक अध्याय से गुजरते समय हमारी निजता का सम्मान करने के लिए धन्यवाद।'

स्लमडॉग मिलेनियर में नजर आने वाली थी नुसरत भरुचा, अजीबोगरीब वजह से हो गई थी रिजेक्ट

'स्लमडॉग मिलेनियर' ब्रिटिश ड्रामा फिल्म थी लेकिन कहानी भारतीय किरदारों के ईद-गिर्द घूमती है। इस फिल्म में देव पटेल और फ्रीडा पिंटो ने लीड रोल किए। फ्रीडा वाले रोल के लिए नुसरत ने भी ऑडिशन दिया था लेकिन वह एक अजीब वजह से रिजेक्ट कर दी गईं।

इस वजह से रिजेक्ट हुईं नुसरत

नुसरत भरुचा ने 'स्लमडॉग मिलेनियर' में रिजेक्ट किए जाने वाला किस्सा साझा किया। वह कहती हैं, 'मैंने इस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था। फिर कॉल आया कि आपको इस फिल्म में इसलिए नहीं लिया जा रहा क्योंकि आप बहुत सुंदर हैं और एक सुंदर लड़की बस्ती में रहने वाली लड़की का किरदार कैसे निभा सकती है?।'

फिल्म देखने के बाद फैसला सही लगा

नुसरत भरुचा आगे कहती हैं, 'पहले तो रिजेक्शन की वजह मुझे अजीब लगी। जब फिल्म रिलीज हुई तो मैंने भी देखी। तब मुझे अहसास हुआ कि मेकर्स का फैसला सही था। फिल्म में उस लड़की की जर्नी बिल्कुल ही अलग थी। देखिए, हमारी इंडस्ट्री ऐसी ही है, कई बार सुंदर होने की वजह से कुछ रोल हमारे हाथ से निकल जाते हैं।'

फिल्म 'छोरी' को लेकर चर्चा

फिल्म 'छोरी 2' में नुसरत भरुचा ने एक मां का रोल किया है, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करती है। फिल्म में हॉरर का तड़का भी है, साथ ही यह फिल्म एक सोशल मैसेज भी देती है। फिल्म में नुसरत भरुचा के अलावा सोहा अली खान, सौरभ गोयल, पल्लवी अजय, कुलदीप सरीन, हार्दिक शर्मा जैसे कलाकार भी नजर आए। फिल्म को विशाल फुरिया ने निर्देशित किया है।

'मेरी फिल्में सवाल उठाती हैं, विरोध जताती हैं' पहलगाम हमले के बाद बोले विवेक अग्निहोत्री

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से पूरे देश में आक्रोश है और घटना पर दुख जताया जा रहा है। बॉलीवुड ने भी इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इस पर शोक व्यक्त किया है। अब फिल्म निर्माता-निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने इस आतंकी हमले के बाद सांप्रदायिक हिंसा की मानवीय कीमत पर एक लंबा नोट सोशल मीडिया पर साझा किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी फिल्में सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उससे काफी बढ़कर हैं।

सांप्रदायिक हिंसा लाशों से काफी कुछ ज्यादा छोड़ जाती है

फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इस स्टोरी में उन्होंने इस हादसे के बाद सांप्रदायिक हिंसा को लेकर हुए खालीपन पर लिखा, "सांप्रदायिक हिंसा सिर्फ लाशों से ज्यादा कुछ छोड़ जाती है। यह एक खालीपन छोड़ जाती है। घर राख में बदल गए, जिंदगियां बिखर गईं, परिवार फिर कभी एक नहीं हो पाए। दर्द सिर्फ शारीरिक नहीं है, यह एक धीमा, दर्दनाक दुख है। एक मां अपने बेटे की तलाश कर रही है। एक आदमी जिसके हाथ कभी प्रार्थना करते थे, अब गुस्से से कांप रहा है। यह धार्मिक कट्टरवाद की मानवीय कीमत है, जहां विश्वास और आस्था हथियार बन जाती है और मतभेद मौत की सजा बन जाते हैं।"

'मेरी फिल्में मनोरंजन से कहीं बढ़कर हैं'

फिल्म निर्माता ने आगे लिखा, "मैं अपनी कला का इस्तेमाल जागरुकता फैलाने के लिए करता हूं। क्योंकि कला सत्य से परेशान नहीं होती। मेरी फिल्में मनोरंजन से कहीं बढ़कर हैं। वे असहज सच्चाइयों का सामना करने, महत्वपूर्ण सवाल उठाने और दर्शकों को करुणा और मानवता की कमी की याद दिलाने का एक तरीका हैं। मेरी फिल्में सिर्फ कहानियां नहीं हैं, वे ऐसी जगहें हैं जहां अनुपस्थिति उपस्थिति से ज्यादा जोर से बोलती है।

दया, तर्क और साधारण मानवता की गैरमौजूदगी है। मैं उस अनुपस्थिति से फिल्में बनाता हूं। चौंकाने के लिए नहीं, बल्कि याद दिलाने के लिए। हमने जो खोया है, उसे आईना दिखाने के लिए। ये आरामदायक फिल्में नहीं हैं। ये ऐसी नहीं हैं। वे ऐसे सवाल उठाती हैं जिन्हें हम टालना चाहते हैं। हम क्या बन रहे हैं? पैटर्न देखने से पहले और कितने जीवन जीने हैं?"

'मेरा सिनेमा विरोध है, शोक है'

अपनी फिल्मों को एक विरोध बताते हुए विवेक अग्निहोत्री ने आगे लिखा, "मेरा सिनेमा विरोध है। यह शोक है। यह स्मृति है। क्योंकि जब हम अंधेरे का सामना करते हैं, तभी हम इसके खिलाफ आवाज उठा सकते हैं।" विवेक अग्निहोत्री इससे पहले पहलगाम में हुए हमले की निंदा करते हुए इस पर दुख भी जता चुके हैं।

'द दिल्ली फाइल्स' पर काम कर रहे विवेक अग्निहोत्री

वर्कफ्रंट की बात करें तो विवेक अग्निहोत्री इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'द दिल्ली फाइल्स' में व्यस्त हैं। ये उनकी फाइल्स फिल्मों की सीरीज की तीसरी फिल्म है। इससे पहले वो 'द ताशकंद फाइल्स' और 'द कश्मीर फाइल्स' का निर्माण कर चुके हैं।

जब जया बच्चन ने इस व्यक्ति को बताया था अपना 'तीसरा बच्चा', अमिताभ बच्चन को इस बात का है पछतावा

अभिनेत्री जया बच्चन का एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है। इस इंटरव्यू में अमिताभ बच्चन की पत्नी जया बच्चन ने अमिताभ बच्चन को अपना 'तीसरा बच्चा' बताया था। इंटरव्यू में जया बच्चन ने बताया कि वह कैसे उस वक्त करियर, परिवार और चुनौतियों से निपटती थीं।

जया बच्चन ने पाले तीन बच्चे

जया बच्चन दोबारा फिल्मों में कैसे वापसी की? इस पर जवाब देते हुए जया ने बताया कि यह मुश्किल था क्योंकि उन्होंने 'तीन बच्चों' को पाला है। उनका मतलब था अभिषेक बच्चन, श्वेता बच्चन और उनके पति अमिताभ बच्चन को। उनके इस जवाब ने लोगों का दिल जीत लिया। उनका यह जवाब दिखाता है कि वह परिवार को लेकर कितनी गंभीर थीं। जया का ये जवाब अमिताभ से उनके मजबूत रिश्ते को भी दिखाता है।

अमिताभ को हुआ इस बात का पछतावा

एक इंटरव्यू में अमिताभ बच्चन ने इस बात के लिए पछतावा जाहिर किया कि वह काम की वजह से अपने परिवार और बच्चों को ज्यादा वक्त नहीं दे पाए। उनके शब्दों ने कई लोगों के दिलों को छू लिया, जिसमें शोहरत और निजी जिंदगी के बीच तालमेल बिठाने की जद्दोजहद पर बात कही गई।

जया बच्चन ने अमिताभ का किया बचाव

अमिताभ के जवाब पर जया बच्चन ने उनका बचाव किया और बताया कि वह एक अच्छे पिता हैं। जया के मुताबिक अमिताभ बच्चन ने बच्चों के साथ अच्छा वक्त बिताया। बच्चों की ज्यादातर आदतें उनसे ही मिली हुई हैं। जया बच्चन ने आगे बताया कि अमिताभ बच्चन ने बहुत व्यस्त होने के बावजूद परिवार और बच्चों को वक्त दिया।

अमिताभ बच्चन का काम

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के काम की बात करें तो वह आखिरी बार फिल्म 'वेट्टैयन' में नजर आए थे। फिल्म में रजनीकांत ने सीनियर पुलिस अफसर का किरदार निभाया था। फिल्म में फहद फाजिल, राना दग्गूबाती और मंजू वारियर थे।

पहलगाम हमले पर उमर अब्दुल्ला की अपील

'मेहरबानी करके कश्मीरियों को दुश्मन मत समझिए', महबूबा मुफ्ती ने भी की अमित शाह से बात

पहलगाम, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। आतंकी हमले के बाद देशभर में शोक की लहर है। इस दौरान जहां एक ओर पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है, वहीं कुछ राज्य से कथित तौर पर कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों को धमकियों की खबरें आ रही हैं। इन घटनाओं ने जम्मू-कश्मीर के नेताओं को चिंता में डाल दिया है और उन्होंने केंद्र व अन्य राज्य सरकारों से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए कहा कि हमारी सरकार उन राज्यों की सरकारों के संपर्क में है, जहां से ऐसी घटनाओं की जानकारी मिली है।

उमर अब्दुल्ला ने इस मामले पर 'एक्स' पर एक पोस्ट को रिपोस्ट लिखा, मैं खुद भी उन सभी राज्यों के मुख्यमंत्री साथियों

से संपर्क में हूं और उनसे अनुरोध किया है कि वे कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतें। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाने की बजाय कुछ लोग नफरत का माहौल बना रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जिन पर ये बीता है, उनके लिए संवेदना व्यक्त करता हूं। शायद ही कोई ऐसा इलाका है, जिसमें लोग बाहर न आए हों, सबने इस घटना का विरोध किया है। मेहरबानी करके कश्मीरियों को दुश्मन मत समझिए। हम दुश्मन नहीं हैं।

हमने भुगता है 35 सालों में। जम्मू-कश्मीर के लोग अमन के दुश्मन नहीं हैं। ये हमारी मर्जी से नहीं हुआ। हमें इन सब से निकलना होगा। उमर अब्दुल्ला ने कहा, आगे इस तरह के हादसे न हो, उसके सिक्योरिटी की जिनके जिम्मेदारी है, उन्हें अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, हम कंधे से कंधा मिलाने को तैयार हैं। भारत सरकार ने कुछ कदम उठाएं हैं और ये अच्छी बात है, आगे देखिए क्या होगा।

महबूबा मुफ्ती ने की अमित शाह से फोन पर बात

वहीं, पीडीपी प्रमुख और जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने भी इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार से अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात की है। महबूबा मुफ्ती ने लिखा, "मैंने गृह मंत्री अमित शाह जी से बात की, उन्हें पहलगाम आतंकी हमले को लेकर अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति एकजुटता जाहिर की। साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों में कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों को खुलकर दी जा रही धमकियों पर भी चर्चा की। उनसे तत्काल हस्तक्षेप कर इन घटनाओं पर रोक लगाने और कश्मीरियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।" उन्होंने यह भी कहा कि यह वक्त देश के हर नागरिक को एक-दूसरे का संबल बनने का है, न कि किसी विशेष समुदाय या राज्य को निशाना बनाने का। उन्होंने कहा कि कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया और कुछ जगहों पर कश्मीरियों के खिलाफ नफरत फैलाने की कोशिशें सामने आई हैं।

आतंकी हमले के विरोध में हिमाचल के बाजार बंद

शिमला, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के विरोध में हिमाचल प्रदेश में उबाल है। गुरुवार को हिमाचल में बाजार बंद रहे। जगह-जगह प्रदर्शन हुए। आतंकवाद, पाकिस्तान के पुतले फूंके गए। शिमला में भी बंद का व्यापक असर दिखा। मालरोड व मिडल बाजार सहित पूरे शहर में दुकानें बंद रहीं। प्रदेशभर में जहां सुबह से लेकर 11:00 बजे तक व्यापारिक प्रतिष्ठानों को बंद रखने का निर्णय लिया गया था, वहीं राजधानी शिमला के कारोबारियों ने दोपहर बाद 1:00 बजे तक बाजार बंद रखने का फैसला लिया। हिमाचल प्रदेश व्यापार मंडल के राज्य अध्यक्ष सुमेश शर्मा, महामंत्री राकेश कैलाश और समस्त कार्यकारिणी ने आतंकी हमले की निंदा की है।

'रैली पर भड़के पप्पू यादव'

प्रधानमंत्री की मधुबनी रैली पर कहा- इस समय में भी चुनावी रैलियों की जरूरत क्यों पड़ी है?

पूर्णिया, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव पहलगाम हमले के बाद केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर लगातार निशाना साध रहे हैं। एक बार फिर गुरुवार को उन्होंने पीएम मोदी के बिहार दौरे को लेकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश गम में डूबा है, ऐसे में रैलियां क्यों की जा रही है। प्रधानमंत्री को ऐसे समय में भी चुनावी रैलियों की पड़ी है, जब कि ये समय पीड़ित परिजनों के साथ खड़े होने और आतंकियों के सबक सीखने का था। पप्पू यादव ने अपने एक्स एकाउंट पर लिखा, प्रधानमंत्री जी यह अक्षम्य अपराध है, पूरा देश शोक में डूबा है। आप बिहार में आकर राजनीतिक रैली कर रहे हैं मंच पर बैठ हंसी-खुशी के माहौल में ठहाके मार कैसा शोक मना रहे हैं? पीड़ित परिवारों की असह्य वेदना का आपलोगों के पत्थर दिल पर कोई असर नहीं पड़ रहा। ऐसे पीएम से शर्मिंदा हैं! हालांकि इस कार्यक्रम का आयोजन बहुत ही सादगीपूर्ण तरीके से किया गया। किसी भी तरह का स्वागत समारोह या उत्सव नहीं किया गया। पीएम की सुरक्षा का भी ध्यान रखा गया। बिहार के सभी पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। सख्त सुरक्षा के बीच पीएम मोदी का ये दौरा रखा गया था। कार्यक्रम में बिहार के सीएम नीतीश कुमार भी शामिल रहे। बता दें कि इससे पहले बुधवार को भी पप्पू यादव ने पीएम मोदी और अमित शाह पर हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि आखिर सेना में जवानों की जो कमी है उसको क्यों नहीं पूरा किया जा रहा? कोरोना से लेकर अब तक कोई बहाली सेना में क्यों नहीं हुई? सेना की कमी के कारण कारण ही कश्मीर में फौज पहाड़ी और जगलों के इलाके में तैनात नहीं रहते।

आतंकवादी समाज को बांटना चाहते हैं, हमें एकजुट होने की जरूरतः पहलगाम हमले पर बोले सदगुरु

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने गहरी संवेदना जाहिर की है। उन्होंने इसे कायरतापूर्ण बताया है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर उन्होंने कहा कि आतंकवाद का उद्देश्य युद्ध नहीं बल्कि समाज के भय से पंगु बनाना है। वो लोगों के बीच दहशत फैलाना चाहते हैं। समाज के लोगों को आपस में बांटना चाहते हैं। आतंकी देश की आर्थिक बढ़त को पटरी से उतारना और हर स्तर पर अराजकता पैदा करना चाहते हैं। अगर हम इस देश की संप्रभुता को बनाए रखना और उसका पोषण करना चाहते हैं, तो ऐसे अराजक तत्वों से सख्ती से और दृढ़ संकल्प के साथ निपटा जाना चाहिए। सद्गुरु ने कहा कि धार्मिक आधार पर फैलाया गया आतंकवाद बहुत ही खतरनाक होता है। क्योंकि ऐसा व्यक्ति जो किसी और साधारण विचार जैसे प्रॉपर्टी, वेल्थ, मनी के साथ घटना को अंजाम देता है तो उसके साथ नेगोशियेट करना आसान हो जाता है, लेकिन जो अपने खुदा के लिए और उसके भरोसे में आतंकवाद फैला रहा है और वो खुद भी मरने के लिए तैयार है वो तार्किक तौर पर सोचना बंद कर देता है। सद्गुरु ने कहा कि सालों से हमारे पूर्वजों ने गरीबी और भुखमरी से लड़ाई लड़ी है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम देश को आर्थिक तौर पर मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि यही समय है कि देश विरोधी ताकतों से मिलकर निपटा जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग जो महिलाओं, बच्चों और देश के लोगों को खिलाफ बम हथियार उठाते हैं उनके साथ सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

किसान ने उगाए तीन-तीन किलोग्राम के वीआईपी आम, नाम रखा शरद पवार, जानें इसके पीछे की दिलचस्प कहानी

मुंबई, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। क्या किसी शख्स के नाम पर आम का नाम पड़ सकता है? सुनने में अटपटा जरूर लग रहा है, लेकिन महाराष्ट्र के सोलापुर निवासी एक किसान के बगीचे में तीन-तीन किलोग्राम के आम उगे। उसने इन आमों को महाराष्ट्र के पूर्व सीएम शरद पवार का नाम दिया। जानकारी के मुताबिक, माढा तालुका के अरन गांव के किसान दत्तात्रय गडगे ने अपने बगीचे में आम के पेड़ों पर विभिन्न प्रयोग करके तीन किलो के आम उगाए हैं। उन्होंने इस आम का नाम शरद आम रखा है। किसान दत्तात्रय गडगे ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस आम का वजन तीन किलो है। दत्तात्रय गडगे ने अपने बगीचे में विभिन्न प्रकार के आमों जैसे केसर, झाड़ी

और केला आदि का ग्राफ्टिंग प्रयोग किया। उन्होंने इस खेती के लिए शरद पवार की पूर्व मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान शुरू की गई फल बगीचा योजना का सहारा लिया। इस अनोखे आम को पेटेंट भी मिल गया है।

फल बगीचा योजना में लगाया था पेड़

बता दें कि जब शरद पवार राज्य के मुख्यमंत्री थे, तब फल बगीचा योजना लागू की गई थी। उसी योजना के तहत हमने 8 एकड़ जमीन पर लगभग 10 हजार केसर आम के पौधे लगाए थे। किसान दत्तात्रय गडगे ने अपने बगीचे के आमों का नाम एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के नेता शरद पवार के नाम पर रखा है। किसान दत्तात्रय गडगे ने कहा कि तीन किलो के आम उगाने के लिए हमने एक ही पौधे पर विभिन्न प्रकार के आमों का ग्राफ्टिंग किया। इनमें केसर, आम, झाड़ी, केला और अन्य विभिन्न प्रयोग शामिल हैं। केला होम्योपैथिक दवाओं की एक किस्म है। किसान दत्तात्रय गडगे ने बताया कि पहले बैच में तीन किलो आम के उत्पादन के कारण बारामती कृषि कॉलेज के वैज्ञानिकों को सूचित किया गया।

केवल शरद आम को मिला पेटेंट

माढा तालुका के अरन गांव के किसान दत्तात्रय गडगे ने तीन किलो वजन के नए आम उगाए हैं। किसान दत्तात्रय गडगे ने इस आम का नाम शरद पवार के नाम पर शरद आम रखा है। किसान दत्तात्रय गडगे को इस आम का पेटेंट भी मिल गया है।

मंत्री बनने के बाद पहली बार बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचीं केंद्रीय मंत्री खडसे, लगाया ध्यान

उज्जैन, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने अपने उज्जैन प्रवास के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन किए। पूजन पुजारी अर्पित शर्मा व पुरोहित नवनीत शर्मा ने करवाया। खडसे द्वारा सभामंडप में श्री वीरभद्र भगवान का भी पूजन किया गया। खडसे ने नंदी हॉल से बाबा महाकाल की पूजा अर्चना की, जिसके बाद ध्यान भी लगाया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा उपप्रशासक एसएन सोनी व अभिषेक शर्मा ने खडसे का स्वागत-सत्कार किया। इस दौरान उज्जैन के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, उज्जैन नगर पालिका निगम अध्यक्ष कलावती यादव, भाजपा नगर अध्यक्ष नरेश शर्मा आदि उपस्थित थे। बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद खडसे ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि वैसे तो मैं बाबा महाकाल के दर्शन करने प्रतिवर्ष मंदिर आती रहती हूं लेकिन इस बार में मंत्री बनने के बाद पहली बार बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन आई हूं। बाबा महाकाल की ऐसी ही कृपा सभी पर बनी रहे ऐसी मैंने बाबा महाकाल से कामना की है।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों को मिलेगी मुफ्त एमआरआई सेवा

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को एमआरआई जांच कराने में काफी परेशानी होती है। इसकी वजह है कि दिल्ली के 36 सरकारी अस्पतालों में से सिर्फ तीन ही अस्पतालों में एमआरआई मशीन उपलब्ध है। इन तीन अस्पतालों में लोक नायक अस्पताल, जीबी पंत अस्पताल और इंदिरा गांधी अस्पताल शामिल हैं। बाकी अस्पतालों में एमआरआई सुविधा न होने के कारण मरीजों को या तो निजी लैब में पैसे देकर जांच करानी पड़ती है या फिर महीनों तक सरकारी अस्पतालों में नंबर आने का इंतजार करना पड़ता है। अब इस बड़ी समस्या को हल करने के लिए दिल्ली सरकार एक अहम कदम उठाने जा रही है। अगली कैबिनेट बैठक में सरकार एक प्रस्ताव लाने वाली है, जिसमें दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों में एमआरआई सेवा शुरू करने की योजना है। अगर यह प्रस्ताव मंजूर हो जाता है, तो दिल्ली स्वास्थ्य विभाग एमआरआई मशीनें खरीदने और उन्हें अस्पतालों में लगाने के लिए टेंडर जारी करेगा। इस योजना का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि मरीजों को एमआरआई जैसी जरूरी जांचें मुफ्त में मिल सकेंगी।

जरूरी जांच मुफ्त मिलने से मरीजों को बड़ी राहत

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस फैसले से न सिर्फ मरीजों को राहत मिलेगी, बल्कि अस्पतालों में जांच प्रक्रिया भी तेज और सुविधाजनक होगी। कई बार मरीजों की हालत गंभीर होती है और तुरंत एमआरआई की जरूरत होती है, लेकिन मशीन उपलब्ध न होने के कारण इलाज में देरी हो जाती है। एमआरआई (मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग) एक आधुनिक जांच तकनीक है जिससे शरीर के अंदर की स्थिति का सटीक पता चलता है। गंभीर बीमारियों जैसे ब्रेन ट्यूमर, स्पाइनल इंजरी, कैंसर आदि की पहचान में यह जांच बेहद जरूरी होती है। दिल्ली सरकार का यह कदम अगर लागू होता है, तो यह मरीजों के लिए एक बड़ी राहत साबित होगा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी।

जान से ज्यादा प्यारी कार

गाड़ी के नुकसान का सदमा झेल नहीं पाया, कारोबारी ने खुद को मारी गोली

लुधियाना, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। कुछ लोग होते हैं जो खुद से ज्यादा अपनी गाड़ी की संभाल करते हैं। यहां तक तो ठीक है, लेकिन कार से ऐसा लगाव कि गाड़ी का नुकसान होने से आहत होकर अपनी जान दे देना यह बड़ा ही अजीब है। लेकिन हां ऐसा हुआ है। पंजाब के लुधियाना में ऐसी घटना हुई है, जहां एक कार मालिक ने गाड़ी का एक्सीडेंट होने पर खुद को ही गोली मार ली। लुधियाना के साउथ सिटी के सनव्यू इलाके में रहने वाले लोहा कारोबारी दलबीर सिंह ने बुधवार रात को अपने घर में ही अपने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। गोली लगने से वह बुरी तरह से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना का पता उस समय चला जब परिवार वालों ने गोली चलने की आवाज सुनी तो वह तुरंत दलबीर के कमरे की तरफ भागे। अंदर लहूलुहान हालत में दलबीर का शव पड़ा था। इसके बाद परिवार वालों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद थाना सराभा नगर की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने जांच के बाद शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार दलबीर सिंह का लोहे का कारोबार है। वह शराब पीने का आदी था। रोजाना वह शराब पीने के लिए चला जाता था और घर देर से लौटता था। बुधवार की रात को वह अपनी कार में सवार होकर शराब पीने के बाद नशे की हालत में कार ड्राइव कर घर लौट रहा था। रास्ते में उसकी कार बेकाबू हो गई और पेड़ से टकरा गई। पेड़ से टकराने के बाद कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार की हालत कारोबारी आहत हो गया। किसी तरह वह घर पहुंचा और सीधे अपने कमरे में चला गया।

पाकिस्तान का पूरा नामो-निशान मिटा दो; पहलगाम घटना के बाद विश्व हिंदू परिषद ने उठाई मांग

नागपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार यानी 22 अप्रैल को जो घटना हुई उसके बाद से लोगों में गुस्सा देखने को मिल रहा है। पहगाम के एक पर्यटन स्थल पर कुछ आतंकी पहुंचे और वहां पर घूमने आए लोगों पर गोलियां चला दी। उन्होंने वहां घूमने पहुंचे लोगों से पहले उनका धर्म पूछा और उसके बाद उन पर गोलियां चलाकर उनकी हत्या कर दी। इस घटना में 26 लोगों की जान चली गई। इस घटना के बाद से लोगों की मांग सिर्फ यही है कि हिंदुस्तान पाकिस्तान से इस घटना का बदला ले। इसके लिए विश्व हिंदू परिषद और उनके सहयोगी संगठनों ने नागपुर में उग्र प्रदर्शन किया।

आतंकी हमले के विरोध में प्रदर्शन

पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों पर जो कायराना हमला किया उसके बाद पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। नागपुर के बडकस चौक पर विश्व हिंदू परिषद, आरएसएस और बजरंग दल जैसे तमाम संगठनों के कार्यकर्ताओं ने एक उग्र प्रदर्शन किया। सभी लोगों की सिर्फ एक ही मांग है कि इस भारत इस हमले का बदला पाकिस्तान से ले और उसे ऐसा सबक सिखाए कि पाकिस्तान दोबारा ऐसा कुछ करने की हिम्मत न करे। उग्र प्रदर्शन करते हुए विश्व हिंदू परिषद के नागपुर महानगर के प्रमुख अमोल ठाकरे ने कहा, 'ये जो घटना हुई है उसका किन शब्दों में हम विरोध करें, वो शब्द हमारे पास नहीं हैं। कश्मीर की घाटियों में इससे पहले भी घटनाएं हुई हैं, अमरनाथ की यात्रियों पर भी इन्होंने गोलियां चलाई थी मगर इन्होंने कल धर्म पूछकर गोलियां मारी है। अगर ये धर्म पूछकर गोलियां चलाते हैं तो हिंदू शांत नहीं बैठेगा, ईंट का जवाब पत्थर से देने के लिए हम तैयार हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हम देश के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और आदरणीय राष्ट्रपति से यह मांग करते हैं कि आप पाकिस्तान के साथ एक बार कुछ ऐसा करो कि पाकिस्तान की 70 पीढ़ियां याद करें और भारत में कहीं पर भी ऐसी आतंकी घटना करने से पहले 100 बार सोचें। जैसे 2 बार सर्जिकल स्ट्राइक की थी, अब तीसरी बार में उनका पूरा नक्शा नाबूद कर दो। विश्व के पटल से पाकिस्तान का पूरा नामों निशान मिटा दो।'

दिल्ली समेत 11 राज्यों में भीषण गर्मी का येलो अलर्ट इन जगहों पर आंधी-तूफान के साथ होगी भारी बारिश

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने अगले सात दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों में हीटवेव (लू) और भारी बारिश की चेतावनी देते हुए अलर्ट जारी किया है। अगले 24 घंटे के दौरान दिल्ली समेत 11 राज्यों में भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है। जबकि कुछ राज्यों में आंधी और भारी बारिश की संभावना है। उत्तर-पश्चिमी भारत में अगले छह दिनों में तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की उम्मीद है। मध्य भारत और गुजरात में अगले तीन दिनों में 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि देखी जा सकती है, जबकि पूर्वी भारत में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

11 राज्यों में हीटवेव अलर्ट

मौसम विभाग की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार, पूर्वी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, ओडिशा, पंजाब और दिल्ली में आज भीषण गर्मी का असर देखा जा सकता है। 24 से 26 अप्रैल के बीच बिहार और झारखंड के कई इलाकों में रात का तापमान भी अधिक रहने की उम्मीद है।

दिल्ली-एनसीआर का मौसम अपडेट

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में अगले तीन दिनों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है, अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की उम्मीद है। शुक्रवार और शनिवार के लिए भीषण गर्मी का येलो अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटों में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। 26 अप्रैल तक असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश हो सकती है। 24 अप्रैल को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी भारी बारिश के साथ आंधी-तूफान आ सकता है। इन राज्यों में हवाएं 30 से 50 किमी/घंटा की रफ्तार से चल सकती हैं।

दक्षिण भारत में आंधी-तूफान

मौसम विभाग के अनुसार, केरल, तटीय आंध्र प्रदेश और कर्नाटक समेत दक्षिण भारत के राज्यों में तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और तेलंगाना में अगले सात दिनों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।

पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत में एक्टिव

पश्चिमी विक्षोभ के कारण जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्यों में बिजली, गरज और तेज हवाएं चल सकती हैं। यह मौसम पैटर्न उत्तरी और मध्य पाकिस्तान पर सक्रिय एक चक्रवाती सिस्टम के कारण हो रहा है।

इंदौर भोपाल बाईपास पर चलती कार में लगी आग कांच तोड़कर चालक को निकाला बाहर, बची जान

देवास, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के देवास जिले के इंदौर-भोपाल बायपास पर चलती एक कार में अचानक आग लग गई। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। नगर निगम की फायर ब्रिगेड टीम समय पर मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। वहीं, इससे पहले कार में फंसे चालक को स्थानीय और राहगीरों ने कांच तोड़कर समय रहते बाहर निकाला लिया, इससे उसकी जान बच गई। घायल हुए चालक लक्ष्मीकांत को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी जैसे ही मिली एडिशनल एसपी जयवीर सिंह भदौरिया, थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सुरक्षा की दृष्टि से बायपास पर ट्रैफिक रोक दिया गया।

दिल्ली के चांदनी चौक के इस मशहूर मार्केट में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के चांदनी चौक इलाके के भागीरथ पैलेस मार्केट में आग लगने की घटना सामने आई। आग बुझाने के लिए मौके पर दमकल की 9 गाड़ियां पहुंची थीं। बताया जा रहा है कि भगीरथ प्लेस के 1860 नंबर दुकान में आग लगी थी। सेकेंड फ्लोर डेकोरेशन की दुकान में गुरुवार दोपहर 1:50 बजे आग लगी। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

आग बुझा दी गई है। भागीरथ पैलेस मार्केट में इससे पहले भी भीषण आग लगने की घटना सामने आई है, जिससे भारी नुकसान हुआ। यहां के अधिकांश व्यापारी इलेक्ट्रिकल सामान बेचते हैं और संकरी गलियों और पुराने ढांचे के कारण आग बुझाने में कठिनाई होती है।

इससे पहले 100 दुकानें जल गई थीं

इससे पहले नवंबर 2022 में यहां आग लगने की घटना हुई थी। एक दुकान में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई थी, जो तेजी से अन्य दुकानों में फैल गई। इस भीषण आग की घटना में लगभग 100 दुकानें जलकर खाक हो गई थीं। आग पर काबू पाने के लिए 40 दमकल की गाड़ियां और 200 से अधिक दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे थे। नवंबर 2022 में ही एक बार फिर से इस मशहूर मार्केट में आग लगने की घटना सामने आई थी। इस आग की घटना में लगभग 70 से 80 दमकल गाड़ियां मौके पर थीं और आग पर काबू पाया गया। वहीं एक अन्य खबर में, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के भोपाल स्थित कारखाने में गुरुवार को आग लग गई। हालांकि, इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि बिजली संयंत्र के उपकरण बनाने वाली पीएसयू के कारखाने में आग दोपहर बाद लगी। भोपाल नगर निगम (बीएमसी) के अग्निशमन अधिकारी सौरभ पटेल ने बताया कि सूचना मिलने पर हमने आग पर काबू पाने के लिए दमकल गाड़ियां मौके पर भेजीं और पानी की गाड़ियां भेजी जा रही हैं। भेल के जनसंपर्क अधिकारी विनोदानंद झा ने बताया कि आग में कोई हताहत नहीं हुआ। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन दोपहर करीब 1:00 बजे आग पर काबू पा लिया गया। परिसर में मौजूद लोगों के अनुसार, आग की लपटें सबसे पहले महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भेल के गेट नंबर-9 के पास देखी गईं, जहां कूड़ा-कचरा पड़ा हुआ था।

अडानी-अंबानी को पीछे छोड़ आगे निकले मित्तल

टेलीकॉम इंडस्ट्री में है 'बादशाहत'

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ पर नरमी से दुनियाभर के शेयर मार्केट में रौनक अब धीरे-धीरे लौट रही है। इससे अरबपतियों को टैरिफ के कारण हुए नुकसान की भी भरपाई हो रही है। आज के समय में भारत में रिलायंस इंडस्ट्री के मुकेश अंबानी देश के सबसे अमीर आदमी हैं। अडानी ग्रुप के मालिक गौतम अडानी दूसरे नंबर पर हैं। लेकिन इन दोनों दिग्गज को भारती एयरटेल के मालिक सुनील मित्तल ने पछाड़ दिया है।

सुनील मित्तल कमाई के मामले में नंबर वन

एयरटेल के मालिक सुनील मित्तल ने साल 2025 में कमाई के मामले में मुकेश अंबानी और गौतम अडानी जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। वो भारत में सबसे अधिक कमाई करने वाले व्यक्ति बन गए हैं। आपको बता दें, अब तक इन्होंने इस साल की शुरुआत से लेकर 4.20 अरब डॉलर कमाए हैं।

राधाकृष्ण दमानी 96वें नंबर पर हैं

सुनील मित्तल की नेटवर्थ बढ़कर 28.2 अरब डॉलर हो गई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक अरबपतियों के लिस्ट में शामिल सुनील मित्तल का 64वां नंबर है। जिसके कारण ये भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अरबपतियों में शामिल हो गए है। इस साल भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अरबपतियों में दूसरे नंबर पर राधाकृष्ण दमानी है। उनकी नेटवर्थ में इस साल 4.29 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इसके बाद उनकी नेटवर्थ 20.6 अरब डॉलर हो गई है। राधाकृष्ण दमानी 96वें नंबर पर हैं।

इस साल कितनी बढी अडानी-अंबानी की संपत्ति

साल 2025 की शुरुआत से लेकर अब तक मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 3.54 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। जिसके बाद उनकी नेटवर्थ 94.10 अरब डॉलर हो गई। वो दुनिया में 16वें नंबर पर हैं। गौतम अडानी के नेटवर्थ की बात करें तो इस साल की शुरुआत से लेकर अब तक उनकी संपत्ति में 900 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। जिसके बाद से उनकी नेटवर्थ 79.6 अरब डॉलर हो गई है।

सात दिनों की लगातार बढ़त के बाद बाजार गिरा सेंसेक्स 315 अंक फिसला, निफ्टी 24250 से नीचे

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में पिछले सात दिनों से जारी बढ़त गुरुवार को थम गई। आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल जैसी बड़ी कंपनियों में बिकवाली और एशियाई व यूरोपीय शेयर बाजारों में नरम रुख के कारण भी बाजार में गिरावट आई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 315.06 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरकर 79,801.43 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 391.94 अंक या 0.48 प्रतिशत गिरकर 79,724.55 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 82.25 अंक या 0.34 प्रतिशत गिरकर 24,246.70 अंक पर आ गया। पिछले सात कारोबारी दिनों में बीएसई बेंचमार्क सूचकांक 6,269.34 अंक या 8.48 प्रतिशत बढ़ा और निफ्टी 1,929.8 अंक या 8.61 प्रतिशत उछला।

अदाणी एनर्जी का मुनाफा 79% बढ़ा

गुरुवार को अदाणी एनर्जी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी ने इस दौरान अपने मुनाफे में 79% बढ़त के साथ 647 करोड़ होने की जानकारी दी। कंपनी का राजस्व 35% बढ़ा है।सेंसेक्स की कंपनियों में एफएमसीजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) में 4 प्रतिशत की गिरावट आई। कंपनी ने 31 मार्च 2025 को समाप्त चौथी तिमाही के दौरान अपना समेकित शुद्ध लाभ 3.35 प्रतिशत गिरकर 2,475 करोड़ रुपये रहने की जानकारी दी। भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और बजाज फाइनेंस भी पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। नेस्ले इंडिया लिमिटेड ने गुरुवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025 की मार्च तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ 6.5 प्रतिशत घटकर 873.46 करोड़ रुपये रह गया। इसका कारण एफएमसीजी उद्योग की ओर से खाद्य महंगाई और शहरी खपत में नरमी का सामना करना है। इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, टाइटन और एशियन पेंट्स के शेयरों में लाभ रहा। जानकारों के अनुसार, हाल की तेजी के बाद घरेलू बाजार में हल्की मुनाफावसूली देखी गई। इसी तरह, वैश्विक बाजारों में भी बिकवाली का दबाव देखा गया क्योंकि बाजार सहभागियों ने अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ विवादों के शीघ्र समाधान की संभावना को कम कर दिया। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, एफएमसीजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजे कमजोर रहे। ये जो कमजोर बिक्री और मार्जिन दबाव के कारण प्रभावित हुए। इसके कारण इस क्षेत्र का प्रदर्शन कमजोर रहा।एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि टोक्यो का निक्केई 225 और शंघाई एसएसई कंपोजिट सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोपीय बाजार में गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को अमेरिकी बाजारों में तेजी देखने को मिली। नैस्डैक कंपोजिट में 2.50 प्रतिशत, एसएंडपी 500 में 1.67 प्रतिशत और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.07 प्रतिशत की तेजी आई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.03 प्रतिशत गिरकर 66.10 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 3,332.93 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी। बुधवार को बीएसई का सूचकांक 520.90 अंक या 0.65 प्रतिशत उछलकर 80,116.49 अंक पर बंद हुआ था, जो 18 दिसंबर के बाद का उच्चतम बंद स्तर है।

सोना आज सस्ता होकर 96,075 पर आया

2 दिन पहले गोल्ड का भाव 1 लाख था, चांदी 1000 बढ़कर 97,616 प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। आज यानी 24 अप्रैल को सोने में गिरावट और चांदी में तेजी देखने को मिल रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 10 कम होकर 96,075 पर आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 96,085 थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 1,003 बढ़कर 97,616 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 96,613 प्रति किलो था। वहीं सोने ने 21 अप्रैल को 1 लाख का और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,340 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,240 रुपए है।

कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 90,050 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 98,240 रुपए है।

चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,240 रुपए है।

भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,240 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 90,050 रुपये है।

इस साल अब तक 19,913 रुपए महंगा हो चुका है सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 19,913 रुपए बढ़कर 96,075 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 11,599 रुपए बढ़कर 97,616 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

महुआ अब ब्रांडेड स्कॉच-व्हिस्की को देगी टक्कर

दुनियाभर में बिकेगी भारत की देसी शराब

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अगर आप भी शराब पीने के शौकीन हैं तो ये खबर आपके काम की साबित हो सकती है. दरअसल, भारत की पारंपरिक देशी शराबें महुआ और फेणी अब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहचान बनाने की ओर बढ़ रही हैं. जानकारों की मानें तो महुआ और फेनी की शराब अब विदेशी ब्रांडेड स्कॉच को टक्कर देंगी. कंफेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज (सीआईएबीसी) ने सरकार से इन पारंपरिक शराबों को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने और देशभर में शराब पर एक समान कर प्रणाली लागू करने की मांग की है.

ग्लोबल बाजार में देसी शराब की संभावना

सीआईएबीसी के चेयरमैन दीपक रॉय ने हाल ही में आयोजित एल्कोबेव इंडिया 2025 सम्मेलन में कहा कि महुआ और फेणी जैसी पारंपरिक भारतीय शराबों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता है. उन्होंने उदाहरण दिया कि जैसे टकीला, साके और सोजू को उनके देशों से वैश्विक पहचान मिली है, वैसे ही महुआ और फेणी को भी मिल सकती है. इससे न केवल भारतीय शराब उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि किसानों और कारीगरों को भी आर्थिक लाभ होगा.

इस चीज की है जरुरत

वर्तमान में भारत के विभिन्न राज्यों में शराब पर अलग-अलग कर दरें लागू हैं, जिससे उद्योग को संचालन में कठिनाई होती है. सीआईएबीसी का मानना है कि देशभर में एक समान कर प्रणाली लागू करने से उद्योग को स्थिरता मिलेगी और निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा. इसके अलावा, इससे सरकार को भी कर संग्रह में वृद्धि होगी.

निर्यात में भारत की स्थिति

वर्ष 2023-24 में भारत ने 2,200 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की शराब का निर्यात किया, जिससे वह वैश्विक शराब निर्यातकों में 40वें स्थान पर है. सीआईएबीसी का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में भारत इस सूची में शीर्ष 10 में शामिल हो. इसके लिए महुआ और फेणी जैसी पारंपरिक शराबों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेश करना महत्वपूर्ण होगा.

दिखने लगा है ट्रंप के टैरिफ का असर

जर्मनी से लेकर यूके और दक्षिण कोरिया तक मचा है हाहाकार

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया है। हालांकि 90 दिन के लिए इस पर रोक लगाई गई है लेकिन इसका असर अभी से दिखने लगा है। दुनिया के कई देशों में उत्पादन में गिरावट आनी शुरू हो चुकी है। परचेजिंग मैनेजर्स के सर्वे में पता चला है कि यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी और ब्रिटेन में प्राइवेट सेक्टर का उत्पादन कम हुआ है।

साउथ कोरिया में अप्रैल के पहले 20 दिनों में एक्सपोर्ट 5.2% कम हुआ है। आईएमएफ ने अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी समेत कई देशों के लिए इकनॉमिक ग्रोथ के अनुमान को कम कर दिया है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक एस&पी ग्लोबल और हैम्बर्ग कमर्शियल बैंक ने जर्मनी की कंपनियों का सर्वे किया। इसके मुताबिक टैरिफ की चिंता और अनिश्चितता से कारोबारियों का भरोसा और डिमांड कम हुई है। जर्मनी का परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स अप्रैल में 49.7 रहा जो मार्च में यह 51.3 था। पीएमआई मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर की गतिविधियों को ट्रैक करता है। अगर यह 50 से कम है, तो इसका मतलब है कि उत्पादन कम हो रहा है।

एक्सपोर्ट की भूमिका

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि जर्मनी में उत्पादन में यह गिरावट कई वजहों से हो सकती है। टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितता जैसे अंतरराष्ट्रीय कारणों के अलावा यह घरेलू आर्थिक कमजोरी को भी दिखाता है। इसका मतलब है कि सिर्फ टैक्स ही नहीं, बल्कि जर्मनी की अपनी अर्थव्यवस्था भी कमजोर है। आईएमएफ के मुताबिक इस साल जर्मनी की इकॉनमिक ग्रोथ जीरो रहने का अनुमान है। जर्मनी की इकॉनमी में एक्सपोर्ट की अहम भूमिका है। इसी तरह ब्रिटेन में एस&पी ग्लोबल ने कहा कि सर्वे में शामिल लोगों ने बताया कि अमेरिकी टैरिफ का बुरा असर पड़ा है। इससे ग्राहकों का भरोसा भी कम हुआ है। इस महीने देश का पीएमआई 48.2 रहा, जो नवंबर 2022 के बाद सबसे कम है। रिसर्च फर्म पैंथेन मैक्रोइकॉनॉमिक्स के चीफ यूके इकोनॉमिस्ट रॉब वुड ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के टैरिफ ने यूके की ग्रोथ को धीमा कर दिया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें मंदी नहीं दिख रही है।

ट्रंप के इंपोर्ट टैरिफ की वजह से ग्लोबल ट्रेड में गिरावट आ रही है। साउथ कोरिया की कस्टम्स सर्विस ने बताया कि अप्रैल के पहले 20 दिनों में एक्सपोर्ट 5.2% कम हुआ है। साउथ कोरिया की इकॉनमी में भी एक्सपोर्ट की अहम भूमिका है। आकांग ने कहा कि यह डेटा ट्रेड की दिशा बताने वाला एक अहम इंडिकेटर है।

सस्ती हुई अरहर की दाल, सरकार का ये फैसला कर गया कमाल

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अरहर की दाल बहुत से घरों में रोजाना पकाई जाती है, कुछ लोगों का तो यहां तक मानना है कि अगर थाली में अरहर की दाल न हो तो थाली पूरी नहीं होती. इस वजह से सरकार सबसे ज्यादा अरहर की दाल की कीमतों को नियंत्रित करने की कोशिश करती है और समय-समय पर सरकारी एजेंसियों के द्वारा किसानों से डायरेक्ट अरहर की दाल खरीदती रहती है. हाल ही में अरहर की दाम की कीमतों के बढ़ने की वजह से सरकार ने अरहर की नई फसल आते ही सरकारी एजेंसियों के द्वारा अरहर की दाल की खरीद दोबारा शुरू कर दी, जिस वजह से आने वाले दिनों में अरहर की दाल की कीमतों में गिरावट देखने को मिल सकती है.कृषि मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि सरकार ने मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत इस साल अब तक 3,92,000 टन तुअर (अरहर) की खरीद की है. योजना के तहत, अरहर की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जा रही है. मंत्रालय ने नौ राज्यों से 13.22 लाख टन अरहर की खरीद को मंजूरी दी है. सरकार का लक्ष्य कीमतों पर अंकुश लगाने के मकसद से खुले बाजार में जारी करने के लिए 10 लाख टन तुअर का बफर स्टॉक बनाए रखना है. मंत्रालय ने एक बयान में कहा, इस महीने की 22 तारीख तक इन राज्यों में कुल 3.92 लाख टन तुअर की खरीद की गई है, जिससे इन राज्यों के 2,56,517 किसान लाभान्वित हुए हैं.अरहर की खरीद सहकारी समितियों नैफेड और एनसीसीएफ के ई-समृद्धि पोर्टल पर पहले से पंजीकृत किसानों से भी की जाती है. मूल्य समर्थन योजना तब लागू होती है जब कुछ कृषि वस्तुओं के बाजार मूल्य एमएसपी से नीचे गिर जाते हैं. वर्ष 2025 के बजट में, सरकार ने दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए वर्ष 2028-29 तक केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से राज्य उत्पादन के सापेक्ष अरहर, मसूर और उड़द की 100 प्रतिशत खरीद करने की प्रतिबद्धता जताई है. हाल के वर्षों में घरेलू उत्पादन में वृद्धि के बावजूद, भारत घरेलू दलहन आपूर्ति में कमी को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है।

कोयला खनन में तेजी लाने के लिए बड़ा कदम

अग्रिम भुगतान माफ, छूट की भी पेशकश

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भूमिगत कोयला ब्लॉकों के परिचालन में तेजी लाने के लिए सरकार ने गुरुवार को अग्रिम भुगतान माफ करने जैसे नए प्रोत्साहनों की घोषणा की। भूमिगत कोयला खनन को बढ़ावा देने से जुड़ा यह कदम देश के टिकाऊ कोयला उत्पादन अभियान के तहत उठाया गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, भारत के कोयला क्षेत्र को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाते हुए, कोयला मंत्रालय ने भूमिगत कोयला खनन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई परिवर्तनकारी नीतिगत उपाय शुरू किए हैं। ये सुधार उच्च पूंजी निवेश और लंबी निर्माण अवधि की चुनौतियों का समाधान करते हैं। बयान में कहा गया है, भूमिगत कोयला खदानों के लिए राजस्व हिस्सेदारी का न्यूनतम प्रतिशत चार प्रतिशत से घटाकर दो प्रतिशत कर दिया गया है। इस लक्षित कटौती से पर्याप्त राजकोषीय राहत मिलेगी और भूमिगत परियोजनाओं की वित्तीय व्यवहार्यता बढ़ेगी। भूमिगत खनन उपक्रमों के लिए अनिवार्य अग्रिम भुगतान की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। यह उपाय वित्तीय अवरोध को दूर करता है, निजी क्षेत्र से व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है और परियोजना के तेजी से क्रियान्वयन की सुविधा प्रदान करता है। इन प्रोत्साहनों को भूमिगत कोयला ब्लॉकों के लिए प्रदर्शन सुरक्षा पर मौजूदा 50 प्रतिशत छूट द्वारा और अधिक संपूरित किया गया है। इससे सामूहिक रूप से प्रवेश सीमा कम हो गई है और परियोजना का सुचारू कार्यान्वयन संभव हो गया है। भूमिगत कोयला खनन अधिक पर्यावरण अनुकूल है, क्योंकि यह ओपनकास्ट खनन की तुलना में सतह पर काफी कम व्यवधान पैदा करता है। सरकार की नीतिगत उपायों से उन्नत तकनीकों को अपनाने को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

पहलगाम हमले में घायलों का रिलायंस के अस्पताल में होगा मुफ्त इलाज, अटैक पर मुकेश अंबानी ने कही ये बात

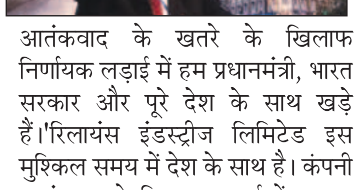

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले से पूरा देश दुखी है। इस हमले में कई निर्दोष भारतीय मारे गए। रिलायंस परिवार ने इस घटना पर गहरा शोक जताया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की है। रिलायंस फाउंडेशन का सर एच. एन. अस्पताल घायलों का मुफ्त इलाज करेगा। मुकेश अंबानी ने आतंकवाद मानवता का दुश्मन करार दयिा है। उन्होंने कहा, 'आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। इसका किसी भी तरह से और किसी भी व्यक्ति की ओर से समर्थन नहीं किया जाना चाहिए। आतंकवाद के खतरे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में हम प्रधानमंत्री, भारत सरकार और पूरे देश के साथ खड़े हैं।'रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड इस मुश्किल समय में देश के साथ है। कंपनी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सरकार को पूरा समर्थन देगी। रिलायंस फाउंडेशन घायलों को बेहतर इलाज देने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ने यह भी कहा कि वह पीड़ित परिवारों के साथ है। उन्हें हर संभव मदद करेगी। रिलायंस का मानना है कि आतंकवाद को जड़ से खत्म करना जरूरी है।पहलगाम आतंकी हमले की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक निंदा हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने की कसम खाई है। भारत सरकार ने कश्मीर घाटी में सुरक्षा कड़ी करने, सिंधु जल संधि को निलंबित करने और पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के लिए कहकर कई कदम उठाए हैं। इस हमले में पर्यटकों को निशाना बनाया गया था। इस हमले में भारतीय नौसेना के एक नवविवाहित अधिकारी समेत 26 लोगों की जान गई थी। इनमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल थे। इसके बाद भारत और पाकिसतान के बीच तनाव बढ़ गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय - 05-57 | सूर्यास्त - 18-31
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष मे	मेष---	05-20 बजे
चंद्र-	मीन मे	वृष---	07-04 बजे
मंगल	कर्क मे	मिथुन..	09-05 बजे
बुध-	मीन मे	कर्क---	11-17 बजे
गुरु-	वृष मे	सिंह---	13-29 बजे
शुक्र-	मीन मे	कन्या--	15-36 बजे
शनि-	मीन मे	तुला----	17-41 बजे
राहु-	मीन मे	वृश्चिक--	19-52 बजे
केतु-	कन्या मे	धनु......	22-06 बजे
		मकर...	00-11 बजे
		कुंभ....	02-01 बजे
		मीन....	03-40 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी 11-44 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - वैशाख कृष्ण , शुक्रवार 25 April
नक्षत्र - पूर्वाभाद्रपद 08:53 तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - इन्द्र 12-30 तक उप वैधृति
करण- तैतिल 11-44 तक उप गर
विशेष:- प्रदोष व्रत
व्रत -त्योहार - श्री सेन ज.७२५ वी

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:39 से 12:14 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल.	05:57 - 07:30	शुभ	रोग.	18:31 - 19:59	अशुभ
लाभ	07:30 - 09:04	शुभ	काल	19:59 - 21:24	अशुभ
अमृत	09:04 - 10:39	शुभ	लाभ	21:24 - 22:49	शुभ
काल.	10:39 - 12:14	अशुभ	उत्पात	22:49 - 00:14	अशुभ
शुभ.	12:14 - 13:49	शुभ	शुभ.	00:14 - 01:39	शुभ
रोग	13:49 - 15:24	अशुभ	अमृत.	01:39 - 03:04	शुभ
उत्पात	15:24 - 16:59	अशुभ	चंचल.	03:04 - 04:29	शुभ
चंचल	16:59 - 18:31	शुभ	रोग	04:29 - 05:51	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें । अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें ।निवेश के लिए अच्छा दिन है । अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेष्ण करें । यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है । अपने माता – पिता,बहन- भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं । अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें । अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आप व्यवसायिक या निजी कारणों से यात्रा कर सकते हैं । हालाँकि इस समय आपके लिए यात्रा करना मुश्किल होगा लेकिन आप कर पायेंगे और इससे आपको लाभ भी होगा । जो लोग पहले आपकी उदारता को नही समझते थे ,अब उन्हें भी इसकी कीमत समझ आएगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आप अन्दर से डरे हुए से हैं । यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है। इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं । ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी । अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है । निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए । आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज के दिन आपका भाग्य आपके साथ है । आज आप ऐसा भी कुछ कर सकते हैं जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी ना हो ।आपके सभी प्रयासों में भाग्य आपका साथ देगा ।आपको पता है कि मेहनत से ही सफलता मिलती है । अभी तक आपका भाग्य आपके साथ नही था ,लेकिन आज आप अपने समर्पण की बदौलत कुछ भी हासिल कर पायेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। कोई आज आपको यह समझा पायेगा।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

गैंगस्टर अमन साहू एनकाउंटर की अब सीआईडी जांच

पलामू में दर्ज एफआईआर को किया टेकओवर, हाईकोर्ट में मां ने दर्ज कराई है शिकायत

रांची, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। गैंगस्टर अमन साहू के एनकाउंटर की अब सीआईडी जांच होगी। जांच की कार्रवाई शुरू हो चुकी है। सीआईडी ने चैनपुर थाने में तत्कालीन एटीएस के इंस्पेक्टर प्रमोद सिंह के बयान पर दर्ज प्राथमिकी को टेकओवर करते हुए सीआईडी थाने में नया केस दर्ज किया है। अनुसंधान शुरू कर दिया है। सीआईडी ने चैनपुर थाने में दर्ज केस की फाइल, संबंधित दस्तावेज को भी ले लिया है। गैंगस्टर अमन साहू को रांची के एक केस में झारखंड एटीएस की टीम छत्तीसगढ़ के रायपुर जेल से ट्रांजिट रिमांड पर लेकर लौट रही थी।

11 मार्च की सुबह पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र में अमन साहू ने पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की थी और पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया था। इधर अमन साहू की मां ने झारखंड

हाईकोर्ट में शिकायत दर्ज की है। हालांकि अभी इस पर सुनवाई नहीं हुई है।

झारखंड के बड़े गैंगस्टर्स में शामिल अमन साहू का 11 मार्च को पलामू के अन्हारी ढ़ोढ़ा घाटी में एनकाउंटर हुआ था। उसे रायपुर जेल से झारखंड पुलिस की रिमांड में रांची लाया जा रहा था। एनकाउंटर को लेकर पलामू एसपी रिष्मा रमेशन ने बताया था कि, 'अमन साहू को रांची के एक मामले में एटीएस की टीम रायपुर जेल से ला रही थी। जैसे ही स्कॉर्पियो चैनपुर-रामगढ़ रोड के अन्हारी ढ़ोढ़ा घाटी पहुंची। अमन साहू के साथियों ने, उसे छुड़ाने के लिए स्कॉर्पियो पर बम फेंका।' घटना सुबह 9.15 बजे की है। एसपी रिष्मा रमेशन ने बताया कि, 'बमबाजी के बाद अमन साहू ने हवलदार राकेश कुमार के हाथ से राइफल छीनकर फायरिंग की कोशिश की। तभी जवाबी कार्रवाई में उसे मार गिराया गया। अमन साहू झारखंड पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती था। उसके गिरोह के निशाने पर कोयला कारोबारी, ट्रांसपोर्टर, ठेकेदार, रियल एस्टेट कारोबारी और बिल्डर थे। अमन इनसे लगातार रंगदारी वसूल रहा था। बात नहीं मानने वालों पर खुलेआम गोलियां भी चलवाता था। इसके बाद गैंग के गुर्गे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर और वर्चुअल नंबर से मीडिया को जानकारी भी देते थे कि घटना को उनके ही गिरोह ने अंजाम दिया है।

पिकअप-ट्रक की टक्कर दो महिलाओं की मौत

हादसे में 6 से ज्यादा घायल लाइट से चकमा खाने से खड़े ट्रक से टकराई गाड़ी

हजारीबाग, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। हजारीबाग में गुरुवार तड़के सड़क हादसे में पिकअप वैन सवार दो महिलाओं की मौत हो गई। हादसा दारू थाना क्षेत्र के पिपचो के पास 10 चक्का ट्रक की टक्कर से हुई। पिकअप वैन का ड्राइवर किसी गाड़ी की हेडलाइट से चकमा खा गया और तेज रफ्तार गाड़ी खड़े ट्रक में घुसा दी। इस घटना 6 से अधिक लोग जख्मी हुए हैं। मृतकों की पहचान मनी कुमारी और ललिता कुमारी के रूप में की गई है। पिकअप वैन पर मजदूर सवार थे और हजारीबाग में ढलाई का काम पूरा कर देर रात वापस घर जा रहे थे।

इसी दौरान यह हादसा हुआ। सभी घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना तब हुई जब मजदूरों से भरी पिकअप वैन हजारीबाग से विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र की ओर जा रही थी।

मैरिज एनिवर्सिरी मनाने के लिए घर पर लगा था टेंट

पहलगाम से आया शव, पत्नी बोली- जेठ जी, भाई बीच सफर में चला गया

रायपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू के पहलगाम में आतंकी हमले में गोली लगने के बाद रायपुर के दिनेश मिरानिया की मौत हो गई। गुरुवार को रायपुर में नम आंखों से विदाई दी गई। दिनेश मिरानिया जो कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के समता कॉलोनी में रहते थे, अग्रवाल समाज से आते थे। सीएम विष्णुदेव साय और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में वह पंच तत्व में विलीन हो गए। वह जम्मू कश्मीर में मैरिज एनिवर्सिरी मनाने गए थे। घर के बाहर लगे टेंट में उनका पार्थिव शरीर पहुंचा है।

पत्नी और दो बच्चों के साथ दिनेश एक बेहतर पारिवारिक जीवन जी रहे थे। व्यापार की भागदौड़ भरे जीवन के बीच दिनेश परिवार के साथ साल में कई बार खुशी बांटने के लिए इसी तरह की जगहों पर घूमने जाते थे। मगर कभी उन्होंने नहीं सोचा था कि आतंकवादियों की गोलियों से मौत को गले लगाना पड़ेगा।

शादी की सालगिरह मनाने गए थे कश्मीर

शादी की सालगिरह मनाने परिवार के साथ जम्मू के पहलगाम में सभी पहुंचे थे, जहां एक साथ इस पल को जीते हुए खुशियां बांट रहे थे। उस वक्त खुशियां मानों गम में तब्दील हो गई, जब वह आतंकियों की गोलियों से पहले वह घायल हो गए।

वहीं, जैसे ही दिनेश के आतंकी हमले में घायल होने की खबर लगी घर पर परिवार के लोगों की भीड़ जमा हो गई। थोड़ी देर बाद मौत की खबर आई। दिनेश मिरानिया का परिवार तो आया लेकर उनका शरीर ताबूत में पहुंचा। घर पर मौजूद लोगों की आंखें नम थी। पत्नी बार-बार दिनेश का नाम लेकर बिलख रही थी। जोर जोर से चीखती थी लेकिन आवाज नहीं आती।

बताया जा रहा है कि जब दिनेश परिवार साथ वापस आते तो रायपुर में भी मैरिज एनिवर्सरी की खुशियां मनाई जानी थी। उस वक्त भी घर को अन्य सदस्यों के साथ पार्टी का विचार था, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

दिनेश का पार्थिव शरीर रात 9 बजकर 40 मिनट पर रायपुर पहुंचा। उनके साथ उनकी पत्नी नेहा अग्रवाल उनका बेटा शौर्य मिरानिया और उनकी बेटी थी। परिवार के लोग भी उम्मीद के साथ आए थे, जिन्हे मौत की खबर भी नहीं थी, वह महिलाएं एम्बुलेंस को देखकर चीख उठी थी, कोई बेटा तो कोई भाई।

घर पहुंचने पर दिनेश मिरानिया के बड़े भाई मौजूद थे। उन्हें देखते ही दिनेश की पत्नी रोने लगीं और कहने लगी कि जेठजी, आपका भाई बीच सफर में चला गया। इस दौरान वहां का पूरा माहौल गमगीन हो गया।

24 अप्रैल की सुबह 10 बजे दिनेश मिरानिया को अंतिम विदाई दी गई। इस अंतिम यात्रा में परिवार के लोग शहर के लोग जन प्रतिनिधि, मुख्यमंत्री साय भी मौजूद रहे, जहां दिनेश मिरानिया को नम आंखों से अंतिम विदाई देते हुए शरीर को पंचतत्व में विलीन किया किया गया।

आजकल कलमा सीख रहा हूं, पता नहीं कब जरूरत पड़े

पहलगाम आतंकी हमले के बाद निशिकांत दुबे के बयान ने मचाई सनसनी

गोड्डा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में गोड्डा के भारतीय जनता पार्टी सांसद निशिकांत दुबे इन दिनों लगातार विवादों से घिरे हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई के खिलाफ दिए गए बयान पर उनके खिलाफ अवमानना का मामला चल रहा है।

हालांकि इसके बाद भी वे रुके नहीं हैं। वो लगातार विभिन्न मुद्दों पर अपने सोशल मीडिया एकाउंट 'एक्स' पर अपनी बात बेबाकी से रख रहे हैं। इस पर कई लोग अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

'कलमा' सीख रहा हूं, पता नहीं कब जरूरत पड़े-निशिकांत

सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा- 'अशहदु अल्लाह इल्लल्लाह इल्लल्लाहु वह दहु ला शरी-क लहू व अशहदु अन्न मुहम्मदन अब्दुहु व रसूलहु।' उन्होंने आगे लिखा- 'आजकल कलमा सीख रहा हूँ, पता नहीं कब जरूरत पड़े।'

भाजपा सांसद ने कहा- 'सांप को पानी पिलाने वाले समझौते के नायक नेहरू जी जिन्होंने 1960 में नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के चक्कर में सिंधु, रावी, व्यास, चिनाब और सतलुज का हमारा पानी पिलाकर हिंदुस्तानी का खून बहाया, आज मोदी जी दाना पानी बंद कर दिया।

बिना पानी के पाकिस्तानी मरेंगे यह है 56 इंच का सीना। हुक्का, पानी, दाना पानी बंद, हम सनातनी भाजपा के कार्यकर्ता हैं, तड़पा-तड़पा के मारेंगे।'

इससे पहले निशिकांत दुबे ने ट्वीट कर कहा- 'दुख की इस घड़ी में भी गांधी परिवार को मुसलमान दिखता है, कांग्रेस के इसी मानसिकता ने आज देश में नफरत का पौधा अंकुरित कर दिया है।

भारत सनातन धर्म के कारण ही कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक है। भारत प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मजबूत और कामयाब है और होगा ही, आतंकवादी और उनके संरक्षक मारे जाएंगे। भारत के बाहर बैठे दुश्मन और मुसलमानों को भड़काने वाले देश के अंतर से दुश्मन नेस्तनाबूद होंगे।'

सीआईएसएफ हेड कॉन्स्टेबल की बंगाल में हत्या

बोकारो के फुसरो में थी पोस्टिंग जामताड़ा घर बनाने पहुंचे थे, सिर पर मिले गोली के निशान

जामताड़ा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। बोकारो के फुसरो में तैनात सीआईएसएफ के हेड कॉन्स्टेबल सुनील पासवान (45) की पश्चिम बंगाल में हत्या कर दी गई है। जामताड़ा जिले के मिहिजाम थाना क्षेत्र के बढ़ाईपाड़ा के रहने वाले सुनील का शव उनके घर से करीब 4 किलोमीटर दूर मिला। एसपी कुलटी जावेद हसन ने बताया कि शव पश्चिम बंगाल सीमा के पास अम्बेडकरनगर और डोमदहा के बीच बरामद हुआ। मृतक के सिर पर गोली का निशान था। घटना बीती रात की है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की। पुलिस जांच में सामने आया कि सुनील ने डोमदहा स्थित एक दुकान से चिकन खरीदा था। इसी दौरान 4-5 लोगों ने डोमदहा सड़क से करीब 1 किलोमीटर अंदर सुनसान जगह पर पार्टी की। जिस जगह पर घटना हुई, वह जमीन सुनील ने हाल ही में खरीदी थी। सुनील छुट्टी पर घर आए थे और जमीन पर निर्माण कार्य भी शुरू करवाया था।

बैंककर्मी से तांत्रिक बोला- करोड़पति बना दूंगा

जमीन से सोने का हंडा निकालने का झांसा देकर 14 लाख ऐंठे, निकली सिर्फ मिट्टी

कोरबा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में खुद को तांत्रिक बताने वाले जालसाज ने सूरजपुर के एक बैंक कर्मचारी को करोड़पति बनाने का झांसा देकर उससे 14 लाख रुपए ठग लिए। उसने बैंक कर्मचारी से कहा कि, वह उसकी जमीन से हंडा (गड़ा धन) निकाल सकता है और तंत्र-मंत्र से वो "सोने का हंडा" बन जाएगा। लेकिन जब हंडा निकाला गया, तो उसमें से सिर्फ मिट्टी निकली।

ये घटना साल 2022 की है। पीड़ित की शिकायत के बाद से आरोपी अब तक फरार था। 2 साल की तलाश के बाद सूरजपुर पुलिस ने इस ठग को कोरबा जिले के नकटीखार से गिरफ्तार कर लिया।

सूरजपुर जिले के रमकोला के ग्राम खोड़ निवासी अभिषेक प्रताप सिंह पेशे से एक बैंक कर्मचारी हैं। जून 2022 में उनकी मुलाकात बैंक में ही विमल सिंह ठाकुर नाम के एक व्यक्ति से हुई। विमल ने उन्हें बताया कि कोरबा जिले के नकटीखार का रहने वाला एक 'तांत्रिक' नरेश पटेल विशेष तंत्र

विद्या जानता है। वो जमीन से गड़ा हुआ धन (हंडा) निकालकर उसे सोने में बदल सकता है।

अभिषेक जल्द अमीर बनने की लालच में विमल के इस जाल में फंस गया और तंत्र-मंत्र कराने के लिए, तैयार हो गया। इसके बाद विमल, नरेश और अपने एक और साथी मनोज कुमार के साथ सूरजपुर पहुंचा। यहां नरेश ने अभिषेक के घर में तंत्र-मंत्र की बात कही। नरेश ने अभिषेक के घर में तंत्र-मंत्र किया और जमीन से एक हंडा (मिट्टी का घड़ा) निकाला। फिर उसने कहा, जमीन से निकले इस हंडा को एक कमरे में बंद कर देगा। इस दौरान एक विशेष पूजा होगी, जिसके जरिए यह हंडा सोना में बदल जाएगा।

उस जालसाज ने इस तांत्रिक क्रियाओं के नाम पर अभिषेक से कुल 14 लाख रुपए वसूल लिए गए। अभिषेक को हफ्तों इंतजार कराया, कहा कि प्रक्रिया के बीच हंडा नहीं खोला जा सकता। ठगी का एहसास होते ही अभिषेक ने रमकोला थाने में शिकायत दर्ज करवाई।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन मुख्य आरोपी नरेश पटेल फरार हो गया था।

झारखंड में स्कूलों का बदला गया समय

बढ़ती गर्मी की वजह से लिया फैसला, सभी विद्यालयों में 26 से नया समय होगा लागू

रांची, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। बढ़ती गर्मी को देखते हुए झारखंड के स्कूलों का समय बदल दिया गया है। केजी से क्लास 8 तक के बच्चों की कक्षाएं सुबह 7 बजे से 11:30 बजे तक चलेंगी। वहीं, क्लास 9 से 12 तक की कक्षाएं सुबह 7 बजे से 12 बजे तक चलेंगी। यह समय झारखंड के सभी कोटि के सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त/गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) और सभी प्राइवेट स्कूलों में अगले आदेश तक 26 अप्रैल से लागू किया जाएगा। दरअसल, राजधानी रांची सहित लगभग पूरा राज्य भीषण गर्मी की चपेट में आ गया है। चिलचिलाती धूप के बीच स्कूली बच्चों को घर आना पड़ता है। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले तीन दिनों तक हीट वेव चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम केंद्र की ओर से बताया गया है कि 24 और 25 अप्रैल को राज्य के दक्षिणी क्षेत्र और उत्तर पूर्वी क्षेत्र में हीट वेव चलने की बात कही है।

रायपुर, बिलासपुर में तेज गर्मी, लू का अलर्ट

3 दिन ऐसा ही मौसम, दुर्ग सहित कई जिलों में 42 से 44 डिग्री रहेगा पारा

रायपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में तेज गर्मी पड़ रही है। रायपुर, बिलासपुर में इसका असर ज्यादा है। मध्य छत्तीसगढ़ और उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में लू का यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक 3 दिनों तक दिन के तापमान में विशेष बदलाव होने के आसार नहीं है। रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में पारा 42 से 44 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है।

बिलासपुर बुधवार को प्रदेश में सबसे गर्म रहा। यहां दिन का पारा 43.8 डिग्री रहा। मौसम विभाग ने लोगों को तेज धूप से बचाव के साथ ही घरों से बाहर निकलने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार रायपुर में आज दिन का तापमान 44 डिग्री और रात का तापमान 28 डिग्री के आसपास रहेगा। बुधवार को पारा 43.2 डिग्री रहा जो सामान्य से 2.8 डिग्री ज्यादा रहा। वहीं रात का तापमान 27.8 डिग्री दर्ज किया गया, जो औसत से 2.3 डिग्री ज्यादा है।

माना एयरपोर्ट इलाके में भी अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री और रात का तापमान 27 डिग्री रहा।। तेज गर्मी के चलते राजधानी के लोग परेशान हैं। वहीं शाम के वक्त भी गर्म हवाएं चलती रही।

बुधवार को बिलासपुर में सबसे गर्म रहा। यहां दिन का तापमान 43.8 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा है। रात का तापमान 25.8 डिग्री रहा जो औसत से 0.6 डिग्री ज्यादा है। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार सरगुजा संभाग के जिलों में दिन का पारा 40 डिग्री के पार बना हुआ है। वहीं संभाग के एक दो जिलों में लू चलने की संभावना है। बुधवार को अंबिकापुर में दिन का तापमान 40.6 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से 2.5 डिग्री ज्यादा रहा। जबकि न्यूनतम तापमान 20.7 डिग्री दर्ज किया गया।

मनीष रंजन की हत्या के पीछे क्या है असली सच?

पार्थिव शरीर रांची पहुंचते ही पत्नी-बच्चे बेसुध

रांची, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए आईबी अधिकारी मनीष रंजन का पार्थिव शरीर आज सुबह रांची पहुंचा। मनीष रंजन पार्थिव शरीर रांची एयरपोर्ट पहुंचते ही सभी की आंखें नम हो गई। एयरपोर्ट से पार्थिव शरीर को झालदा स्थित उनके पैतृक गांव ले जाया गया, जहां अंत्येष्टि की जाएगी।

पहलगाम में शहीद हुए आईबी अधिकारी मनीष रंजन का अंतिम संस्कार पश्चिम बंगाल के झालदा में होगा। कश्मीर से उनके पार्थिव शरीर को रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट लाया गया। जहां से उनके पार्थिव शरीर को सड़क मार्ग से झालदा के लिए रवाना किया गया। इस दौरान उनका पूरा परिवार भी मौजूद रहा। उनकी पत्नी और बच्चे बेसुध पड़े रहे। एयरपोर्ट पर पूरा माहौल गमगीन रहा। लोगों में इस आतंकी हमले को लेकर खासा आक्रोश है और लोग जवाबी कार्रवाई की मांग भी कर रहे हैं।

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर आईबी अधिकारी मनीष रंजन के पार्थिव शरीर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी समेत भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान बाबूलाल मरांडी ने उनके परिवार से मुलाकात की और उनको ढाढस बंधाया। उन्होंने कहा कि जल्द आतंकियों को मार गिराया जाएगा।

आईबी अधिकारी मनीष रंजन के शव को लेने के लिए उनके भाई समेत परिवार के कई सदस्य और गांव के लोग रांची पहुंचे थे। मूल रूप से बिहार के सासाराम के रहने वाले मनीष रंजन का पूरा परिवार इन दिनों पश्चिम बंगाल के झालदा में रह रहा है। एयरपोर्ट पर मनीष रंजन के दोस्तों ने बताया कि वो एक अच्छे क्रिकेट खिलाड़ी भी थे काफी मिलनसार थे। उन्होंने बताया कि मनीष को घूमने का काफी खुश था, इसी कारण वो पहलगाम गए थे। वो पिता के साथ दर्शन करने के लिए जाने वाले थे। लेकिन उससे पहले यह हादसा हो गया।

मनीष रंजन पांच साल रांची के आईबी यूनिट में भी कार्यरत रहे थे। रांची में साल 2017 से 22 तक वो बतौर सेक्शन अफसर तैनात थे। इसके बाद उनकी पोस्टिंग हैदराबाद आईबी में हुई थी। मनीष के पिता पश्चिम बंगाल में शिक्षक है, इसलिए पूरा परिवार झालदा में रहता है। मनीष रंजन की पत्नी की नौकरी रांची में पोस्टिंग के दौरान ही बिहार में शिक्षिका के तौर पर हो गई थी, तब उन्होंने बिहार में पोस्टिंग की गुजारिश की थी, लेकिन तबादला हैदराबाद होने के कारण उनकी पत्नी ने नौकरी से इस्तीफा दे दिया था।

मनीष रंजन के दोस्तों के मुताबिक कश्मीर जाने के बाद वहां उनके साथी श्रीभूषण ने उन्हें रिसीव किया था। तब मनीष की पत्नी ने कहा था कि यहां आकर अजीब लग रहा है।

सड़क हादसे में होने वाली साली संग युवक की मौत

आज जानी थी बारात शादी की खुशियां मातम में बदली

देवघर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। देवघर में बुधवार की देर रात सड़क हादसे में युवक-युवती की मौत हो गई। दोनों बाइक से घूम रहे थे। इसी दौरान ट्रक की टक्कर से दोनों की जान चली गई। युवक की 25 अप्रैल को शादी होनी थी। मृतकों की पहचान मधुपुर निवासी हेमलाल मुर्मू (22) और अन्नू टुडू उर्फ गुड़ी टुडू (19) के रूप में की गई। हेमलाल मधुपुर के लालपुर का रहने वाला था। अन्नू मधुपुर गांव की रहने वाली थी। इधर, इस घटना के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक हेमलाल मुर्मू की बहन पुदीना मुर्मू ने बताया कि रात में अन्नू टुडू का भइया के पास कॉल आया और उसे एक शादी समारोह

में बुलाया। हेमलाल उसके पास अपनी बाइक से पहुंचा। लड़की को बाइक पर बैठा वापस घर लौट रहा था कि रास्ते में दोनों ट्रक की चपेट में आ गए। हादसे में अन्नू की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि हेमलाल गंभीर रूप से जख्मी हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे गंभीर हालत में सदर अस्पताल ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।

ढाई लाख कर्ज नहीं चुकाया, दी 5 लाख की सुपारी

डोंगरगढ़ में झूठे केस में फंसाने की धमकी पर हत्या, जशपुर में बेटी ने पिता को मार डाला

खैरागढ़, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में हत्या की दो घटनाएं सामने आई हैं। डोंगरगढ़ में दोस्त को ढाई लाख रुपये दिए उधार की वसूली के लिए ठेकेदार ने उसकी हत्या के लिए 5 से 6 लाख की सुपारी दे दी। आरोपी जब भी अपनी उधार दी रकम की मांग करता तो उसका दोस्त उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी देता था। तो वहीं जशपुर में एक 15 वर्षीय नाबालिग ने अपने पिता की हत्या कर दी। नाबालिग अपने पिता के रोज शराब पीकर झगड़ा करने से परेशान थी। पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों को पकड़ लिया है।

डोंगरगढ़ के करवारी रोड पर खून से लथपथ एक शव मिला। ग्रामीणों ने रात में सड़क पर खून से सना शव देखा तो डोंगरगढ़ थाना की पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त की तो उसकी पहचान कन्हारगांव निवासी देवलाल मंडावी के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो पता चला कि देवलाल ग्राम करवारी निवासी योगेश चौरे के साथ स्कूटी से जाते दिखा। संदेह के आधार पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो इस हत्याकांड में महेन्द्र नेताम और ओमकार मंडावी का नाम भी सामने आया है।

पुलिस ने तीनों संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उन्होंने जुर्म कबूल कर लिया और साजिश को पूरी कहानी सामने आ गई। पुलिस ने बताया कि इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी ओमकार मंडावी है, जो पेशे से ईंट भट्ठा ठेकेदार है और मृतक देवलाल मंडावी का पुराना दोस्त है। देवलाल ने ओमकार से सात साल पहले ढाई लाख रुपये उधार लिए थे। कुछ समय बाद जब वो उधार की रकम की मांग की तो देवलाल उससे झगड़ता, यहां तक कि झूठे केस में फंसाने की धमकी भी देता।

हत्या के एक सप्ताह पहले भी गांव में देवलाल ने ओमकार को फर्जी केस में फंसा देने की धमकी दी थी। ओमकार आए दिन देवलाल की धमकियों से परेशान हो गया था। ओमकार ने देवलाल को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। उसने यह बात अपने करवारी निवासी भांजे महेंद्र नेताम से बताई। महेन्द्र ने अपने दोस्त योगेश चौरे को हत्या के लिए तैयार किया। उसने कहा, देवलाल को जान से मारना है, मेरे मामा को बहुत परेशान कर रहा है। इसके बाद तीनों ने मिलकर देवलाल की हत्या की प्लानिंग की। ओमकार ने कहा, देवलाल को मारना है, जितना खर्चा लगेगा मैं दूंगा। तब योगेश बोला, इस काम के लिए 5-6 लाख रुपए लगेंगे तो ओमकार तैयार हो गया।

प्लान के तहत देवलाल को बाइक के बहाने घर से बुलवाया। फिर उसे शराब पिलाई गई। 20 अप्रैल की रात, जब वह नशे में अकेले करवारी रोड की ओर गया, तभी महेन्द्र और योगेश ने उसका पीछा किया और सागौन की मोटी लकड़ी से सिर और चेहरे पर वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद दोनों फरार हो गए।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल्स और सबूतों के जरिए तीनों आरोपियों को धर दबोचा। पूछताछ में उन्होंने जुर्म कबूल कर लिया। छत्तीसगढ़ के जशपुर में एक 15 वर्षीय नाबालिग ने अपने पिता की हत्या कर दी। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मामले को सुलझा लिया।

सरकारी अधिकारी ने 14 लाख का फ्रॉड किया

नौकरी के नाम पर 3 लाख में डील होती थी 4 साल में 12 लोग फंसे, एफआईआर दर्ज

बालोद, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक सरकारी अधिकारी ने 14 लाख का फ्रॉड किया है। लोहारा जनपद में पदस्थ करारोपण अधिकारी सूर्यप्रकाश द्विवेदी ने पिछले 4 साल में 12 लोगों को नौकरी का झांसा दिया और उनसे लाखों रुपए ऐंठे।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी अधिकारी पहले गुंडरदेही जनपद में पदस्थ था। उसने वहां लोगों को बताया कि प्रदेश में 70 नए जनपद पंचायत खुलने वाले हैं। इन पंचायतों में कर्मचारियों की भर्ती होगी। इस झांसे में आकर कई लोगों ने उसे पैसे दे दिए। शिकायत के बाद आरोपी पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। दरअसल, सूर्यप्रकाश द्विवेदी ने पीड़ितों से कहा कि प्रदेश में 70 नए जनपद पंचायत खुल रहे हैं और सभी जगहों पर कंप्यूटर ऑपरेटर से लेकर कई अन्य पदों पर भर्तियां होंगी जिसके बाद उसका यह जाल फैलता गया और लोग फंसते गए। ज्यादातर डील 3 लाख रुपए में हुई थी।

कुछ पूरा पैसे दे गए और कुछ लोगों से एडवांस लिया गया। कोंग्राम कुथरेल निवासी गणेश राम साहू ने बताया कि अब हम ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं नया जनपद तो खुला ही नहीं। गणेश राम साहू ने बताया कि नौकरी पाने के लिए 9 अक्टूबर 2021 को मैंने जनपद के पास पैसा दिया था। इस दौरान गांव का एक बुजुर्ग भी मेरे साथ था, उन्होंने बताया कि उनकी 2 बेटी और एक बेटे को नौकरी लगाने की बात कही थी तीनों के नाम से उसने पैसा दिया है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस का भारत दौरा पूरा

जयपुर से वॉशिंगटन के लिए रवाना हुए, कल ताजमहल का दौरा किया था

वॉशिंगटन, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपना भारत दौरा पूरा करने के बाद वॉशिगंटन के लिए रवाना हो गए हैं। वेंस 21 अप्रैल यानी सोमवार को 4 दिन की भारत यात्रा पर पहुंचे थे। जेडी वेंस के साथ उनकी पत्नी उषा और तीनों बच्चों- इवान, विवेक और मिराबेल भी भारत आए थे।

सोमवार को दिल्ली में लैंड होने के बाद वेंस ने अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद शाम को पीएम मोदी से मुलाकात की। वेंस सोमवार रात को ही दिल्ली से जयपुर के लिए रवाना हो गए थे। इसके बाद उन्होंने मंगलवार को जयपुर में आमेर का किला देखा।

बुधवार को अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने आगरा के ताजमहल का दौरा किया। इसके बाद वापस जयपुर लौटें, जहां से आज सुबह वॉशिंगटन के लिए रवाना हुए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस ने आगरा में ताजमहल देखा। पत्नी उषा, बेटों विवेक, इवान और बेटी मिराबेल के साथ डायना बेंच पर बैठकर फोटो खिंचवाईं। वेंस बेटी को गोद में लेकर ताजमहल परिसर में घूमे। वेंस के तीनों बच्चे भारतीय रंग में नजर आए। दोनों बेटे एक जैसे ट्रेडिशनल कुर्ता-पैजामा पहने हुए थे।

वेंस ने ताजमहल की विजिटर बुक में लिखा- ताजमहल अद्भुत है! सच्चे प्यार, मानवीय सरलता और भारत की महान संस्कृति के प्रति श्रद्धांजलि का प्रमाण, धन्यवाद। बताया जा रहा है कि वेंस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने विजिटर बुक में जो लिखा था, उसे भी पढ़ा।

वेंस परिवार के साथ करीब ढाई घंटे तक आगरा में रहे। बुधवार सुबह 10 बजे उनका हेलिकॉप्टर सुबह 10 बजे आगरा एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। वेंस का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुलदस्ता देकर स्वागत किया। वेंस के स्वागत के लिए 8 स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम होने थे, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद ये कार्यक्रम रद्द कर दिए गए।

वेंस फैमिली को देखने के लिए आगरा में सड़कों के दोनों ओर हजारों लोग जुटे। हालांकि, सुरक्षा कारणों से पुलिस ने अधिक भीड़ जमा नहीं होने दी।

वेंस की सुरक्षा में 20 आईपीएस अधिकारी, 3500 पुलिसकर्मी और ब्लैक कमांडो तैनात किए गए। जेडी वेंस बुधवार को आगरा का दौरा खत्म करने के बाद जयपुर लौटे। तय शेड्यूल के मुताबिक उन्हें जयपुर के सिटी पैलेस का दौरा करना था, लेकिन यह दौरा रद्द कर दिया गया है। दौरा रद्द करने का कोई कारण नहीं बताया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले की वजह से यह फैसला लिया गया।

बांग्लादेश कर सकता है म्यांमार पर हमला

तारीख तय, अमेरिका से मिला ईसाई देश बनाने का सिग्नल

ढाका, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मई 2024 की बात है, जब बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के एक बयान ने दक्षिण एशिया में हलचल मचा दी थी। शेख हसीना ने दावा किया था कि बांग्लादेश और म्यांमार के बीच पूर्वी तिमोर जैसा ईसाई देश बनाने की कोशिश हो रही है। इसके साथ ही बताया कि उन्हें बांग्लादेशी क्षेत्र में विदेशी एयरबेस बनाने की अनुमति देने की मांग की गई थी, और वादा किया गया था कि ऐसा करने पर उन्हें बिना किसी परेशानी के शासन करने दिया जाएगा। हालांकि, हसीना ने उस देश का नाम नहीं बताया, लेकिन प्रस्ताव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह एक व्हाइट मैन की तरफ से आया था। हसीना ने दावा किया था कि वो ऐसा नहीं होने देंगी। इस बयान के बाद सिर्फ चार महीने में ही ऐसे हालात बने कि हसीना को न सिर्फ प्रधानमंत्री की कुर्सी छोड़नी पड़ी, बल्कि आनन-फानन में देश छोड़कर भागना पड़ा।

जनरल मुनीर ने दिया था पहलगाम हमले का आदेश

पाकिस्तान आर्मी चीफ को लेकर बड़ा दावा, पुलवामा से भी कनेक्शन

इस्लामाबाद, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में हुए पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व की भूमिका को लेकर बड़ी जानकारी सामने आ रही है। पाकिस्तानी खुफिया सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर ने ही आईएसआई को पहलगाम हमले को अंजाम देने का आदेश दिया था।

पाकिस्तान के पूर्व सैन्य अधिकारी और रक्षा एक्सपर्ट आदिल रजा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्फ एक्स पर ये दावा किया है। उन्होंने बताया है कि पाकिस्तानी खुफिया समुदाय के सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है।

आदिल रजा ने असीम मुनीर का भारत के खिलाफ इतिहास का जिक्र किया और बताया कि पुलवामा हमले के दौरान जब पाकिस्तान को इस घटना के लिए दोषी ठहराया गया था, तब असीम मुनीर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के डीजी के पद पर थे। अब पहलगाम हमला हुआ है, तो वे सेना प्रमुख हैं और एक बार फिर पाकिस्तान पर आतंकवाद में शामिल होने का आरोप लगा है।

रजा ने यह दावा किया कि पाकिस्तानी सेना में जनरल असीम मुनीर के खिलाफ नाराजगी बढ़ती जा रही है।

रजा ने बताया कि पाकिस्तानी शीर्ष सैन्य अधिकारियों का मानना है कि असीम मुनीर पाकिस्तान को तबाही के रास्ते पर ले जा रहे हैं। उनके मूर्खतापूर्ण भाषण और पहलगाम घटना को जोड़कर देखा जाना चाहिए। पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों में यह भी चर्चा है कि देश को बचाने के लिए मुनीर को हटाना चाहिए। पाकिस्तान को आर्थिक संकट के समय मदद देने वाले दो बड़े मुस्लिम देश सऊदी अरब और यूएई को भी असीम मुनीर पसंद नहीं हैं।

मुनीर ने कश्मीर पर दिया था जहरीला बयान

इसी महीने इस्लामाबाद में प्रवासी पाकिस्तानियों के एक सम्मेलन में बोलते हुए कश्मीर को लेकर जहर उगला था। इस दौरान उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था। जनरल मुनीर ने इसी सम्मेलन में द्वि-राष्ट्र सिद्धांत का समर्थन किया और कहा कि हिंदू और मुसलमान एक दूसरे से बहुत अलग हैं। मुनीर ने कहा था कि 'कश्मीर हमारे गले की नस था, है और रहेगा। हम अपने कश्मीरी भाइयों को भारत के कब्जे के खिलाफ संघर्ष में अकेला नहीं छोड़ेंगे।'

ट्रम्प बोले- जेलेंस्की अखबार के पन्ने पर शेखी बघार रहे

क्रीमिया वाले बयान पर फटकार लगाई, कहा- इससे रूस के साथ शांति वार्ता को खतरा

वॉशिंगटन, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को फटकार लगाई है। ट्रम्प ने बुधवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि जेलेंस्की अखबार के पहले पन्ने पर शेखी बघार रहे हैं कि 'यूक्रेन कानूनी रूप से क्रीमिया पर कब्जे को मान्यता नहीं देगा।'

ट्रम्प ने कहा, जेलेंस्की का यह बयान रूस के साथ शांति वार्ता के लिए बेहद हानिकारक है। क्रीमिया सालों पहले बराक ओबामा के कार्यकाल में गंवाया जा चुका था और अब वह कोई मुद्दा ही नहीं रह गया है।

अमेरिका जल्द ही खुद को रूस-यूक्रेन पीस डील से बाहर कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले हफ्ते 18 अप्रैल को रूस-यूक्रेन पीस डील से हटने की धमकी दी थी।

उन्होंने कहा था कि अगर रूस या यूक्रेन में से कोई एक भी डील के लिए तैयार नहीं होता है तो यह एक बेवकूफी भरा कदम होगा और हम पीस डील से बाहर आ जाएंगे।

ट्रम्प से पहले उसी दिन अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा था कि आने वाले दिनों में अगर रूस और यूक्रेन जंग को खत्म करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाते हैं, तो अमेरिका शांति के प्रयास छोड़ देगा।

डोनाल्ड ट्रम्प का दूसरा कार्यकाल शुरू हुए लगभग 90 दिन बीत चुके हैं। इस दौरान अमेरिका और रूस के बीच कई बार यूक्रेन जंग के समाधान पर बातचीत हो चुकी है। लेकिन ट्रम्प प्रशासन को शांति कायम करने में कोई खास सफलता हाथ नहीं लगी है।

पेरिस दौरे से लौटते वक्त रुबियो ने कहा था कि अगर यूक्रेन जंग को खत्म करना संभव नहीं है, तो अमेरिका को अगले कुछ दिनों में अपनी कोशिशें छोड़ देनी चाहिए और आगे बढ़ जाना चाहिए। पिछले हफ्ते हुई इस बैठक में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियों और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने पेरिस में यूरोपीय और यूक्रेनी नेताओं के साथ मुलाकात की थी। इस बैठक जंग को खत्म करने के लिए की जा रही ट्रम्प प्रशासन की कोशिश के तौर पर आयोजित किया गया।

इस बैठक में अमेरिका ने शांति के लिए एक प्लान पेश किया। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक इस प्लान को सभी पक्षों ने सराहा। हालांकि इस प्लान में क्या शामिल किया गया है, यह अभी सार्वजनिक नहीं किया गया। बैठक के बाद रूबियो ने कहा कि वह ठोस समझौते के लिए पेरिस आए थे।

अमेरिका और यूकेन के बीच जल्द ही मिनरल डील या खनिज समझौता हो सकता है। 17 अप्रैल की रात को यूक्रेन की अर्थव्यवस्था मंत्री यूलिया स्विरीडेन्को ने बताया कि कीव और वॉशिंगटन के बीच डील को लेकर एक एमओयू पर दस्तखत हुए। दरअसल अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ जंग में 350 बिलियन डॉलर के हथियार दिए हैं। ट्रम्प प्रशासन ने इस मदद के बदले यूक्रेन से कीमती खनिज देने की मांग की है।

पाकिस्तान में नेशनल सिक्योरिटी कमेटी की बैठक

पीएम शहबाज और आर्मी चीफ समेत शीर्ष अधिकारी शामिल, शिमला समझौता रद्द कर सकते हैं

इस्लामाबाद, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान में नेशनल सिक्योरिटी कमेटी की बैठक शुरू हो गई है। इस बैठक की अध्यक्षता पाक पीएम शहबाज शरीफ कर रहे हैं। बैठक में आर्मी चीफ आसिम मुनीर समेत शीर्ष अधिकारी और मंत्री शामिल हैं। इस बैठक को कल रात भारत में हुई सीसीएस की बैठक के बाद बुलाया गया है। भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बुधवार रात कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक बुलाई थी। पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 5 बड़े फैसले लिए हैं। इसमें 65 साल पुरानी सिंधु जल संधि को रोका गया है। अटारी चेक पोस्ट बंद कर दिया गया है। वीजा बंद कर दिया गया और सैन्य उच्चायुक्तों को हटा दिया है। दूसरी तरफ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान सरकार 1972 में भारत के साथ हुए शिमला समझौते को रद्द करने पर विचार कर रही है।

लड़की को बुर्का पहनाकर कोर्ट पहुंचा लड़का

हाथ जोड़कर मां बोली- मैं बेटी को मुसलमान को नहीं सौपूंगी, आईओ ने 2 लाख लेकर उम्र बढ़ा दी

मुजफ्फरपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर कोर्ट में बुधवार को लव जिहाद के एक मामले को लेकर करीब आधे घंटे तक हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ। लड़की के परिजन ने आरोप लगाया कि मुस्लिम लड़के ने बहला-फुसलाकर उनकी बेटी को ढाई महीने पहले ले गया था। आज लड़की को कोर्ट में बुर्का पहनाकर बयान दर्ज कराने के लिए लाया गया था। परिजन ने बताया कि लड़की नाबालिग है, लेकिन गुमशुदगी केस के आईओ यानी जांच अधिकारी ने लड़के वालों से 2 लाख रुपए लेकर आधार कार्ड में हेरफेर कर लड़की की उम्र बढ़ाकर 18 साल कर दी, जबकि लड़की मात्र 16 साल की है। दरअसल, लड़की के पिता का 2 साल पहले निधन हो चुका है। लड़की चार-भाई बहन है। घर में अभिभावक के तौर पर सिर्फ मां है। जब बुधवार को लड़की की मां को पता चला कि बेटी को भगाने वाला लड़का आजाद उसे लेकर कोर्ट पहुंचा है तो लड़की की मां अपनी मां (लड़की की नानी) और पड़ोसियों के साथ कोर्ट पहुंच गई। इस दौरान लड़की की मां पुलिस से भीड़ गई और बेटी की भी दौड़ाकर पिटाई करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि मैं किसी भी सूरत में अपनी बेटी को मुसलमान लड़के के हाथ में नहीं सौपूंगी, मेरी बेटी को मुझे सौंप दिया जाए। लड़की की मां बार-बार कह रही थी कि पुलिस युवक से मोटी रकम लेकर कोई कार्रवाई नहीं कर रही थी। ढाई महीने के बाद मेरी बेटी को बरामद किया गया है। इसमें पुलिस भी शामिल है। उधर, मामले को लेकर कोर्ट परिसर में मौजूद वकीलों का दो गुट भी आपस में भिड़ गया। एक गुट ने दूसरे गुट पर मामले में मुसलमान लड़के की मदद का आरोप लगाया। उधर, जब लड़की से उसका पक्ष जानने की कोशिश की गई तो वो भाग निकली।

पूर्व जवान के घर से 8.6 किलो गांजा बरामद

रिटायरमेंट के बाद डायल-112 में चालक की मिली थी नौकरी, तस्करी के आरोप में अरेस्ट

रक्सौल, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। रक्सौल के हरसिद्धि थाना में डायल-112 पर तैनात पूर्व सैफ जवान रामबालक सिंह के गांधी नगर स्थित अर्धनिर्मित आवास से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान 8 किलो 664 ग्राम गांजा जब्त किया है और आरोपी रामबालक सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

रामबालक सिंह पहले भारतीय सेना में कार्यरत थे। सेवानिवृत्ति के बाद बिहार पुलिस के डायल-112 में चालक के रूप में कार्यरत थे। गलत आचरण के चलते कुछ समय पहले ही उन्हें सेवा से हटाया गया था। इसके बाद एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर उन पर विशेष निगरानी रखी जा रही थी। इसी बीच मादक पदार्थों की तस्करी में उनकी संलिप्तता की सूचना मिली। सूचना मिलने पर एसपी के निर्देश पर रक्सौल व रामगढ़वा पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी अभियान चलाया। रक्सौल के गांधी नगर स्थित रामबालक सिंह के अर्धनिर्मित मकान में छापा मारा गया, जहां गांजा छिपाकर रखा गया था। इस दौरान रामबालक सिंह को मौके से गिरफ्तार किया गया।

पूरे अभियान के दौरान कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए दंडाधिकारी रवि कुमारी की मौजूदगी में कार्रवाई की गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एसडीपीओ धीरेंद्र कुमार ने जानकारी दी कि आरोपी रामबालक सिंह रामगढ़वा थाना क्षेत्र के बंधुबरवा गांव के निवासी हैं और गांधीनगर, रक्सौल में मकान निर्माण करा रहे थे। उसी अर्धनिर्मित मकान का उपयोग गांजा स्टॉक करने के लिए किया जा रहा था। संयुक्त छापेमारी में एसडीपीओ धीरेंद्र कुमार, रक्सौल इंस्पेक्टर राजीव नंदन सिन्हा, रामगढ़वा थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार, एसआई एकता सागर, एसआई सुमित कुमार, एसआई कुशलेश पांडेय सहित अन्य पुलिस बल शामिल रहे।

अमेरिका से सबक ले भारत

पाकिस्तान संग सिंधु जल समझौते को केवल सस्पेंड करने पर भड़के एक्सपर्ट, दे दी नसीहत

इस्लामाबाद/ नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया है। यह समझौता भारत और पाकिस्तान के बीच कई युद्ध होने के बाद भी बना हुआ था। भारत के इस कदम को कई एक्सपर्ट पहले वाटर युद्ध की शुरुआत बता रहे हैं। इस बीच भारतीय एक्सपर्ट ने मोदी सरकार को अमेरिका से सीख लेने के लिए कहा है। सामरिक मामलों के विशेषज्ञ ब्रह्मा चेलानी ने कहा कि सिंधु जल समझौता भारत के लिए एक गलती की तरह से है। इस समझौते से पाकिस्तान को 6 नदियों का ज्यादातर पानी मिल गया। उन्होंने बताया कि साल 2016 में पीएम मोदी ने उरी आतंकी हमले के बाद कहा था कि 'खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं।' मोदी सरकार को यह सिंधु जल समझौता सस्पेंड करने का फैसला लेने में 8 साल लग गया। ब्रह्मा चेलानी ने कहा कि मोदी सरकार को यह फैसला लेने में धीमी रही। अब एक और बड़ा आतंकवादी हमला होने के 8 साल बाद आपको सिंधु जल समझौते को निलंबित होने के लिए बाध्य होना पड़ा है। चेलानी ने कहा कि भारत के इस रवैये की तुलना अमेरिका से की जानी चाहिए। अमेरिका एकतरफा तरीके से रूस के साथ दो समझौतों इंटरमीडिएट रेंज न्यूक्लियर फोर्सेस (आईएनएफ) और एंटी बलिस्टिक मिसाइल समझौते से अचानक ही बाहर हो गया।

फिलिस्तीन के राष्ट्रपति ने हमास को कुत्ते की औलाद कहा

बोले- बंधकों को रिहा करो, जंग के लिए इजराइल का बहाना खत्म होगा

रामल्ला, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने हमास को कुत्ते की औलाद कहा है। बुधवार को रामल्ला में दिए एक भाषण में अब्बास ने कहा कि हमास बंधकों को रिहा करे ताकि इजराइल को गाजा में जंग जारी रखने का बहाना न मिले। अब्बास ने कहा कि गाजा में नरसंहार को रोकना पहली प्राथमिकता है। इसे रोका जाना चाहिए, हर दिन सैंकड़ों लोग मारे जा रहे हैं। अब्बास ने हमास से अपील की कि वह हथियार छोड़कर राजनीतिक दल बन जाए और गाजा का नियंत्रण फिलिस्तीनी अथॉरिटी को सौंप दे।

अब्बास ने फिलिस्तीन अथॉरिटी की सेंट्रल काउंसिल की बैठक में यह बात कही है। इस

बैठक में वह अपने उत्तराधिकारी का नाम भी घोषित करेंगे। हमास ने 2007 में अब्बास की फतह पार्टी को हराकर गाजा पर नियंत्रण कर लिया था।

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि जब तक इजराइली बंधक नहीं लौटाए जाएंगे, गाजा में अन्न का एक दाना नहीं पहुंचने दिया जाएगा। काट्ज ने कहा कि इस मामले में इजराइल की नीति बिल्कुल साफ है। इजराइल ने गाजा पट्टी में सभी मानवीय सहायता (खाना, पानी, दवाइयां, तेल) पर रोक लगा दी है। यह नाकाबंदी 2 मार्च 2025 को शुरू हुई थी। इजराइल ने हमास पर बंधक बनाए गए 58 लोगों को रिहा करने का दबाव बनाने के लिए यह कदम उठाया था। मेडिसिन्स सैंस फ्रंटियर्स (एमएसएफ) ने गाजा को "फिलिस्तीनियों के लिए सामूहिक कब्र" बताया है। मेडिकल एड फॉर फिलिस्तीन्स के निदेशक महमूद शलाबी ने कहा, "पिछले 18 महीनों में यह सबसे खराब स्थिति है। बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं हो रही हैं, और हमले फिर से शुरू हो गए हैं।"

गाजा हेल्थ मिनिस्ट्री ने कहा कि, गाजा संघर्ष शुरू होने से अब तक 51,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे हैं। 18 मार्च को सीजफायर खत्म होने के बाद से 1,600 और मौतें हुई हैं। इजराइली सेना ने राफा का बाकी गाजा से संपर्क काट दिया है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने 12 अप्रैल को इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने मोराग कॉरिडोर पर कब्जा कर लिया है, जिससे राफा का गाजा पट्टी से संपर्क टूट गया है। मोराग कॉरिडोर दक्षिणी गाजा में एक रास्ता है जो उसे गाजा पट्टी से अलग करता है।

काट्ज ने गाजा के लोगों को धमकी देते हुए कहा कि यह हमास को भगाने और सभी बंधकों को रिहा कर जंग को खत्म करने का आखिरी मौका है।

झाड़ी में मिला महिला का नरकंकाल

पति ने युवक पर लगाया हत्या का आरोप कहा-पत्नी पर रखता था बुरी नजर

साहिबगंज, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। साहिबगंज में एक महिला का नरकंकाल मिलने के बाद से इलाके में हड़कंप मच गया है। महिला 7 अप्रैल से लापता थी। शव तालझारी थाना क्षेत्र के जसकुटी के पास झाड़ी में मिला। शव के पास से महिला की जूती, हैंड बैग, घड़ी और बैंक पासबुक भी मिला है। इन्हीं सामान के आधार पर महिला के पति ने शव की पहचान की। लाश राजमहल थाना क्षेत्र के मलाही टोला निवासी ऋतु देवी की है। शव की पहचान होते ही पुलिस ने उसे पोस्टमॉर्टम के लिए साहेबगंज सदर अस्पताल भेजा। महिला के पति नित्यानंद कर्मकार ने गांव के ही गणेश साहा पर पत्नी की हत्या का आरोप लगाया है। नित्यानंद ने बताया कि 7 अप्रैल को ऋतु पासबुक लेकर बैंक जाने की बात कहकर घर से निकली थी। शाम तक नहीं लौटी। मोबाइल भी बंद मिला। काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। 8 अप्रैल को राजमहल थाना में पत्नी के अपहरण की शिकायत दी थी। पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। नित्यानंद ने बताया कि उसकी शादी 2014 में ऋतु देवी से हुई थी। एक बेटा विराट कुमार (10) और बेटी प्रिया कुमारी (7) है। वैवाहिक जीवन सामान्य था। छह महीने पहले ऋतु ने बताया था कि गांव का गणेश साहा उस पर बुरी नजर रखता है। अश्लील इशारे करता है। लोकलाज के डर से वह पहले कुछ नहीं बोली। जब गणेश की हरकतें बढ़ीं, तब उसने पति को बताया।

पहलगाम अटैक: पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने दिखाई अकड़

कुलभूषण जैसे एक और भारतीय को पकड़ने का दावा

इस्लामाबाद, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। भारत ने इस हमले के बाद कई अहम कदम उठाए हैं। इसमें सिंधु जल संधि रद्द करने और अटारी बॉर्डर चेकपोस्ट बंद करना अहम है। भारत की ओर उठाए गए कदमों के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तेवर दिखाते हुए कहा है कि भारत हमें कमजोर ना समझे। हमारी सेना भारत की किसी भी आक्रामकता का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ ही आसिफ ने कथित भारतीय एजेंट को पकड़ने का भी दावा किया है। उनका दावा है कि ये कुलभूषण जाधव जैसा

केस है। ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में एक भारतीय एजेंट को गिरफ्तार किया है। यह मामला कुलभूषण जाधव के जैसा ही है। हालांकि ख्वाजा आसिफ ने गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का नाम या कोई और जानकारी नहीं दी। स्थानीय मीडिया में इस गिरफ्तारी के बारे में कई तरह की बातें चल रही हैं। ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि भारतीय एजेंट व्यक्ति को ईरान-अफगानिस्तान सीमा के पास से पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि इस गिरफ्तारी के तार बलूचिस्तान में आतंकवाद फैलाने और टीटीपी के बीच संबंध भारत से होने से जुड़े हैं। पाक मीडिया ने गिरफ्तार किए शख्स का नाम अशोक चतुर्वेदी बताया है। इस शख्स के बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। दावा है कि चतुर्वेदी को उसके हैंडलर से मिलाने के बहाने बुलाकर गिरफ्तार किया गया पाकिस्तान ने कुलभूषण जाधव को 2016 में बलूचिस्तान से पकड़ने का दावा किया था। ख्वाजा आसिफ ने अकड़ा दिखाते हुए कहा कि पाकिस्तान की ताकत को लेकर भारत किसी भुलावे में ना रहे।

राजधानी कीव पर रूसी हमले में नौ की मौत

दक्षिण अफ्रीकी दौरा बीच में छोड़कर यूक्रेन लौटे जेलेंस्की

कीव, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की गुरुवार को अपना दक्षिण अफ्रीकी दौरा बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट आए। रूस द्वारा राजधानी कीव पर किए गए हमले के चलते जेलेंस्की ने दौरे के बीच से ही वापस लौटने का फैसला किया। रूस के राजधानी कीव पर हमले में नौ लोगों की मौत हुई है और 70 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इससे पहले राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक टेलीग्राम पोस्ट में लिखा था कि राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा से मुलाकात के बाद वे वापस लौट जाएंगे। युद्धविराम के लिए दक्षिण अफ्रीका का समर्थन जुटाने के उद्देश्य से यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यह दौरा किया। रूस का कीव पर यह हमला ऐसे वक्त हुआ है, जब रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम समझौता अटक गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की पर क्रीमिया के मुद्दे पर युद्धविराम बातचीत को लंबा खींचने का आरोप लगाया। ट्रंप ने ये भी कहा कि युद्धविराम समझौते को लेकर रूस से बातचीत से ज्यादा जेलेंस्की से बात करना ज्यादा मुश्किल है। गौरतलब है कि जेलेंस्की क्रीमिया पर रूस का कब्जा मानने के तैयार नहीं हैं। कीव के मिलिट्री प्रशासन ने बताया कि रूस ने ड्रोन्स और बैलिस्टिक मिसाइलों से कीव पर हमला किया। 45 ड्रोन्स का पता चला है। हालांकि सही आंकड़ा बाद में अपडेट किया जाएगा।

ईरान को यूरेनियम संवर्धन छोड़ना ही होगा, तभी समझौता संभव

अमेरिका के विदेश मंत्री का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि अमेरिका और ईरान में कोई भी समझौता तभी होगा, जब ईरान यूरेनियम संवर्धन बंद करेगा। बुधवार को जारी हुए एक इंटरव्यू में मार्को रूबियो ने ये बात कही। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर बातचीत चल रही है।

एक तरफ अमेरिका के विदेश मंत्री ईरान के यूरेनियम संवर्धन के काम का पूरी तरह से बंद करने की मांग कर रहे हैं, वहीं ईरान का कहना है कि उन्हें अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए यूरेनियम संवर्धन की जरूरत है और वे इससे परमाणु हथियार नहीं बनाना चाहते। मार्को रूबियो ने कहा कि अगर ईरान नागरिक परमाणु समझौता चाहता है तो ये हो सकता है, लेकिन उसके लिए उन्हें संवर्धित यूरेनियम आयात करना पड़ेगा।

ओबामा के कार्यकाल में हुए अमेरिका-ईरान परमाणु समझौते को अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप प्रशासन ने तोड़ दिया था।

ट्रंप का तर्क था कि ईरान परमाणु बम बनाने के लिए यूरेनियम संवर्धित कर रहा है। हालांकि ईरान ने इन आरोपों को खारिज किया था।

अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर शनिवार को दूसरे दौर की बातचीत हुई और इस सप्ताहांत तकनीकी स्तर की बातचीत होने की उम्मीद है। समझौते में ईरान की कोशिश है कि उसे प्रतिबंधों में ढील दी जाए, ताकि प्रतिबंधों से उसकी अर्थव्यवस्था को हो रहे नुकसान को रोका जा सके।

मार्को रूबियो ने कहा कि अभी परमाणु समझौते में लंबा समय लग सकता है। उन्होंने ये भी कहा कि ट्रंप, ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए कुछ भी कर सकते हैं, लेकिन इस समय मध्य पूर्व में कोई भी सैन्य कार्रवाई बड़े संघर्ष में तब्दील हो सकती है। इसलिए उनकी कोशिश है कि शांतिपूर्वक चीजें रहें।

हिंदी मीडियम में बदले जाएंगे 800 अंग्रेजी मीडियम

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अंग्रेजी माध्यम के महात्मा गांधी स्कूलों को हिंदी माध्यम स्कूलों में परिवर्तित करने के मामले में भजनलाल सरकार अब नामांकन को आधार बनाएगी। कम नामांकन वाले अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को वापस हिंदी माध्यम में किया जाएगा। मंत्रिमंडलीय कमेटी की समीक्षा बैठक में यह बड़ा निर्णय लिया गया है।

बैठक में निर्णय लिया गया है कि ऐसे अंग्रेजी माध्यम स्कूल जहां कक्षावार औसतन 10 या इससे कम नामांकन होगा तो उन्हें फिर हिंदी माध्यम में बदला जाएगा। अगर किसी पंचायत में दो से अधिक महात्मा गांधी स्कूल है तो वहां भी केवल एक स्कूल ही अंग्रेजी माध्यम में रखा जाएगा।

सचिवालय में आयोजित इस मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने की। इसमें चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह, शिक्षामंत्री मदन दिलावर, खाद्य मंत्री सुमित गोदारा और शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

करीब 800 स्कूल बदले जाएंगे

बता दें कि राजस्थान में अभी 3737 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल संचालित हैं। जिनमें से कई स्कूलों को अब हिंदी मीडियम में बदलने जाने की तैयारी है। करीब 800 अंग्रेज़ी माध्यम स्कूल ऐसे है, जिनमें एक कक्षा में 10 बच्चे भी नहीं हैं। ऐसे में यह तो साफ है कि इन स्कूलों को हिंदी माध्यम में बदला जाएगा और छात्रों को पास के महात्मा गांधी स्कूलों में समायोजित किया जाएगा।

शिक्षा मंत्री ने कांग्रेस पर बोला तीखा हमला

इस मामले में शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने कहा कि कांग्रेस ने स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम में तो बदल दिया, लेकिन पद सृजित नहीं किए। स्कूलों की बदहाली कर दी। स्कूलों में आधारभूत सुविधाओं नहीं है। उन्होंने कहा कि बच्चे मजबूरी में अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब कक्षावार औसतन 10 से कम विद्यार्थी है। उन स्कूलों को फिर से हिंदी माध्यम में बदला जाएगा।

जयपुर के नीरज का अंतिम संस्कार, चिता के पास बिलखती रही पत्नी; सीएम ने पोंछे मां के आंसू

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए जयपुर निवासी नीरज उधवानी (33) को गुरुवार को जयपुर के झालाना स्थित मोक्षधाम में अंतिम विदाई दी गई। जैसे ही चिता को अग्नि दी गई, वहां खड़े सभी लोगों में आक्रोश और दर्द की चुप्पी छा गई। नीरज को बड़े भाई किशोर उधवानी ने मुखाग्नि दी।

वहीं पत्नी आयुषी, मां ज्योति और परिजन रोते-बिलखते चिता के पास खड़े रहे। आयुषी चिता के पास हाथ जोड़कर खड़ी रही, बार-बार पति की ओर देखती रही और कहती रही कि नीरज... मुझे अकेला क्यों छोड़ गए?

नीरज को पत्नी आयुषी के सामने ही गोली मार दी गई। उनका शव इंडिगो फ्लाइट से जयपुर लाया गया, जिसके बाद एंबुलेंस के जरिए पार्थिव देह को उनके मॉडल टाउन स्थित घर लाया गया।

बड़े नेताओं ने नीरज की दी श्रद्धांजलि

दरअसल, अंतिम संस्कार से पहले, राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, डिप्टी सीएम दीया कुमारी, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ समेत कई राजनीतिक व सामाजिक हस्तियों ने नीरज के मालवीय नगर स्थित आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी।

अशोक गहलोत ने दी सांत्वना

मुख्यमंत्री ने नीरज की मां ज्योति से मुलाकात की। ज्योति उन्हें देखते ही फूट-फूटकर रोने लगीं। मुख्यमंत्री ने उनके आंसू पोंछे और ढांढस बंधाया। उनके साथ नीरज की पत्नी आयुषी भी बेसुध सी बैठी थीं।

नीरज की चिता

एक-एक कतरे का बदला लिया जाएगा- सीएम

मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और कायरतापूर्ण आतंकी हमला है। राजस्थान सरकार नीरज के परिवार के साथ खड़ी है। एक-एक खून के कतरे का हिसाब लिया जाएगा। जम्मू-कश्मीर में मौजूद राजस्थान के पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

सीएम भजनलाल ने दी श्रद्धांजलि

उन्होंने कहा कि दो दिन से पूरे देश में इस कायराना घटना को लेकर गुस्सा है, जिस तरह से यह घटना हुई है, कठोर निर्णय देने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन से लगातार संपर्क में रहते हुए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि बाकी पर्यटक सुरक्षित लौट सकें।

सीएम ने बुलाई आपात बैठक, सीमा पर बढ़ी सुरक्षा

शहरों में रेड अलर्ट

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। केंद्र सरकार ने इस हमले को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए पाकिस्तान पर कई सख्त कदम उठाए हैं। इसके साथ ही राजस्थान में भी खतरे की आशंका को देखते हुए सीमावर्ती जिलों में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। गंगानगर, बाड़मेर, जैसलमेर समेत सीमावर्ती जिलों में अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। जयपुर में भी अलर्ट घोषित किया गया है।

राजस्थान की सीमाएं पाकिस्तान से लगती हैं, इसलिए यहां खतरा और ज्यादा बढ़ जाता है। इसी को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए हाई लेवल सुरक्षा बैठक की। बैठक में राज्य के सभी जिलों के कलेक्टर और एसपी मौजूद रहे। सीएम ने साफ निर्देश दिए कि हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर तुरंत एक्शन लेने को कहा गया है। राज्य सरकार ने सीमावर्ती इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, सार्वजनिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी के निर्देश दिए हैं। पर्यटन स्थलों पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। दूसरी ओर, केंद्र सरकार ने पाकिस्तान को लेकर 5 बड़े फैसले लिए हैं। इनमें सिंधु जल संधि को रोकना, अटारी बॉर्डर को बंद करना और पाक नागरिकों को वीजा सुविधा समाप्त करना शामिल है।

सीएम को काला झंडा दिखाने के मामले में एनएसयूआई जिलाध्यक्ष से कराई तस्दीक

सीकर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के हालिया सीकर दौरे के दौरान काला झंडा दिखाने की घटना को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में भारी हलचल बनी हुई है। मामले में नामजद एनएसयूआई जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश नागा से पुलिस ने भारी सुरक्षा बंदोबस्त के बीच घटना स्थल की तस्दीक कराई। यह घटना स्थल शहर की कृषि उपज मंडी के पास स्थित है, सीएम की गाड़ी के सामने काला झंडा लहराया गया था। ओमप्रकाश नागा स्वयं उद्योग नगर थाना पहुंचे। जहां से उन्हें सीओ सिटी आईपीएस प्रशांत किरण के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर ले जाया गया। वहां पर पुलिस ने पूरे घटनाक्रम की बारीकी से पड़ताल की और हर बिंदु पर तस्दीक कराई। इस दौरान मौजूद पुलिस अधिकारियों ने यह जानने का प्रयास किया कि घटना को अंजाम देने में और कौन-कौन शामिल था तथा यह कार्रवाई पूर्व नियोजित थी या नहीं। तस्दीक की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ओमप्रकाश को वापस उद्योग नगर थाना लाया गया। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर दोषियों की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने अब तक तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है, जबकि नगर परिषद आयुक्त को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर ईडी के समक्ष पेश हुए कांग्रेस नेता महेश जोशी

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता महेश जोशी गुरुवार दोपहर 1 बजे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मुख्यालय पहुंचे। वे अपने निजी सहायक के साथ ईडी कार्यालय आए, जहां उनसे जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाले के सिलसिले में पूछताछ की जा रही है। ईडी ने उन्हें पहले भी कई बार समन भेजे थे, लेकिन वे व्यक्तिगत कारणों से पेश नहीं हो रहे थे। सूत्रों के अनुसार, ईडी अधिकारियों ने महेश जोशी को घोटाले से जुड़े कुछ दस्तावेज दिखाए हैं और उन पर जवाब मांगा जा रहा है। यह पूछताछ जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत टेंडर प्रक्रिया में हुए कथित घोटाले से संबंधित है।

फर्जी प्रमाण पत्र से हासिल किए करोड़ों के टेंडर

जल जीवन मिशन घोटाला केंद्र सरकार की 'हर घर नल' योजना से जुड़ा है। वर्ष 2021 में श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी और मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के ठेकेदार पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर जलदाय विभाग से करोड़ों रुपये के टेंडर हासिल किए थे। श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी ने 68 निविदाओं में भाग लिया, जिनमें से 31 टेंडर में एल-1 बोलीदाता बनकर 859.2 करोड़ रुपये के टेंडर प्राप्त किए। वहीं, श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी ने 169 निविदाओं में हिस्सा लिया और 73 में एल-1 बनकर 120.25 करोड़ रुपये के टेंडर हासिल किए।

घोटाले का खुलासा होने के बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जांच शुरू की और कई अधिकारियों को हिरासत में लिया। इसके बाद ईडी ने मामला दर्ज कर महेश जोशी और उनके सहयोगी संजय बड़ाया समेत अन्य के ठिकानों पर छापेमारी की। बाद में, सीबीआई ने 3 मई 2024 को इस मामले में केस दर्ज किया। ईडी ने अपनी जांच पूरी कर 4 मई को सभी सबूत एसीबी को सौंप दिए थे।

बेटे ने रोते-रोते बताया मां की हत्या की कहानी

बाप ने चारे में ही छुपाया था खून से सना सरिया

बांसवाड़ा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले में दानपुर थाना क्षेत्र के कालाभाटा गांव में लोहे के सरिए से पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस को मृतका के बेटे ने रोते-रोते पूरी घटना बताई। वहीं, पुलिस टीम ने मध्यप्रदेश सीमा पर भागने के लिए वाहन की बाट जोह रहे आरोपी पति को धर दबोचा। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पति अपनी पत्नी के चरित्र को लेकर संदेह करता था, इसी कारण उसकी जान ले ली।

पुलिस के अनुसार, 20 अप्रैल को मणिलाल पुत्र भेरिया मईड़ा निवासी सजवानिया ने दानपुर थाना पुलिस को रिपोर्ट दी कि उसकी बहन रकमा की शादी गांव कालाभाटा में सोहन पुत्र जिंगिया कटारा से कराई थी। सुबह रकमा की सास संता ने फोन कर बताया कि सोहन और रकमा के बीच झगड़ा हुआ था और मारपीट में रकमा की मौत हो गई है। इस पर मणिलाल अपने परिजनों के साथ रकमा के ससुराल पहुंचा। मौके पर रकमा जमीन पर पड़ी हुई थी। उसके सिर के पीछे, गले और ढोड़ी पर चोटों के निशान थे। रकमा के देवर वागजी ने भी बताया कि पति-पत्नी में रात को झगड़ा हुआ था और सोहन ने उसकी हत्या कर दी। रिपोर्ट पर पुलिस ने हत्या की धाराओ में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

अनुसंधान के दौरान मृतका के परिजनों और उपस्थित लोगों से घटना की जानकारी ली गई। इस दौरान मृतका रकमा और आरोपी सोहन के 11 वर्षीय बेटे ने आंखों देखी घटना बताई। रोते-रोते उसने पुलिस को बताया कि रात के समय घर के बाहर खाट पर मां, पिता और वह स्वयं सोये थे। किसी बात को लेकर पिता सोहन मां से मारपीट करने लगे और घसीटते हुए घर के अंदर ले जाने लगे। यह देख वह भी सहम गया। वह अपने काका वागजी को बुलाने गया। वापस लौटने पर देखा तो पिता सोहन ने मां की हत्या कर दी। परिजनों ने पुलिस को यह भी बताया कि सोहन अपनी पत्नी रकमा के चरित्र पर संदेह भी करता था।

पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने दानपुर थानाधिकारी राजवीर सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया। टीम को मुखबिर ने बताया कि आरोपी सोहन मध्यप्रदेश सीमा पर जंगल की ओर देखा गया था।

बाल विवाह पर सख्ती का ऐलान : बैंड बजाया, घोड़ी लाए, हलवाई ने खाना बनाया, पंडित जी ने फेरे कराए तो पुलिस करेगी गिरफ्तार

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में अक्षय तृतीया और पीपल पूर्णिमा जैसे त्योहारों पर बढ़ते बाल विवाह के मामलों को देखते हुए राजस्थान पुलिस एक सशक्त पहल कर रही है। 'ऑपरेशन लाडली' नामक इस विशेष अभियान की शुरुआत 26 अप्रैल से होगी, जो 30 अप्रैल 2025 तक प्रदेशभर में चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य न केवल बाल विवाह रोकना है, बल्कि समाज को इस अपराध के प्रति जागरूक करना और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करना भी है।

भतीजे ने चाचा को दी रोंगटे खड़े कर देने वाली मौत, हथौड़े से फोड़ा सिर, ब्लेड से कट लगाकर भर दी मिर्ची, गांव में

तनाव का माहौल, कई थानों का पुलिस बल तैनात

महानिदेशक पुलिस, सिविल राइट्स एवं एएचटीयू, मालिनी अग्रवाल ने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के की शादी कराना कानूनी अपराध है। फिर भी कई ग्रामीण इलाकों में यह कुप्रथा अभी भी जीवित है, जिसे रोकना अब समय की मांग है।

ग्रामीण क्षेत्रों पर रहेगी खास नजर

राजस्थान पुलिस का यह विशेष अभियान खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्रित रहेगा, जहां सामाजिक दबाव और परंपराओं के नाम पर अक्सर बाल विवाह कर दिए जाते हैं। इस दौरान स्कूलों, गांवों और ब्लॉक स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर लोगों को बाल विवाह के कानूनी परिणामों की जानकारी दी जाएगी।

शपथ, नुक्कड़ नाटक और प्रचार के माध्यम से जागरूकता अभियान के तहत दीवार लेखन, रैली, नुक्कड़ नाटक, डॉक्यूमेंट्री, शपथ समारोह, होर्डिंग्स और समाचार पत्रों में विज्ञापन के माध्यम से जागरूकता फैलाई जाएगी। धार्मिक कार्यक्रमों और सामाजिक समारोहों में भी पुलिस की मौजूदगी सुनिश्चित की जाएगी।

मुखबिर तंत्र होगा सशक्त

पुलिस विवाह आयोजकों, टेंट मालिकों, बैंड-बाजे वालों, हलवाईयों और ब्राह्मणों को पाबंद करेगी कि वे बाल विवाह की सूचना पुलिस को तुरंत दें। ऐसा न करने पर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखते हुए उन्हें सुरक्षा और प्रोत्साहन भी मिलेगा।

सेना में भर्ती का झांसा देकर आठ लाख की ठगी

जालौर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस थाना नोसरा की टीम ने सेना में नौकरी लगाने का झांसा देकर आठ लाख रुपये ठगने के मामले में आरोपी रामकिशोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम और वृताधिकारी जयराम मुंडेल के सुपरविजन में थानाधिकारी पन्नालाल के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी सूचनाओं और लगातार प्रयास के बाद आरोपी को दस्तयाब किया। पुलिस के अनुसार आरोपी रामकिशोर निवासी जालका, जोधपुर ने खुद को असम राइफल्स में क्लर्क पद पर तैनात बताकर एक युवक से नौकरी दिलाने के नाम पर आठ लाख रुपये ठगे थे। पूछताछ में सामने आया कि वह केवल 12वीं तक पढ़ा है और पहले सेना में भर्ती के प्रयास कर चुका है।

जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष

व्यक्ति पर फरसी से वारकर काटी नाक, पत्नी का तोड़ दिया हाथ

अलवर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भिवाड़ी के चोपानकी थानांतर्गत गांव सारे कला में जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। झगड़ा तब ज्यादा हुआ, जब कुछ लोग जेसीबी ओर ट्रैक्टर लेकर आम रास्ते को बंद करने का प्रयास कर रहे थे।इस पर जब स्थानीय निवासी असगर ने विरोध किया तो झगड़ा ज्यादा बढ़ गया और लाठी फरसी निकल आईं। आरोपियों ने असगर और उसकी पत्नी रहीसन पर प्राणघातक हमला कर दिया। हमलावरों में अरशद, इस्लाम, हारून, नरसी, जहीर, मुक्की, असला, कुम्म नसीर आदि शामिल थे। इन लोगों ने फरसी के वार से असगर की नाक काट दी, उसको 15 टांके आये हैं। इसके अलावा असगर की कमर पर भी कई टांके आये हैं। हमलावरों ने उसकी कमर पर भी फरसी से हमला कर दिया था। हमलावरों ने असगर की पत्नी रहीसन के हाथ पर लाठी से वार कर किया, जिससे उसका हाथ टूट गया। इसके अलावा हमलावरों ने असगर की बेटी सुष्मीना के हाथ पर भी लाठी मारी। उसका हाथ भी टूट गया और उसके कंधे पर भी फ्रेक्चर आया है। इसके अलावा हमलावरों ने असगर के बेटे इस्लामुद्दीन पर भी हमला किया। इससे उसके भी गम्भीर चोट आई है। इनमे से सुष्मीना को टपूकड़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि बाकियों को हालत गम्भीर होने पर टपूकड़ा से रेफर किया गया है। हमलावरों ने पीड़ीत पक्ष को जान से मारने की धमकी भी दी है। इस मामले में लिखित शिकायत पीड़ित पक्ष की ओर से चोपानकी पुलिस थाने में पेह कर दी है। पुलिस ने उस पर कार्रवाई भी शुरू कर दी है। पुलिस हमलावरों को तलाश कर रही है, जिनके नाम रिपोर्ट में दिए गए है।

पांच साल में चार बच्चे, बेटियां हुई तो पत्नी और बेटियों को दी ये खौफनाक सजा, बेटों को लेकर भागा पति

अलवर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर शहर से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। पांच साल में चार बच्चे हुए। दो बेटे होने के बाद पत्नी फिर से गर्भवती हुई। इस बार दो बेटियों को जन्म दिया और उसी बात से बवाल हो गया। जुड़वां बेटियों के जन्म के बाद पति ने पत्नी को पीटा और घर से निकाल दिया। साथ ही दोनों बेटियों को भी चारपाई से उठाकर नीचे फेंक दिया और बाद में बेटों को लेकर फरार हो गया। मामले की जांच सदर थाना पुलिस कर रही है। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे थे। उसका पीहर अलवर के दिल्ली दरवाजा इलाके में बताया जा रहा है। उसके माता-पिता का निधन हो चुका है और परिवार में दादी है। प्रिया का मई 2020 में विवाह मालाखेड़ा इलाके में रहने वाले समय सिंह के साथ हुआ था।

श्री बाबा गंगाराम धाम, झुंझुनू में स्वर्ण जयंती विशाल मेला सम्पन्न

भजन सम्राट अनूप जलोटा ने बहायी भजनों की सुर सरिता, पूरा झुंझुनू नगर श्रद्धा और भक्ति में डूबा

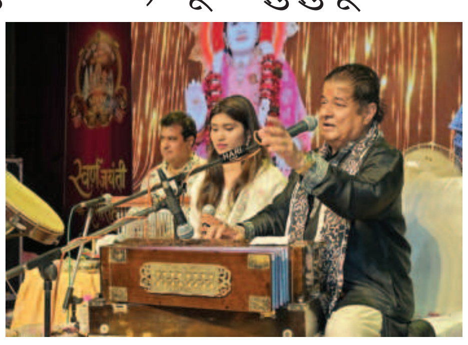

झुंझुनू, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। श्री पंचदेव मंदिर के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में दो दिवसीय स्वर्ण जयंती विशाल मेला धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ। मेले में भव्य शोभायात्रा, भजन सम्राट अनूप जलोटा द्वारा भजन संध्या, सैन्ड आर्ट द्वारा लीला मंचन, बनारस के पंडितों द्वारा गंगा आरती, धार्मिक झांकियां आदि कई आयोजनों के दौरान झुंझुनू नगर श्रद्धा, भक्ति और प्रेम के अद्भुत संगम में गोते लगाता रहा। इस अवसर पर देश विदेश से हजारों भक्तजन पधारे। नगर की प्रमुख संस्थाओं द्वारा विभिन्न स्थानों पर यात्रियों के लिए सेवा शिविर लगाए गए।

मेले का शुभारंभ श्री पंचदेव मंदिर में विशाल शोभायात्रा से हुआ। ट्रस्टी अनिल मोदी द्वारा बाबा गंगाराम, भक्त शिरोमणि देवकीनंदन एवं शक्तिस्वरुपा देवी गायत्री के उत्सव विग्रह की रथ पर विशेष पूजा अर्चना और आरती की गई। शोभायात्रा में एक समान परिधान में सबसे आगे महिलाए मंगल कलश लेकर चल रही थी और पुरुष केसरिया ध्वज हाथ में लेकर जयकारे लगते हुए चल रहे थे। नासिक का सुप्रसिद्ध पथक ढोल, केरल से आई हुयी एक से बढ़कर एक सचेतन झांकियां भी निकाली गई। स्थान-स्थान पर शहर वासियों द्वारा आरती उतारी गई और पुष्प वर्षा की गई। पूरा झुंझुनू नगर आध्यात्ममय हो गया। शोभायात्रा में देश के कोने-कोने से आए हुए हजारों प्रवासी भक्त विशेष रूप से शामिल हुए। रास्ते में जगह-जगह नगर की संस्थाओं द्वरा तोरण द्वार बनाये गए थे। महावीर इंटरनेशनल के तत्वावधान में गांधी चौक में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

भजन सम्राट पद्मश्री अनूप जलोटा ने कार्यक्रम प्रस्तुत कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। उन्होंने भजनों की ऐसी सुर सरिता बहायी की सभी मंत्र मुग्ध हो गए। उन्होनें कहा कि मैंने देश भर में श्री बाबा गंगारामजी के कई प्रोग्राम दिए हैं, पर मुख्य धाम झुंझुनूं में पहली बार प्रोगाम करके बहुत रोमांचित हूँ। उन्होंने पंचदेव मंदिर के त्याग तपस्या और भक्ति को समर्पित भजन "बन्दे भजले बाबा गंगाराम.....", "हे विष्णु के अवतारी बाबा गंगाराम.......", आदि सुनाए। मंदिर ट्रस्ट की ओर से अशोक केजड़ीवाल हैदराबाद और गोरीशंकर गुप्ता बैंगलोर ने उन्हें शाल ओढ़ाकर मंदिर का प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

सैन्ड आर्टिस्ट नीतीश भारती ने अपनी विशेष कला सैन्ड आर्ट से "बाबा गंगाराम की कहानी सैन्ड आर्ट ने बखानी" का प्रदर्शन कर लोगों को विस्मित कर दिया। पूरा पंडाल निस्तब्ध होकर रेत की इस विशेष कला को निहारता रहा। उनका स्वागत मुंबई के प्रमोद जालान और कोलकता के सुबीर पोद्दार ने किया।

सामूहिक चरण पादुका अभिषेक किया गया। मंदिर में सेवारत तपस्वी परिवार द्वारा बाबा गंगाराम, भक्त देवकीनंदन एवं गायत्री देवी के चरण पादुका मंच पर एक वेदी पर स्थापित किये गए। विद्वान पंडितों द्वारा वेद पाठ, शंख ध्वनि एवं भक्तों की करतल ध्वनि के साथ पंचामृत, विभिन्न नदियों के जल, फलों का रस, धातु जल से अभिषेक किया गया।

इसके अलावा सौरभ केशव मधुकर द्वारा बाबा गंगाराम लीला मंचन, कोलकाता के श्याम अग्रवाल द्वारा धुनुची नृत्य एवं श्री रासा बैंड का अद्भुत प्रदर्शन, नवीन जोशी कोलकाता द्वारा अमृतवानी पाठ सहित एक से बढ़कर एक आयोजनों ने भक्तों का मन मोह लिया।

बनारस की विख्यात गंगा आरती से मेले का समापन हुआ। बनारस से पधारे हुए पंडितों ने एक कतार में खड़े होकर आरती शुरू की, मंत्र गूंजने लगे, ढोल -घड़ियाल बजने लगे और मानों बाबा गंगा धाम- पंचदेव मंदिर परिसर में बनारस का गंगाजी का घाट साकार हो उठा हो।

मेले में अतिथि के रूप देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री श जोराराम कुमावत एवं सहकारिता व नागरिक उड्डयन मंत्री गौतम दक, विधायक राजेन्द्र भाम्बू, भिवानी (हरियाणा) विधायक एवं पूर्व मंत्री घनश्याम सर्राफ सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

विदेशों से भी आये प्रवासी देश के हर प्रान्त से ही नहीं बल्कि विदेशों में अमेरिका, लंदन, काठमांडू, सिंगापुर, दुबई से भी प्रवासी भक्त बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने पधारे । चारों तरफ श्रद्धा उल्लास एवं भक्ति का वातावरण फैला हुआ था। समारोह की व्यवस्था में अशोक केजरीवाल, मनीष अग्रवाल, सत्यनारायण सरावगी, गिरीश सर्राफ, चंद्रप्रकाश छावछरिया, संजय जालान, राजकुमार मोदी, जुगलकिशोर पोद्दार, सुनील मोदी, राजकुमार खेमानी, अरविंद जालान एवं स्थानीय प्रमोद खंडेलिया, गणेश हलवाई, नेमी अग्रवाल, प्रदीप पाटोदिया, नारायण जालान, विमल टमकोरिया, संजय नांगलिया, निर्मल मोदी, बंटी टिबड़ा, अंजनी जालान, सी ए लोकेश अग्रवाल, अजीत राणासारिया, विनोद जालान, अमित जगनानी, डा. डी. एन. तुलस्यान, सुरेश मोदी, अनूप गाडिया, अमित जगनानी, सुभाष जालान, संदीप गोयल, विपिन राणासारिया, प्रमोद मोदी, सुभाष हंसासरिया, आशीष तुलस्यान, राजेश ढेधिया, महेश मोदी, रूपेश तुलस्यान, सुनील मोदी, महेंद्र टीबडा, दीपक केडिया, अशोक तुलस्यान, दीपक मस्करा, रवि राणासारिया, प्रमोद तुलस्यान, संजीव मोदी आदि लगे हुए हैं. श्री बाबा गंगाराम धाम के दो दिवसीय भव्य मेले की सुचारू व्यवस्था एवं सक्रिय सहयोग के लिए मंदिर ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी अनिल कुमार मोदी ने सभी का आभार जताया।

जीएम ने कर्नूल सिटी–सिकंदराबाद सेक्शन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने आज गुरूवार को हैदराबाद डिवीजन के कर्नूल सिटी–सिकंदराबाद सेक्शन का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ हैदराबाद डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर लोकेश विश्नोई और मुख्यालय और डिवीजन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अरुण कुमार जैन ने श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा हॉल्ट स्टेशन से निरीक्षण की शुरुआत की, जहाँ उन्होंने मौजूदा यात्री सुविधाओं, स्टेशन की संपत्तियों और सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की, जिसे 1.5 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत 6.07 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले इस स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों के दौरान अपनाई जा रही सुरक्षा प्रक्रियाओं और दिशा–निर्देशों की जांच की।

उन्होंने अधिकारियों को लक्ष्य समय के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने कर्नूल में स्थापित किए जा रहे कोच मिडलाइफ रिहैबिलिटेशन वर्कशॉप (सीएमएलआर) में नई लाइन कनेक्टिविटी के चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने नई लाइन और वर्कशॉप के चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति के बारे में महाप्रबंधक को जानकारी दी। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने कर्नूल में सीएमएलआर वर्कशॉप के चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। सीएमएलआर वर्कशॉप को 2013–14 के दौरान 283 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत के साथ मंजूरी दी गई थी, जिसे बाद में संशोधित कर 562 करोड़ रुपये कर दिया गया। एक बार पूरा हो जाने के बाद, वर्कशॉप में प्रति माह 50 कोचों की मरम्मत करने की क्षमता होगी। वर्कशॉप को आवश्यक मशीनरी से भी सुसज्जित किया जाएगा ताकि यहां कोचों की समय–समय पर ओवर हॉलिंग की जा सके। प्रथम चरण में गैर–एसी कोचों की मरम्मत का कार्य पूरा किया जाएगा तथा तत्पश्चात एसी कोचों के रखरखाव के लिए वर्कशॉप का विस्तार किया जाएगा। नागराजू बस्तीपति, सांसद, कर्नूल ने महाप्रबंधक से मुलाकात की तथा अपने क्षेत्राधिकार से संबंधित रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त महाप्रबंधक ने कुरनूल सिटी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया, उन्होंने स्टेशन पर यात्री सुख–सुविधाओं, सर्कुलेटिंग एरिया का जायजा लिया। उन्होंने कुरनूल सिटी रेलवे स्टेशन में रेलवे खेल परिसर का उद्घाटन किया तथा स्टेडियम में उपलब्ध सुविधाओं, ओपन जिम, बच्चों के खेलने के क्षेत्र आदि का जायजा लिया तथा हरित वातावरण के लिए एक पौधा लगाया। उन्होंने कहा कि यह स्टेडियम रेलवे कर्मचारियों तथा उनके परिवारों के लिए आधुनिक स्पॉट उपकरणों का सर्वोत्तम उपयोग करके उनके खेल कौशल तथा व्यक्तित्व फिटनेस को विकसित करने में उपयोगी होगा। इसके बाद महाप्रबंधक ने कुरनूल से सिकंदराबाद सेक्शन का निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने मोड़, ढाल, पुल, सिग्नल और पटरियों के रखरखाव आदि के कई सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की।

करीमनगर में लापरवाही और रखरखाव की कमी से हरिता हरम के पौधे हो गए नष्ट

करीमनगर, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर में लोअर मनैर डैम के पास 2017 में हरिता हरम पहल के तहत लगाए गए पौधे पूरी तरह सूख गए हैं। पौधों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही साफ तौर पर दिखाती है कि एक मुरझाया हुआ तना छोड़कर, सिर्फ़ एक ट्री गार्ड और एक नाम बोर्ड ही बचा है। संयोग से, इन नाम बोर्डों पर पौधे लगाने वालों के नाम हैं, जिनमें 12 जुलाई, 2017 को लगाए गए 'मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव', तत्कालीन वित्त मंत्री ईटाला राजेंद्र, पूर्व वन मंत्री जोगू रमन्ना आदि के नाम वाले बोर्ड शामिल हैं। इन्हें लोअर मनैर डैम के पास हरिता हरम के तीसरे चरण के हिस्से के रूप में लगाया गया था।

कुछ पेड़ तो अपने आप ही उग आए, लेकिन ज़्यादातर पेड़ रखरखाव के अभाव में पूरी तरह सूख गए।

गांधीवादी ग्राम स्वराज को खत्म करने के लिए कांग्रेस शासन की आलोचना

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के दशक भर के शासन में विकसित गांधीवादी ग्राम स्वराज को खत्म करने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने याद दिलाया कि चंद्रशेखर राव ने न केवल तेलंगाना आंदोलन की आकांक्षाओं को पूरा किया बल्कि महात्मा गांधी के ग्राम स्वशासन के सपने को भी साकार किया।

उन्होंने कहा कि बीआरएस शासन के तहत, एक समय भूले हुए गांव प्रगति के मॉडल बन गए। स्वच्छ परिवेश, भरपूर हरियाली और निर्बाध बुनियादी सेवाओं ने ग्रामीण तेलंगाना को देश के लिए एक आदर्श बना दिया है। गुरुवार को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कूड़े के ढेरों को हटाने, सीवेज की समस्याओं के समाधान और पल्ले प्रगति कार्यक्रम के तहत नागरिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाने सहित बीआरएस सरकार की उपलब्धियों को याद किया। उन्होंने याद दिलाया कि हालांकि तेलंगाना देश की आबादी का सिर्फ तीन प्रतिशत हिस्सा है, लेकिन इसने राष्ट्रीय ग्रामीण विकास पुरस्कारों में से 30 प्रतिशत जीते हैं।

रामा राव ने कांग्रेस शासन में गांवों की मौजूदा स्थिति पर दुख जताया, जिसमें गिरावट देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव नहीं, 15वें वित्त आयोग के फंड नहीं, पीने का पानी नहीं, श्रमिकों के लिए मजदूरी नहीं और पंचायत कर्मचारियों के लिए वेतन नहीं। तेलंगाना के आदर्श गांव अब संकट में हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण आबादी केंद्र में भाजपा और राज्य में कांग्रेस दोनों से ही ठगी महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि लोग देख रहे हैं कि कैसे तेलंगाना के आदर्श गांवों को बर्बाद किया जा रहा है। वे दिल्ली की पार्टियों को उचित सबक सिखाएंगे।

हैदराबाद जिला स्थानीय निकायों के एमएलसी वोटों की गिनती की व्यवस्था पूरी : रिटर्निंग ऑफिसर

* आज प्रात: 8 बजे मतगणना प्रारम्भ होगी

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रिटर्निंग ऑफिसर अनुराग जयंती ने कहा कि हैदराबाद जिला स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों की मतगणना से संबंधित सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

उन्होंने बताया कि मतगणना शुक्रवार, 25 अप्रैल को प्रातः 8 बजे प्रारम्भ होगी तथा मतगणना के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था एवं कार्मिक नियुक्त कर दिए गए हैं। इस अवसर पर चुनाव पर्यवेक्षक सुरेन्द्र मोहन ने जीएचएमसी कार्यालय में स्थापित मतगणना केंद्र का दौरा किया और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मतपेटी सुरक्षा, वीडियो रिकॉर्डिंग और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर कई सुझाव दिए गए। मतगणना के लिए विशेष

मतगणना टेबल, सीसीटीवी कैमरे और पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। रिटर्निंग अधिकारी ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए गए हैं कि मतों की गिनती पारदर्शी तरीके से और चुनाव नियमों के अनुसार हो। कार्यक्रम में चुनाव विभाग के अतिरिक्त आयुक्त अलीवेलु मंगतायारू और संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

भावसार विजन इंडिया की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अफजल नगर, मलकपेट स्थित श्रीमती शीतल नीमकर के आवास पर भावसार विजन इंडिया श्रेत्र – 104 की पदाधिकारियों और निदेशक मंडल की बैठक हुई। अवसर पर सर्वप्रथम मनीष सूत्रावे (पूर्व राष्ट्रीय मंत्री), डॉ. प्रशांत नीमकर (एनईसी सदस्य), राकेश गिते, प्रवीण पतंगे, श्रीमती अश्विनी पतंगे, श्रीमती शीतल नीमकर (अध्यक्ष) शंकर आसुतकर (मंत्री) एवं सभी पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत आतंकवादियों के क्रूर हमले में अपनी जान गंवाने वाले हिंदू पर्यटकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। बैठक में आगामी परियोजनाओं पर दो वक्ताओं की बैठक, सेवा परियोजनाएं, 3 मनोरंजन कार्यक्रम तय किए गए।

वीर कुंवर सिंह का विजयोत्सव मनाया गया

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता। बीजेयूपी राजपूत सेवा संघ के द्वारा वीर कुंवर सिंह का विजय उत्सव सैनिकपुरी, ऑफिस, में मनाया गया। अवसर पर समाज के अध्यक्ष द्वारा वीर योद्धा को माल्यार्पण किया गया। अंत में वीर कुंवर सिंह अमर रहे के जयकारे के साथ कार्यक्रम को समाप्त किया गया। इसमें राजपूत समाज के सभी सदस्य उपस्थित रहे, अध्यक्ष ललन सिंह, महासचिव धनंजय राज सिंह, ट्रेजर एम. बी.सिंह, आनंद सिंह डी.के सिंह, नवीन बिहारी सिंह, अजय सिंह, रमेश सिंह, आर. एन. सिंह, सचिन सिंह, पप्पू सिंह, अभिषेक सिंह, गणपत सिंह, रविंद्र सिंह, कलिंदा सिंह, धनंजय सिंह, विनय सिंह एवं श्री आनंद सिंह उपस्थित रहे।

वाईएसआरसीपी ने गठबंधन सरकार की वित्तीय अनुशासनहीनता पर आपत्ति जताई

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरसीपी ने गठबंधन सरकार की वित्तीय अनुशासनहीनता और निजी खिलाड़ियों को ऑफ–बजट उधारी लेने के दौरान सरकारी निधियों तक पहुंच की अनुमति देने के उसके फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है।

गुरुवार को यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए पूर्व वित्त मंत्री बुग्गना राजेंद्रनाथ ने कहा कि राज्य खनिज विकास निगम (एपीएमडीसी) के सभी भावी उधारों को गिरवी रखने और निजी पक्षों को समेकित निधि तक सीधी पहुंच की अनुमति देने का सरकार का फैसला बेहद आपत्तिजनक और अलोकतांत्रिक है। उन्होंने कहा कि बांड जारी करके जुटाई जा रही राशि का इस्तेमाल राजस्व व्यय के लिए किया जाएगा, जिससे आम लोगों पर बोझ बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि एनसीडी (गैर परिवर्तनीय डिबेंचर) जारी करने से राज्य पर और बोझ पड़ेगा और इसकी सर्विसिंग पर भारी असर पड़ेगा। बांड जारी करना सामान्य बात है, लेकिन बांड के संरक्षक निजी पक्ष को आरबीआई से सीधे धन निकालने की अनुमति देना अभूतपूर्व और आपत्तिजनक है और हम मांग करते हैं कि गठबंधन के सहयोगी इस विसंगति को गंभीरता से लें और चंद्रबाबू सरकार से सवाल करें। उन्होंने कहा कि बांड के माध्यम से जुटाई जाने वाली राशि एपीएमडीसी के राजस्व से कई गुना अधिक है और यह राशि विविध खाते और राजस्व व्यय के लिए जाएगी और एक ऐसी सरकार के लिए जो धन सृजन का दावा करती है, यह पूरी तरह से इसके विपरीत है।

जब वाईएसआरसीपी ने कुछ संपत्तियां गिरवी रखी थीं, तो गठबंधन के सहयोगियों ने शोर मचाया था और ऑफ–बजट उधार के बारे में ऊंची आवाज में बात की थी, लेकिन अब वही गठबंधन इस तरह की वित्तीय अनियमितता की मांग कर रहा है, जो बेहद निंदनीय है। वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार की तुलना में, गठबंधन सरकार के ऋण बढ़ गए हैं और राजस्व कम हो गया है। चंद्रबाबू नायडू सरकार द्वारा अब तक लिया गया ऋण 1.40 लाख करोड़ रुपये है और यह पैसा कहां गया, इसका कोई हिसाब नहीं है।

चुनावों के दौरान किए गए वादों के अनुसार कोई कल्याणकारी योजना लागू नहीं की गई है, किसानों से लेकर छात्रों, महिलाओं, कर्मचारियों और व्यापारियों तक सभी वर्ग के लोग सरकार से निराश हैं। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकाल के दौरान एकत्र किए गए अतिरिक्त वैट का उपयोग कल्याणकारी योजनाओं के लिए किया गया और हमने निगम के पैसे का दुरुपयोग नहीं किया। उन्होंने कहा कि कोविड के बावजूद हमने गरीबों के कल्याण के अपने एजेंडे को पूरा करने के अलावा बेहतर तरीके से वित्त का प्रबंधन किया है, जबकि गठबंधन निजी व्यक्तियों को सरकारी खजाने से लाभ पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने में विफलता और धन सृजन की अवधारणा के विफल होने से गठबंधन सरकार का धोखा उजागर हुआ है क्योंकि समाज का हर वर्ग प्रभावित है। बुग्गना राजेंद्रनाथ ने समझाया कि टीडीपी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार का गैर–परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के जरिए आंध्र प्रदेश खनिज विकास निगम (एपीएमडीसी) के जरिए 9,000 करोड़ रुपये जुटाने का कदम गंभीर वित्तीय कुप्रबंधन और संवैधानिक सिद्धांतों का घोर उल्लंघन है।

एपीएमडीसी की सीमित पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं के बावजूद–चूंकि खनन कार्य बड़े पैमाने पर आउटसोर्स किए जाते हैं–सरकार अपने स्वयं के राजस्व व्यय को वित्तपोषित करने के लिए पीएसयू को भारी कर्ज में धकेल रही है। परिचालन और रणनीतिक विकास के लिए लक्षित धन का यह मोड़ एपीएमडीसी को उसके मुक्त नकदी प्रवाह से वंचित करता है और इसकी दीर्घकालिक स्थिरता को कमजोर करता है।

दो दिवसीय भारत शिखर सम्मेलन आज से शुरू होगा

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार 'भारत शिखर सम्मेलन 2025' का आयोजन कर रही है, जो 25 और 26 अप्रैल को एचआईसीसी नोवोटेल में होने वाला एक महत्वपूर्ण वैश्विक कार्यक्रम है, जिसमें 100 से अधिक देशों के 450 प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस शिखर सम्मेलन में 100 से अधिक नवीन राजनीतिक दलों के साथ–साथ 40 से 50 मंत्रियों और 50 संसद सदस्यों और सीनेटरों के भाग लेने की उम्मीद है। इस अवसर पर राज्य सरकार ने घोषणा की है कि भारत शिखर सम्मेलन 2025 के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर इससे संबंधित एक वीडियो साझा किया है, जिसमें इसे दुनिया के लिए एक पथ–निर्धारक अवसर के रूप में उजागर किया गया है।

श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ एवं मूर्ति प्राण–प्रतिष्ठा 15 मई से

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्री प्रभुजी महाराज विश्वकर्मा एवं सहयोगी बन्धुओं के द्वारा राजस्थान रायपुर तहसील के झूंठा गांव में जोधपुर निवासी संत अमृतरामजी महाराज के सानिध्य में 15 मई से 21 मई तक श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ कथा का आयोजन किया गया है । इसी परिप्रेक्ष्य में 18 मई को प्रात: 11–15 बजे गणेशजी, रामदेवजी श्रीदेवनारायण एवं श्री विश्वकर्मा महाराज की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जायेगी । आज बेगमबजार पर धर्माराम ढाका की अध्यक्षता मे बैठक रखी गई। जिसका संचालन महावीर प्रसाद व्यास मास्टर ने किया। संयोजक मण्डल के राम किशोर भडलिवाल ने सात दिन तक चलने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा का ब्यौरा प्रस्तुत किया। बैठक में सभी ने अपने अपने विचार रखे। बैठक में धर्माराम ढाका,महावीर व्यास, रामकिशोर भडलिवाल (कुमावत) विजुगोपाल सीक्काल,रामदेव नागला, केदारमल खुदाल, राकेश मादणिया,प्रकाश भडलीवाल,पेमाराम मावर व अन्य उपस्थित रहे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें X@SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट:www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

PUB/0445

प्रपत्र 10–01
सार्वजनिक अधिसूचना

इसके द्वारा निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि,

सेक्शनः नई लूप लाइन 2 (अर्थात् रोड–3) पोथुलपाडू न्यू क्रासिंग स्टेशन पर नई निर्मित ओएचइ का उर्जीकरण या एनर्जाइशेसन करना एवम् दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन के ओएचइ मास्ट लोकेशन से **227/6(किमी/सीएच:227/328.70) से 228/10 (किमी/सीएच:228/546.6)** बीजी सिंगल लाइन सेक्शन मनोपाड(एमओए)–आलमपूर रोड(एलपीआर) स्टेशनों के बीच तत्संबंधित उर्जीकरण कार्य।

दक्षिण मध्य रेलवे के फ्राइट सर्विसेज के संचालन तथा यात्रियों की ढुलाई के लिए पोथुलपाडू न्यू क्रासिंग स्टेशन पर ओचइ मास्ट से **227/6(किमी/सीएच:227/328.70) से 228/10(किमी/सीएच:228/546.6)** के मामले में दि. 20–04–2025 को या इसके बाद 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड., एसी ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स रोड नं. 1 पर उर्जीकरण किया जायेगा। अतः उपरोक्त तिथि एवम् उसी तिथि से, सभी समय पर ट्रैक्शन लाइन को सक्रिय माना जायेगा तथा उपरोक्त ओवरहेड लाइन के **नई लूप लाइन्स और पोथुलपाडू न्यू क्रासिंग** परिसर में कोई भी अनधिकृत व्यक्ति न जा सकेगा एवं कोई कार्य ही कर सकेगा।

प्रपत्र 10–2
(एसीटीएम पैरा 21020, वाल्यूम ।।, पार्ट ।, सुधार पर्ची सं.32, दि.09.10.2020)
एसी 25केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ
सडक उपयोगकर्ताओं को चेतावनी

निम्नलिखित सेक्शन के एसी 25केवी ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में जनसाधारण को अधिसूचित किया जाता है कि,

सेक्शनः नई लूप लाइन 2 (अर्थात् रोड–3) पोथुलपाडू न्यू क्रासिंग स्टेशन पर नई निर्मित ओएचइ का उर्जीकरण या एनर्जाइशेसन करना एवम् दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन के ओएचइ मास्ट लोकेशन से **227/6(किमी/सीएच:227/328.70) से 228/10(किमी/ सीएच:228/546.6)** बीजी सिंगल लाइन सेक्शन मनोपाड(एमओए)–आलमपूर रोड(एलपीआर) स्टेशनों के बीच तत्संबंधित उर्जीकरण कार्य।

दक्षिण मध्य रेलवे के फ्राइट सर्विसेज के संचालन तथा यात्रियों की ढुलाई के लिए पोथुलपाडू न्यू क्रासिंग स्टेशन नई लूपलाइन 2 (अर्थात् रोड–3) पर ओचइ मास्ट से **227/6(किमी/सीएच:227/328.70) से 228/10(किमी/सीएच:228/546.6)** के बीजी सिंगल लाइन सेक्शन मनोपाड (एमओए) तथा आलमपूर रोड (एलपीआर) स्टेशन के मामले में एलपीआर यार्ड में एलसी गेट्स नही है तथा नई प्रस्तावित लाइन के तहत हाइट गेजेस है, से संबंधित सार्वजनिक सूचना लागू नहीं है।

A0558 **वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआर/हैदराबाद**

भाजपा ने अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को वापस भेजने की मांग की

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पहलगाम में हुए बड़े आतंकवादी हमले के मद्देनजर भाजपा ने आज राज्य कांग्रेस सरकार से मांग की कि वह वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी पुराने शहर में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजने के लिए विशेष अभियान चलाए।

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष और उप्पल के पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने कहा कि ऐसी खबरें हैं कि कई पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नागरिक वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी लंबे समय से पुराने शहर में रह रहे हैं, जिससे लोगों की सुरक्षा को खतरा है।

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है और इसकी सभी लोग निंदा करते हैं, जहां आतंकवादियों ने पर्यटकों के रूप में वहां गए हिंदुओं की उनकी आस्था की पहचान करके हत्या की है। मोदी सरकार ने सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए इस्लामाबाद के खिलाफ तुरंत कई कदम उठाए हैं।

प्रभाकर ने कहा कि इस जघन्य कृत्य के अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रभाकर ने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार को अवैध रूप से रह रहे विदेशियों को उनके देशों में वापस भेजने के लिए पुलिस को खुली छूट देनी चाहिए क्योंकि इससे पहले पुलिस बीआरएस और एमआईएम के बीच नापाक गठबंधन के कारण हैदराबाद में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई करने में असहाय थी। अब कांग्रेस सरकार को आतंकवादी हमले के मद्देनजर इस अवसर पर आगे आना चाहिए और पुलिस को उन्हें वापस भेजने का अधिकार देना चाहिए। उन्होंने बीआरएस और कांग्रेस के साथ एमआईएम की मौन सहमति को अवसरवादी गठबंधन करार दिया। बीआरएस पार्टी के स्थापना दिवस समारोह पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रभाकर ने आश्चर्य जताया कि क्या यह टीआरएस और बीआरएस का स्थापना दिवस था।

जबकि टीआरएस तेलंगाना राज्य के विकास के लिए बनी थी और बाद में यह एक राष्ट्रीय पार्टी बन गई। लेकिन टीआरएस राज्य का विकास करने में विफल रही है जबकि बीआरएस राष्ट्रीय स्तर पर लगभग गायब हो गई है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना राज्य के चार करोड़ लोगों के विकास का वादा किया था, लेकिन एक परिवार के केवल चार सदस्यों ने ही संपत्ति अर्जित की है। टीआरएस/बीआरएस शासन के दौरान उपलब्धियों पर ध्यान देने लायक कुछ भी नहीं है।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 144वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 27 को

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के सहयोग से 144 वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर सरुरनगर के कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित आराधना होम में रविवार 27 अप्रैल को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप में एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की जांच की जाएगी तथा योग्य को निशुल्क चश्में एवं मोतियाबिंद का ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। अवसर पर अस्पताल किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट, जनरल फिजिशियन, कार्डियलजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा दी जाएगी। जिसमें सामान्य चिकित्सा की सेवा डॉ.अखिला क्लीनिक के डॉ. अखिल सुंगधी एवं डॉ.मीनल खिरैया सुगंधी द्वारा दी जाएगी। दांतों की जांच एसएनआर के डॉ.निखिल द्वारा की जाएगी तथा श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा निशुल्क जांच कर कृत्रिम पैर, हैंड किट्स, कैलिपर्स व कृत्रिम हाथ व डायलिसिस के लिए आवश्यक रोगी के लिए निशुल्क डायलिसिस की सेवा की व्यवस्था की जाएगी। अवसर पर रेनबो चिल्ड्रन हार्ट इंस्टीट्यूट द्वारा सेवा दी जाएगी। शिविर रविवार 27 अप्रैल को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक होगा लेकिन नाम पंजीकरण कार्यक्रम स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक ही रहेगा। सभी से इस सेवा का लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

शिविर के संबंध में अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, पंकज कुमार संगी, प्रदीप बंसल, निश्चिंत अग्रवाल, माधव राव से संपर्क किया जा सकता है।

खम्मम, कोत्तागुडेम में विभिन्न वर्गों ने की पहलगाम आतंकी हमले की निंदा

खम्मम, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जम्मू एवं कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए पूरे खम्मम में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस हमले में कई पर्यटक मारे गए थे। सीपीआई, सीपीआई (एम), एआईएसएफ, कांग्रेस, टीजीईजेएसी और अन्य जन संगठनों के कार्यकर्ताओं ने खम्मम और कोठागुडेम जिलों में विरोध रैलियां निकालीं और आतंकवादियों के पुतले जलाए। माकपा के खम्मम जिला सचिव नुन्ना नागेश्वर राव ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर की गई क्रूर गोलीबारी, जिसमें 26 भारतीयों की मौत हो गई, एक जघन्य कृत्य है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गौतम गंभीर को जान से मरने की धमकी

आईएसआईएस कश्मीर ने लिखा-आई किल यू; 4 साल पहले भी ऐसा ही मेल मिला था

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी मिली है। आईएसआईएस कश्मीर नाम की मेल आईडी से दो मेल आए। दोनों में लिखा था- आई किल यू।

इसके बाद गौतम ने गुरुवार को दिल्ली के राजेंद्र नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। गंभीर ने पुलिस से परिवार और करीबी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है। गंभीर को नवंबर 2021 में भी धमकीभरा मेल आया था। तब वे पूर्वी दिल्ली से सांसद थे।

गंभीर ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की थी

गंभीर ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की और इसका करारा जवाब देने की मांग की थी। गंभीर ने एक्स पर लिखा था कि मृतकों के परिवारों के लिए प्रार्थना। इसके लिए जिम्मेदार लोगों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

पहलगाम में मंगलवार को बायसरन घाटी में आतंकवादियों की ओर से की गई गोलीबारी में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की विंग द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली थी।

गंभीर टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद से टीम इंडिया के हेड कोच हैं

गौतम गंभीर टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद से टीम इंडिया के हेड कोच हैं। इससे पहले वह IPL फ्रेंचाइजी KKR के साथ जुड़े हुए थे। वहीं गंभीर की अगुआई में टीम इंडिया ने हाल ही में पाकिस्तान और दुबई में हुई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया।

'पाकिस्तान के साथ बाइलेटरल सीरीज'

पहलगाम हमले के बाद बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच का दुनियाभर के फैंस को इंतजार रहता है। हालांकि राजनीतिक मुद्दों की वजह से दोनों देश लंबे समय से कोई बाइलेटरल सीरीज नहीं खेले हैं। कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच रिश्ते एक बार फिर से तल्ख हो गए हैं। इस कायराना हमले में 28 निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवा दी। इस हमले के बाद सभी के मन में यह सवाल है कि क्या दोनों देशों के बीच बाइलेटरल सीरीज देखने को मिलेगी। इस बात का जवाब बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने दिया है।

उन्होंने 'स्पोर्ट्स तक' से बात करते हुए पहलगाम आतंकी हमले

की कड़ी शब्दों में निंदा की और कहा कि जो भारतीय सरकार कहेगी, बीसीसीआई वही करेगी। हम पाकिस्तान के खिलाफ कोई बाइलेटरल सीरीज नहीं खेलेंगे। हम पीड़ितों के साथ हैं और इसकी निंदा करते हैं। हमारी सरकार जो भी कहेगी, हम करेंगे।'

'भविष्य में भी हम बाइलेटरल सीरीज नहीं खेलेंगे'

उन्होंने आगे कहा, 'हम सरकार के रुख के कारण पाकिस्तान के साथ बाइलेटरल सीरीज नहीं खेलते हैं और हम भविष्य में भी पाकिस्तान के साथ बाइलेटरल सीरीज नहीं खेलेंगे। लेकिन जब आईसीसी इवेंट की बात आती है तो हम आईसीसी की भागीदारी की वजह से खेलते हैं। आईसीसी भी जानता है कि जो कुछ भी हो रहा है, वे उसके साथ करेंगे।'

12 साल पहले खेले थे दोनों देश

बता दें कि पिछली बार भारत और पाकिस्तान ने 2012-2013 में बाइलेटरल सीरीज खेली थी। तब दोनों देशों के बीच दो मैच की टी-20 और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली गई थी। भारत की बात करें तो उसने आखिरी बार 2008 में पाकिस्तान का दौरा किया था, जब टीम एशिया कप खेलने पड़ोसी मुल्क गई थी। इस साल पाकिस्तान में चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन किया गया था, जहां भारत ने अपने सभी मैच यूएई में खेले थे। भारत फाइनल में पहुंचा था, इसलिए यह मैच भी दुबई में ही खेला गया था।

पाकिस्तान के नदीम ने ठुकराया नीरज का न्योता

एनसी क्लासिक प्रतियोगिता के लिए भेजा था निमंत्रण

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम ने कहा कि बेंगलुरू में 24 मई को एनसी क्लासिक भालाफेंक टूर्नामेंट में भाग लेने का नीरज चोपड़ा का न्योता उन्होंने ठुकरा दिया है क्योंकि वह इस दौरान आगामी एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तैयारियों में व्यस्त होंगे।

नदीम ने दी सफाई

नदीम ने कहा, 'एनसी क्लासिक प्रतियोगिता 24 मई को है, जबकि मैं 22 मई को एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए कोरिया रवाना हो जाऊंगा।' उन्होंने कहा कि वह 27 से 31 मई तक कोरिया में होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप के लिए काफी मेहनत कर रहे हैं। नीरज ने

सोमवार को मीडिया से वर्चुअल बातचीत में कहा था, 'मैंने अरशद को न्योता भेजा है और उसने कहा कि अपने कोच से बात करके वह जवाब देगा। अभी तक उसने भागीदारी की पुष्टि नहीं की है।' नदीम ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 92.97 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता था जबकि नीरज ने 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता। पहली नीरज चोपड़ा भालाफेंक प्रतियोगिता में ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और जर्मनी के थॉमस रोलेर जैसे सितारे भाग ले रहे हैं।

एनसी क्लासिक प्रतियोगिता बंगलुरू में

नीरज चोपड़ा क्लासिक प्रतियोगिता का पहला चरण पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण 24 मई को बंगलुरू के कांतिरवा स्टेडियम में होगा। विश्व एथलेटिक्स द्वारा इस प्रतियोगिता को श्रेणी ए का दर्जा दिया गया है। नीरज ने कहा, 'मैं चाहता था कि यह प्रतियोगिता पंचकुला में आयोजित हो, लेकिन वहां स्टेडियम में रोशनी की व्यवस्था से संबंधित कुछ मुद्दे हैं। विश्व एथलेटिक्स 600 लक्स चाहती थी लेकिन पंचकुला में इतनी रोशनी उपलब्ध नहीं थी और इसे तैयार करने में समय लगेगा। इसलिए हमने प्रतियोगिता को बंगलूरू के कांतिरवा स्टेडियम में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। हमारे पास वहां एक टीम है और वहां इसका आयोजन करना बहुत आसान होगा।'

कई दिग्गज लेंगे हिस्सा

इस कार्यक्रम का आयोजन नीरज और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) और विश्व एथलेटिक्स के सहयोग से संयुक्त रूप से किया जाएगा, जिसमें शीर्ष वैश्विक और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी भाग लेंगे। पीटर्स ने 2024 पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था और रोहलर के अलावा केन्या के जूलियस येगो (2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक विजेता और 2015 विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता भी हैं) और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन ने भी भागीदारी की पुष्टि की है।

'अंपायर भी पैसे ले रहे हैं', वीरेंद्र सहवाग को रास नहीं आई ईशान किशन की 'ईमानदारी'

मुंबई, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच मैच हुआ, जहां दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा की एक और तूफानी पारी के दम पर मुंबई ने लगातार चौथी जीत दर्ज की। इस मैच में आउट न होने और अंपायर के फैसले का इंतजार न करने के बावजूद ईशान किशन वापस पवेलियन लौट गए। उनका यह फैसला किसी को भी समझ नहीं आया। इनमें एक नाम पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग का भी है, जिन्होंने उनके फैसले की जमकर आलोचना की है।

उन्होंने 'क्रिकबज' पर कहा, 'कई बार उस समय दिमाग काम करना बंद कर देता है। यह

दिमागी थकान थी। रुक तो जा। अंपायर भी पैसे ले रहे हैं। उसे अपना काम करने दो। मैं इस ईमानदारी को समझ नहीं पाया। अगर यह किनारा होता तो समझ में आता, क्योंकि यह खेल की भावना के अनुरूप होता। लेकिन यह न तो आउट था, न ही अंपायर को यकीन था और आप अचानक से मैदान छोड़कर चले गए। फिर अंपायर भी दुविधा में पड़ जाता है।'

कब वापसी करेंगे संजू सैमसन?

चोट पर हेड कोच राहुल द्रविड़ ने दिया अपडेट

संजू सैमसन की अगुवाई वाली राजस्थान रॉयल्स का आईपीएल 2025 में बुरा हाल है। टीम चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद की तरह ही छह मैच हार चुकी है, जिससे उसके प्लेऑफ में जगह बनाने की संभावनाएं काफी कम हो गई हैं। टीम के खराब प्रदर्शन का एक कारण नियमित कप्तान संजू सैमसन का रेगुलर ना खेल पाना भी है। पूरी तरह फिट नहीं होने की वजह से सैमसन इस सीजन में पहले तीन मैच केवल विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेले। उनकी चोट पर अब टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने अपडेट दिया है।

उन्होंने कहा कि सैमसन फिट नहीं हैं और मेडिकल टीम ने उन्हें खेलने की परमिशन नहीं दी है। इस बल्लेबाज ने इस सीजन में सात मैच खेले हैं और इसमें 30 से ज्यादा की औसत और 140 की स्ट्राइक रेट से 224 रन बनाए हैं। द्रविड़ ने बुधवार को बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है कि दिल्ली के खिलाफ मैच में संजू को थोड़ी परेशानी हुई थी और वह न तो पिछला मैच खेल पाए और न ही यह मैच। वह फिट नहीं थे और हमारी मेडिकल टीम ने उन्हें खेलने की परमिशन नहीं दी।' द्रविड़ ने यह भी बताया कि सैमसन डगआउट में क्यों नहीं आ रहे थे। उन्होंने बताया, 'हमने मेडिकल सलाह ली कि उन्हें आगे की यात्रा का जोखिम न उठाना पड़े। क्योंकि ऐसा करने से उनकी दिक्कत बढ़ सकती है। हमने फिजियो को उनके साथ रखा, ताकि हम उनका इलाज कर सकें और उन्हें जल्द से जल्द वापस लाने की कोशिश कर सकें। हम दिन-प्रतिदिन उनकी हेल्थ पर नजर रख रहे हैं।'

'मैं खुल्ला बोल रहा हूं, आईपीएल में खेलूंगा'

पड़ोसी मुल्क को चुभेगा पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर का बयान

इस्लामाबाद, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने जो बयान दिया है, वो शायद पड़ोसी मुल्क के क्रिकेट फैन्स को रास नहीं आएगा। आमिर का कहना है कि अगर उन्हें आईपीएल में खेलने का मौका मिलेगा, तो वह इस लीग में जरूर हिस्सा लेना चाहेंगे। आमिर ने यहां तक कह डाला कि अगर उन्हें पहले इंडियन प्रीमियर लीग में चुना जाता है, तो वह पाकिस्तान सुपर लीग को नजरअंदाज कर देंगे। आमिर इससे पहले भी आईपीएल में खेलने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं।

मोहम्मद आमिर ने पाकिस्तान के न्यूज चैनल जियो के साथ बातचीत करते हुए कहा, "ईमानदारी से कहूं तो अगर मुझे खेलने का

मौका मिलेगा, तो मैं आईपीएल में जरूर खेलूंगा। मैं यह बात खुल्ला कह रहा हूं। अगर मुझे मौका नहीं मिलता है, तो मैं पीएसएल में ही खेलूंगा। अगर अगले साल तक मुझे आईपीएल में खेलने का चांस मिलता है, तो मैं क्यों नहीं खेलूंगा? मैं जरूर आईपीएल में हिस्सा लूंगा। मुझे नहीं लगता है कि अगले साल आईपीएल और पीएसएल के शेड्यूल का टकराव होगा, क्योंकि इस साल यह चैंपियंस ट्रॉफी की वजह से हुआ।" आमिर ने इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भी आईपीएल में खेलने की इच्छा जाहिर की थी।

पूर्व फास्ट बॉलर ने आगे कहा, "अगर मुझे पीएसएल में पहले चुना जाता है, तो फिर मैं उससे अपना नाम वापस नहीं ले सकता हूं, क्योंकि मैं फिर टूर्नामेंट में खेलने के लिए बाध्य हो जाऊंगा। अगर मुझे आईपीएल में पहले चुना जाता है, तो वह उस लीग में भी अपना नाम वापस नहीं लूंगा। अब यह इस बात पर निर्भर करता है कि किस लीग में मुझे पहले चुना जाता है। अगर आईपीएल का ऑक्शन पहले होता है और मुझे खरीदा जाता है, तो मैं पीएसएल में नहीं खेलूंगा।

वैभव सूर्यवंशी को बिहार से क्रिकेट खेलने के लिए मिलेंगे 25 लाख तक

मुंबई, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी का आईपीएल डेब्यू हो चुका है। राजस्थान रॉयल्स के लिए अपने पहले ही आईपीएल मैच में वो धमाका कर चुके हैं। आईपीएल में उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने कितने में खरीदा है, ये बात पूरी दुनिया जानती है। पिछले साल नवंबर में हुए आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में उन पर 1.10 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, जिसके साथ ही वो आईपीएल इतिहास के सबसे युवा करोड़पति भी बन गए थे। घरेलू क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी बिहार के लिए खेलते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि आईपीएल में एक करोड़ से ज्यादा रुपये कमाने वाले वैभव को बिहार से क्रिकेट खेलने के लिए कितने रुपये मिलते हैं?

बिहार की क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी का डेब्यू आशुतोष अमन की कप्तानी में हुआ था. वही उनके पहले कप्तान थे, जिनके अंदर वैभव ने अपना पहला रणजी मैच खेला था. आशुतोष अमन अब घरेलू क्रिकेट से रिटायर होकर सर्विसेज की टीम को कोच कर रहे हैं. आशुतोष ने बिहार से क्रिकेट खेलने के लिए वैभव सूर्यवंशी को मिलने वाले पैसों पर बात की.

बिहार से खेलने के कितने पैसे लेते हैं वैभव?

बिहार क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान आशुतोष अमन ने बताया कि स्टेट बोर्ड के तहत हर खिलाड़ी को जितने पैसे तय हैं, वही वैभव सूर्यवंशी को भी खेलने के मिलते हैं. सबकुछ इस पर डिपेंड करता है कि वैभव या किसी भी खिलाड़ी ने कितने मैच खेले हैं. आशुतोष अमन के मुताबिक अगर वैभव सूर्यवंशी पूरे घरेलू सीजन में खेलता है तो उसे 25 लाख रुपये तक मिलेंगे.

अगर पूरे सीजन नहीं खेले तो कितने पैसे मिलेंगे?

अब सवाल है कि वैभव सूर्यवंशी अगर पूरा सीजन नहीं खेलते हैं तो फिर उन्हें कितने पैसे मिलेंगे? इस सवाल के जवाब में आशुतोष अमन ने कहा कि उस सूरत में उनके खेले रणजी मैचों की संख्या के आधार पर ही उन्हें पैसे मिलेंगे.

उदाहरण के लिए फिलहाल बीसीसीआई के नियमों के मुताबिक जिस खिलाड़ी के पास 40 से ज्यादा रणजी मैचों का अनुभव है, उसे एक रणजी मैच में हरेक दिन के हिसाब से 60000 रुपये मिलेंगे. मतलब 1 रणजी मैच खेलकर वो 2.40 लाख रुपये कमा सकता है. उसी तरह 21-40 रणजी मैचों का अनुभव रखने वाले खिलाड़ियों को 50000 रुपये प्रति दिन के हिसाब से 2 लाख रुपये मिलते हैं. जबकि 20 से कम रणजी मैचों के अनुभव वाले को 40000 रुपये हर रोज के हिसाब से 1.60 लाख रुपये मिलते हैं.

वैभव सूर्यवंशी को हरेक रणजी मैच के मिलने वाले पैसे

वैभव सूर्यवंशी के पास फिलहाल 20 से कम रणजी मैचों का अनुभव है. उन्होंने सिर्फ 5 रणजी मुकाबले ही खेले हैं. मतलब ये कि पूरे सीजन बिहार के लिए क्रिकेट खेलकर या तो वो 25 लाख रुपये कमा सकते हैं या फिर जितने रणजी मैच खेलेंगे उसके हिसाब से हर मैच के उन्हें 1.60 लाख रुपये मिलेंगे.

वैभव सूर्यवंशी इंडिया के लिए कब खेलेंगे?

वैभव सूर्यवंशी के कोच मनीष ओझा बताया कि वैभव सूर्यवंशी का आगमन टीम इंडिया में कब तक हो सकता है? उनके मुताबिक वो लम्हा अगले एक साल में आ सकता है. कोच का ये बयान पल भर के लिए चौंकाता जरूर है, लेकिन उसमें वो विश्वास दिखा जो एक गुरु को अपने चेले पर होता है. वैभव सूर्यवंशी पर कोच मनीष ओझा का विश्वास वैसा ही है.

कोच मनीष ओझा ने कहा कि वैभव जिस मिजाज के साथ खेल रहा है. जिस तरह से उसने आईपीएल में अपना धमाकेदार आगाज किया है. अगर ऐसे ही खेलता रहा तो अगले एक साल के अंदर वो टीम इंडिया की टी20 टीम का हिस्सा हो सकता है. वैभव सूर्यवंशी को लेकर कोच मनीष ओझा की बातें किस हद तक सच होती हैं, उस बारे में तो फिलहाल नहीं कहा जा सकता है. लेकिन, इसी आईपीएल से पहले जब हमने उनसे पूछा था कि क्या उन्हें राजस्थान में मौजूद बड़े-बड़े नामों के बीच मौका मिलेगा? क्या वो एक भी मैच खेल सकेंगे? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा था कि बिल्कुल. उनके हिसाब से वैभव को 2-3 मैच राजस्थान रॉयल्स जरूर खिलाएंगे. और देखिए कि ऐसा ही हुआ भी है. वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में मैचों का अपना खाता खोल लिया है. और, जिस तरह की 20 गेंदों में 34 रनों की उन्होंने उसमें पारी खेली है, उसे देखने के बाद हैरानी नहीं होगी अगर वो आगे भी कुछ मुकाबले खेलते दिखें.

पाकिस्तान पैसा कमाने पहुंचे केन विलियमसन

आईपीएल 2025 में कमेंट्री से भी कर चुके हैं कमाई

खेल डेस्क, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 28 बेकसूर लोगों को निशाना बनाया गया था. इस घटना के बाद से ही पूरे भारत में गुस्से का माहौल है. इस हमले के पीछे पाकिस्तानी संगठनों का हाथ होने का शक जताया जा रहा है. इस बीच न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर केन विलियमसन पाकिस्तान पहुंच गए हैं. उन्होंने 24 अप्रैल को लाहौर में कदम रखा. दरअसल, विलियमसन PSL 2025 में हिस्सा लेने के पाकिस्तान गए हैं. मौजूदा सीजन के लिए उन्होंने कराची किंग्स के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है. इससे पहले वो IPL 2025 में कमेंट्री कर रहे थे. यानि भारत में आईपीएल से पैसा कमाने के बाद अब वो पाकिस्तान में कमाई करेंगे.

पीएसएल में मिलेगा कितना पैसा?

केन विलियमसन ने पीएसएल में डेब्यू करने जा रहे हैं. 25 अप्रैल को क्वेटा ग्लैडिएटर्स के खिलाफ वो इस पाकिस्तानी लीग में अपना पहला मैच खेल सकते हैं. कराची किंग्स ने उन्हें सप्लीमेंट्री प्लेयर के तौर पर ड्राफ्ट

किया था. रिपोर्ट के मुताबिक, इसके तहत उन्हें 50 हजार डॉलर यानि करीब 42.70 लाख रुपये मिलेंगे. बता दें इस सीजन में पहले 5 मैचों में कराची के लिए नहीं खेल पाए थे. इस दौरान विलियमसन आईपीएल में कमेंट्री कर रहे थे.

हालांकि, कराची की टीम ने उन्हें इस साल की शुरुआत में टूर्नामेंट के लिए साइन कर लिया था, लेकिन उन्होंने पहले आईपीएल में कमेंट्री करने का फैसला किया. इसलिए वो पीएसएल के करीब आधे सीजन में नजर नहीं आए. भारत में कॉन्ट्रैक्ट पूरा करने के बाद अब वो पाकिस्तानी लीग में खेलते हुए दिखेंगे. 34 साल के विलियमसन सनराइजर्स हैदराबाद टीम के अपने पूर्व साथी डेविड वॉर्नर के साथ फिर से जुड़ेंगे. वॉर्नर इस सीजन में कराची के लिए कप्तानी कर रहे हैं.

आईपीएल में रहे थे अनसोल्ड

केन विलियमसन का आईपीएल करियर लंबा और सफल रहा, उन्होंने 2015 से 2024 तक 10 सीजन खेले हैं. हालांकि, 2025 के मेगा ऑक्शन में किसी टीम ने उन्हें नहीं खरीदा और वो अनसोल्ड रह गए थे. इसके बाद ही वो कमेंट्री पैनल से जुड़े थे. वो सनराइजर्स हैदराबाद के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी रह चुके हैं. आईपीएल 2018 के सीजन में उन्होंने हैदराबाद को फाइनल में पहुंचाया था. इस सीजन में उन्होंने 17 मैचों में 52.50 की औसत से 735 रन बनाए थे. इस दौरान उनके बल्ले से 8 अर्धशतक भी निकले थे और ऑरेंज कैप विनर रहे थे. 2022 में SRH के साथ रिश्ता टूटने के बाद विलियमसन ने अगले दो सीजन में गुजरात टाइटंस के लिए खेला. विलियमसन ने आईपीएल में 79 मैच खेले हैं. उन्होंने 35 की औसत और 125 के स्ट्राइक रेट से 2128 रन बनाए हैं.

सीएम रेवंत रेड्डी और मंत्रियों ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा। बुधवार को जापान के एक सप्ताह के दौरे से लौटे मुख्यमंत्री ने आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, मंत्रियों, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन से मुलाकात की और आतंकी हमले के मद्देनजर स्थिति और पर्यटकों को होने वाली समस्याओं पर चर्चा की।

बैठक में मुख्यमंत्री और अन्य प्रतिभागियों ने मारे गए लोगों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा। मुख्यमंत्री गुरुवार शाम को हैदराबाद में आतंकी हमले के पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए कैंडल मार्च का नेतृत्व करेंगे। कैंडल मार्च पीपल्स प्लाजा से शहर के बीचों-बीच हुसैन सागर के किनारे इंदिरा गांधी की प्रतिमा तक निकाला जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि पहलगाम, जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवाने वाले बहादुर व्यक्तियों को श्रद्धांजलि देने के लिए तेलंगाना सरकार उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने और उनकी याद में कैंडल मार्च का आयोजन करेगी। उन्होंने कहा कि यह शांतिपूर्ण प्रदर्शन पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ एकजुटता और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रुख का प्रतीक है।

इस बीच, राज्य ने आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में फंसे राज्य के लोगों के लिए हेल्पलाइन खोली है। सरकार ने हेल्पलाइन नंबरों की घोषणा की है: 9440816071, 9010659333 और 040-23450368। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं कि तेलंगाना के पर्यटक सुरक्षित रूप से अपने गृहनगर पहुँचें।

सरकार ने टूर ऑपरेटरों से पिछले कुछ दिनों में कश्मीर घूमने गए राज्य के पर्यटकों का ब्यौरा मांगा है। मंगलवार को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में कम से कम 26 पर्यटक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

हैदराबाद के एक इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) अधिकारी भी आतंकी हमले के शिकार लोगों में शामिल थे। बिहार के मूल निवासी और हैदराबाद में तैनात मनीष रंजन अपने परिवार के साथ लीव ट्रैवल कंसेशन (एलटीसी) यात्रा पर थे। परिवार, कई अन्य पर्यटकों के साथ, मिनी स्विट्ज़रलैंड के नाम से मशहूर पहलगाम की बैसरन घाटी में था, जब आतंकवादियों ने उन पर हमला किया।

नहर में डूबने से किशोर की मौत

परिवार के तीसरे सदस्य की भी डूबने से मौत

निर्मल, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल मंडल के सिद्धपुर गांव में बुधवार देर शाम श्री राम सागर परियोजना की नहर में तैरते समय 17 वर्षीय इंटरमीडिएट का छात्र बह गया। वह अपने परिवार में इस तरह की दुखद घटना का सामना करने वाला तीसरा व्यक्ति था। पुलिस ने बताया कि इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष का छात्र और इब्राहिम का छोटा बेटा हनीफ उस समय पानी में समा गया जब वह अपने दो दोस्तों के साथ शाम करीब पांच बजे नहर में तैरने गया था। नहर में पानी का बहाव तेज होने के कारण हनीफ बह गया। जब हनीफ अचानक बह गया तो उसके दोस्त असहाय हो गए। उन्होंने उसके माता-पिता को इसकी सूचना दी, जिन्होंने पुलिस से मदद मांगी। पुलिस मौके पर पहुंची और हनीफ की तलाश शुरू की। हालांकि, गुरुवार सुबह तक शव नहर से बरामद नहीं हो सका। हनीफ निर्मल कस्बे में अल्पसंख्यक आवासीय कॉलेज में पढ़ाई कर रहा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि इब्राहिम के परिवार को डूबने की समस्या हमेशा सताती रहती है।

दत्तात्रेय ने लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिवार को सांत्वना दी

> पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की

चंडीगढ़/हैदराबाद 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने गुरुवार को नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट विनय नरवाल धरती के बहादुर सपूत थे, जिन्होंने पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के दौरान अपनी जान गंवा दी। राज्यपाल ने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और एक साहसी युवा अधिकारी के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया। पहलगाम आतंकी हमले को मानवता के खिलाफ सबसे जघन्य अपराध बताते हुए दत्तात्रेय ने इस क्रूर कृत्य की कड़ी निंदा की और कहा कि इस तरह के कायरतापूर्ण हमले कभी भी भारतीय नागरिकों, सशस्त्र बलों या राष्ट्र की भावना के संकल्प को हिला नहीं पाएंगे। एक बहादुर और युवा नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की क्षति को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। हरियाणा और पूरे देश के लोग इस दुख की घड़ी में आपके साथ खड़े हैं। घिनौने आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति सम्मान के प्रतीक के रूप में, दत्तात्रेय ने यह भी घोषणा की कि उन्होंने भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से अपनी आत्मकथा 'जनता की कहानी मेरी आत्मकथा' के विमोचन समारोह को स्थगित करने का अनुरोध किया है, जो मूल रूप से 24 अप्रैल को होने वाला था। यह शोक और चिंतन का समय है।

मैंने उपराष्ट्रपति से कायरतापूर्ण आतंकी हमले में अपनी जान गंवाने वालों और उनके परिवारों के सम्मान में मेरी आत्मकथा के विमोचन को स्थगित करने का अनुरोध किया।

अवैध नशीली दवाओं के व्यापार पर कार्रवाई

नलगोंडा, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। औषधीय दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के प्रयास में, नलगोंडा पुलिस ने डॉक्टर के पर्चे पर लिखी दवाओं की अवैध बिक्री में शामिल एक गिरोह को पकड़ा है। विशेष टीमों द्वारा चलाए गए अभियान के तहत, 25,000 रुपये की कीमत की 2,400 गोलियां, एक मोटरसाइकिल, 22,000 रुपये नकद, दो मोबाइल फोन और मेडिकल शॉप के लाइसेंस के दस्तावेज जब्त किए गए।

मुख्य आरोपी मोहम्मद खाजा वसीमुद्दीन (38) ने कबूल किया है कि वह कुछ खास तरह के नशीले पदार्थों का आदी है और अपनी लत को बनाए रखने और पैसे कमाने के लिए वह इनका अवैध कारोबार करता है। उसके दो साथी खाजा शोएब और शेख अमीर फिलहाल फरार हैं। जांच में पिदुगुराल्ला में मेडिकल शॉप संचालक मणिदीप की संलिप्तता का भी पता चला, जिसने कथित तौर पर उचित प्रिस्क्रिप्शन दस्तावेज के बिना आरोपियों को गोलियां मुहैया कराई थीं। गिरोह ने कथित तौर पर 100 रुपये में बहुप्रतीक्षित गोलियों की शीट खरीदी और उन्हें ज़रूरतमंदों को 180 रुपये की बढ़ी हुई दरों पर बेचा। वसीमुद्दीन को अवैध बिक्री के लिए 288 शीट की गोलियां ले जाते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

पानी, धन और नौकरियों की कमी को लेकर रेवंत रेड्डी सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने तेलंगाना में पानी, धन और रोजगार से संबंधित प्रमुख वादों को पूरा करने में विफल रहने को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। हरीश राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार कृष्णा नदी के पानी में तेलंगाना के हक का हिस्सा दिलाने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान बड़े-बड़े दावे करने के बावजूद कांग्रेस सरकार ने बाकाचार्ला जल मुद्दे को सुलझाने में कोई तत्परता नहीं दिखाई। उन्होंने 8,929 करोड़ रुपये के ऋण विनियोजन पर निष्क्रियता और दो लाख सरकारी नौकरियों के वादे को पूरा करने में विफलता पर भी सवाल उठाया। उन्होंने सवाल किया कि तेलंगाना के लिए इरादा और दृष्टि कहां है? उन्होंने सरकार पर लोगों की आकांक्षाओं को धोखा देने का आरोप लगाया।

अल्लू अर्जुन, श्रीलीला के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग

> 'भ्रामक' विज्ञापनों को बढ़ावा देने का मामला

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता अल्लू अर्जुन और श्रीलीला ने एक बार फिर विवाद खड़ा कर दिया है, इस बार कथित तौर पर एक शैक्षणिक संस्थान को भ्रामक तरीके से बढ़ावा देने के लिए। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ) विजयवाड़ा ने श्री चैतन्य संस्था का प्रचार करने के लिए दोनों अभिनेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फेडरेशन ने दावा किया कि इस तरह के प्रचार से माता-पिता गुमराह होते हैं जो अपने बच्चों को इन संस्थानों में दाखिला दिलाने के लिए मोटी रकम चुकाते हैं।

फेडरेशन ने दुख जताते हुए कहा कि अभिनेताओं ने दावों की प्रामाणिकता की पुष्टि किए बिना ही संस्थान को बढ़ावा देने पर सहमति जताई है। श्री चैतन्य में नामांकित छात्रों के अलावा किसी अन्य छात्र को अच्छी रैंक नहीं मिलती है और उन्हें अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है, जैसे दावे विज्ञापन की प्रामाणिकता पर सवाल उठाते हैं और अभिनेताओं ने भी इसकी पुष्टि किए बिना संस्थानों को बढ़ावा दिया है।

उन्होंने कहा कि अभिनेताओं ने यह भी सत्यापित नहीं किया कि विज्ञापन में दिखाए गए छात्र वास्तव में उसी संस्थान में नामांकित हैं या नहीं या उन्होंने प्रस्तावित रैंक भी हासिल की है या नहीं। इससे पहले, अभिनेता महेश बाबू को भी प्रवर्तन विभाग (ईडी) ने साई सूर्या डेवलपर्स और सुराना ग्रुप को बढ़ावा देने वाले एक विज्ञापन में काम करने के लिए तलब किया था। मनी लॉन्ड्रिंग जांच में बिल्डर के कार्यालयों पर ईडी के छापे के बाद अभिनेता को नोटिस जारी किए गए थे।

नीट यूजी-2025 की सूचना पर्ची जारी

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) यूजी 2025 शहर सूचना पर्चियां वेबसाइट https://neet.nta.nic.in पर जारी कर दी हैं। अभ्यर्थियों को अपने लॉगइन क्रेडेंशियल का उपयोग करके पर्ची डाउनलोड करनी होगी। एनटीए ने कहा कि यह शहर के आवंटन के लिए अग्रिम सूचना है, जहां परीक्षा केंद्र स्थित होगा, ताकि उम्मीदवारों की सुविधा हो सके।

साथ ही कहा कि एडमिट कार्ड का उपयोग बाद में किया जाएगा। यदि किसी अभ्यर्थी को परीक्षा शहर की सूचना पर्ची डाउनलोड/जांचने में कठिनाई हो रही है, तो वह एनटीए से 011-40759000/011-69227700 पर संपर्क कर सकता है या neetug2025@nta.ac.in पर ईमेल कर सकता है। नीट-यूजी 2025 का आयोजन देश भर के 552 शहरों और विदेश के 14 शहरों में 4 मई को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा।

घर में घुसकर सोने के गहने चुराने वाला चोर गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने बुधवार को चोरी के एक मामले में शामिल एक चोर और रिसीवर को गिरफ्तार कर 40 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए। पुलिस ने बताया कि के. मणिकांता, जो पहले भी कई चोरी के मामलों में शामिल रहा है, हाल ही में जुबली हिल्स में एक घर में घुसकर सोने के आभूषण चुराकर फरार हो गया। चोरी की गई सामग्री व्यापारी अनिल कुमार को सौंप दी गई। शिकायत के आधार पर जुबली हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया तथा चोरी का माल जब्त कर लिया।

टीएसडब्ल्यूआरडी कॉलेज की इमारत से गिरकर छात्र घायल

मंचेरियल, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सामाजिक कल्याण आवासीय डिग्री कॉलेज (गर्ल्स) की एक इमारत से गुरुवार को दुर्घटनावश गिरकर एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। कॉलेज के अधिकारियों ने बताया कि कॉलेज में डिग्री कोर्स के दूसरे वर्ष की छात्रा लक्ष्मी प्रसन्ना इमारत से नीचे गिरने से सिर में चोट लग गई। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के पीछे के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

खैरताबाद आरटीओ में देखे गए फिल्म निर्माता एसएस राजामौली

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। लोकप्रिय निर्देशक एसएस राजामौली ने गुरुवार को अपने अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए आवेदन करने हेतु खैरताबाद स्थित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) का दौरा किया। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने राजामौली का स्वागत किया तथा यह सुनिश्चित किया कि पंजीकरण संबंधी औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर ली जाएं, तथा उन्हें अधिक समय तक इंतजार नहीं कराना पड़े। सूत्रों ने बताया कि 'बाहुबली' निर्देशक द्वारा डिजिटल अंगूठे का निशान और हस्ताक्षर देने के बाद लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी हो गई। संयुक्त परिवहन आयुक्त सी रमेश उपस्थित थे। यह ध्यान देने वाली बात है कि राजामौली और तेलुगू सुपरस्टार महेश बाबू ने एक प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है जिसका नाम 'एसएसएमबी29' रखा गया है। फिल्म की शूटिंग विदेश में कई जगहों पर होने वाली है, इसलिए राजामौली ने अपने ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए आवेदन किया है।

बढ़िया चावल वितरण के बावजूद पीडीएस चावल का पुनर्चक्रण जारी

संगारेड्डी, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से उत्तम गुणवत्ता वाले चावल के वितरण से पीडीएस चावल के दुरुपयोग या पुनर्चक्रण की प्रवृत्ति में कोई बदलाव नहीं आया है। राशन कार्ड धारक कथित तौर पर इसे 20 से 25 रुपये प्रति किलो बेच रहे थे। पूर्ववर्ती मेदक जिले के व्यापारी ट्रॉली ऑटो में घूमकर पीडीएस चावल खरीद रहे हैं। जबकि सरकार प्रत्येक लाभार्थी को 1 रुपये प्रति किलो के हिसाब से 6 किलो चावल दे रही थी, उनमें से काफी संख्या में लोग पैसे या कुछ जगहों पर ज्वार के बदले चावल बेच रहे थे।

बीआरएस पार्टी की वारंगल सभा एक बड़ी सफलता होगी : दानम

बीआरएस छोड़ कांग्रेस में शामिल हो चुके एमएलए के बदले बोल

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र ने गुरुवार को सनसनीखेज टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने कहा कि 27 अप्रैल को वारंगल में बीआरएस पार्टी की आगामी सभा एक महत्वपूर्ण सफलता होने की उम्मीद है।

दानम नागेंद्र पिछले विधानसभा चुनावों में बीआरएस पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हुए विधायक के रूप में चुने गए थे, बाद में कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए।

गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान, उन्होंने कहा कि लोग बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को देखने के लिए उत्सुक हैं, इस कार्यक्रम के लिए बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है। दानम नागेंद्र ने कांचा गच्चीबावली भूमि विवाद पर अपने रीट्वीट के संबंध में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी स्मिता सभरवाल की कार्रवाई का भी बचाव किया, उन्होंने दावा किया कि इसमें कुछ भी अनुचित नहीं था।

उन्होंने बताया, 'स्मिता सभरवाल ने कांचा गच्चीबावली भूमि की स्थिति का सटीक चित्रण किया है। उनकी टिप्पणियों का उद्देश्य सरकार की आलोचना करना नहीं था, और ऐसा कोई भी सुझाव कि उन्होंने सरकार को नकारात्मक रूप से चित्रित किया है, निराधार है।

सर्वोच्च न्यायालय ने मामले को गंभीरता से लिया है, और मुझे विश्वास है कि राज्य सरकार कांचा गच्चीबावली भूमि मुद्दे का पुनर्मूल्यांकन करेगी।

यातायात प्रशिक्षण संस्थान, गोशामहल में बच्चों के लिए नि:शुल्क ग्रीष्मकालीन शिविर

सुरक्षा, आत्मरक्षा, नृत्य और संगीत, कार्टून, लिखावट में सुधार आदि का होगा प्रशिक्षण

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक-हितैषी पुलिसिंग के हिस्से के रूप में और बच्चों और पुलिस के बीच की खाई को पाटते हुए यातायात जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए, हैदराबाद यातायात पुलिस, होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से, यातायात प्रशिक्षण संस्थान, गोशामहल, हैदराबाद में बच्चों के लिए नि:शुल्क ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन कर रही है। यातायात जागरूकता और सुरक्षा, आत्मरक्षा, नृत्य और संगीत, पेंटिंग और कार्टून, लिखावट में सुधार, व्यक्तित्व विकास पर कक्षाओं का आयोजन होगा। 6वीं कक्षा पूरी करने वाले बच्चे से लेकर 10वीं कक्षा में शामिल होने वाले बच्चे (लड़के और लड़कियां दोनों) शिविर में भाग ले सकते हैं।

इस मामले में संपर्क अधिकारी जी. हरीश, पुलिस निरीक्षक, यातायात प्रशिक्षण संस्थान, गोशामहल से सम्पर्क कर सकते है। 5 से 10 मई को सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक शुरू होगा और पंजीकरण 25 अप्रैल से शुरू होगा। इच्छुक बच्चों और उनके अभिभावकों से अनुरोध है कि वे मोबाइल नंबर 9848063345 पर संपर्क करके जल्द से जल्द पंजीकरण कराएं। संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, हैदराबाद डी. जोएल डेविस ने कहा कि अभिभावकों को अपने बच्चों के लिए परिवहन की व्यवस्था करनी चाहिए।

गंजेपन के इलाज का घोटाला पकड़ा गया

> बाल दोबारा उगाने के झूठे वादे से सैकड़ों लोगों को ठगा गया

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गंजे लोगों की पूरे बाल उगाने की इच्छा को भुनाया जा रहा है। सूर्यापेट जिले के राजनायक थांडा के हरीश नामक एक व्यक्ति ने गंजे सिर पर फिर से बाल उगाने का वादा किया। सोशल मीडिया पर विज्ञापन देकर दावा किया गया कि वह गंजे सिर पर फिर से बाल उगा देगा। इसके लिए एक खास ऐप भी बनाया गया। इस बात पर यकीन करने वाले लोग बुधवार को बड़ी संख्या में उप्पल भगायत में आए। आयोजकों ने प्रत्येक व्यक्ति से 1,000 रुपए एकत्र किए और उन्हें तेल और शैम्पू की बोतलें दीं। जिन लोगों के बाल विभिन्न कारणों से झड़ गए थे और गंजे हो गए थे, वे विज्ञापन देखकर बाल वापस उगाने की उम्मीद में उप्पल की ओर उमड़ पड़े। उनके लिए उप्पल भगायत में विशेष टेंट लगाए गए थे। विज्ञापन पर विश्वास करके तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से बड़ी संख्या में लोग अपने बाल खो चुके थे। जानकारी के अनुसार हरीश और उसके साथी लोगों को सिर पर तेल और शैम्पू लगाने का तरीका बता रहे थे।

सैकड़ों की संख्या में लोग वहां पहुंचे तो स्थानीय लोगों ने पुलिस से शिकायत की। मौके पर पहुंची उप्पल पुलिस ने हरीश को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इससे पहले, अप्रैल के पहले सप्ताह में, कई गंजे व्यक्ति अस्पताल पहुंचे थे, जब एक नाई ने कथित तौर पर उनके गंजे सिर पर बाल वापस उगने का आश्वासन देते हुए कुछ लोशन लगाया था।

यह घटना पुराने शहर के चंदूलाल बारादरी में घटी, जहां दिल्ली के एक नाई सह सोशल मीडिया प्रभावशाली व्यक्ति वकील सलमानी ने दावा किया कि वह बालों को दोबारा उगाने में मदद कर सकता है।

महिला ने लगाया बलात्कार और धोखाधड़ी का आरोप

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला ने गुरुवार को एसआर नगर पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया कि शहर के एक व्यक्ति ने उससे शादी करने का वादा करके उसके साथ धोखा किया और बलात्कार किया। पुलिस के अनुसार, आंध्र प्रदेश के अनंतपुर की रहने वाली 26 वर्षीय युवती की इंस्टाग्राम पर मुरली किरण नामक संदिग्ध व्यक्ति से दोस्ती हुई। उसने युवती के सामने प्रेम प्रस्ताव रखा, जिसे युवती ने स्वीकार कर लिया। उसके बाद से वे कई बार मिले। उसने आरोप लगाया कि शादी का वादा करके उसने कई बार उसका यौन शोषण किया। हाल ही में जब उसने उससे शादी के लिए कहा तो वह टालमटोल करने लगा और शादी करने से इनकार कर दिया। महिला की शिकायत के आधार पर एसआर नगर पुलिस ने बलात्कार और धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

अलग-अलग घटनाओं में 2 महिलाओं की उनके पतियों ने हत्या कर दी

आदिलाबाद/कुमराम भीम आसिफाबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दो अलग-अलग घटनाओं में, आदिलाबाद और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों में गुरुवार और बुधवार की रात को दो महिलाओं की कथित तौर पर उनके पतियों द्वारा हत्या कर दी गई। पहली घटना में, कीर्ति (30) को गुरुवार को गुडीहाथनूर मंडल केंद्र में उसके पति मारुति ने बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। वह खून से लथपथ मृत पाई गई। पुलिस ने बताया कि कीर्ति की हत्या करने के बाद उसका पति मौके से फरार हो गया। हत्या के पीछे का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है।

गुड़ीहाथनूर मंडल मुख्यालय की मूल निवासी कीर्ति की शादी करीब 10 साल पहले मारुति से हुई थी। दोनों के बीच काफी समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। इस बीच, कागजनगर मंडल के वंजीरी गांव में एक महिला डोके पोशाक्का (42) की उसके पति ने हत्या कर दी। बुधवार रात करीब 10 बजे उसके पति जयराम ने लोहे के खेत के औजार से उस पर हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। जयराम ने उससे बहस की और गुस्से में आकर उसके सिर पर औजार से वार कर दिया। वह जयराम की दूसरी पत्नी थी, जो गर्भधारण न कर पाने के कारण उससे नाखुश था। शराबी जयराम कथित तौर पर नियमित अंतराल पर शराब के नशे में पोशक्का से झगड़ा करता था। महिला की मां राजू बाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामला दर्ज कर लिया गया। जांच शुरू कर दी गई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.